शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 355 | गुवाहाटी | सोमवार, 24 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

कैबिनेट फैसले की समीक्षा करे सरकार पेज 3 | प्रधानमंत्री गांधीनगर में 28 जुलाई को सेमीकॉन इंडिया 2023 का करेंगे उद्घाटन पेज 4 | पूर्व आईएएस सत्येंद्र सिंह पर ईडी, सीबीआई की लटकी तलवार पेज 5 | महिला सुरक्षा, अत्याचार की हकीकत बताने वाले मंत्री को हटाना महिला... पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

अल्फा के नाम पर रंगदारी, जवाबी गोलीबारी में शख्स घायल

जबरन वसूली करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : डीजीपी

गुवाहाटी। डिब्रूगढ़ जिले में *अल्फा* की ओर से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार शख्स पुलिस की गोलीबारी में उस समय घायल हो गया, जब उसने सुरक्षाकर्मियों पर कथित तौर पर हमला करने की कोशिश की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उग्रवादी संगठन की ओर से रंगदारी मांगे जाने के खिलाफ सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियान में घायल व्यक्ति और एक अन्य महिला को अलग-अलग पकड़ा गया। डिब्रूगढ़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्वेतांक मिश्रा ने कहा कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमें रंगदारी मांगने की खबरों के बाद डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, शिवसागर और चराइदेव जिलों में अभियान चला रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें सूचना मिली थी कि कुछ लोग जबरन वसूली कर रहे हैं। वे अल्फा के नाम पर पैसे की मांग कर रहे थे, हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि उनके संगठन से संबंध हैं या नहीं। एसपी ने कहा कि एक व्यक्ति को डिब्रूगढ़ के खोवांग से गिरफ्तार किया गया, जबकि एक महिला को शुक्रवार दोपहर डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय परिसर के पास पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि महिला के पास से एक बैग बरामद किया गया है, जिसमें तीन लाख रुपए थे। अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति के पास से कुछ नकदी बरामद की गई है। पूछताछ के दौरान, उसने हमें अपने घर में और नकदी होने की सूचना दी और हमारी टीम ने वहां से लगभग एक लाख रुपए

जब्त किए। उन्होंने कहा कि बाद में रात में उसने कहा कि पास के एक गांव में कुछ और पैसे हैं और हमारी टीम उसे घटनास्थल पर ले गई। हमारे कर्मियों ने उसके हाथ में ग्रेनेड जैसी चीज देखी, जिसे वह सुरक्षा टीम पर फेंकने वाला था। पुलिस ने उसे रोकने के लिए गोली चलाई और उसके पैर में गोली लग गई। उन्होंने बताया कि आरोपी का फिलहाल इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर है। उधर जबरन वसूली अभियान और गिरफ्तारियों का जिक्र करते हुए पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने अल्फा जैसे प्रतिबंधित संगठन के नाम पर किसी भी -शेष पृष्ठ दो पर

बौखलाए अल्फा (स्वा) ने डीजीपी को दी चेतावनी, मुठभेड़ को बताया फर्जी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस द्वारा की जा रही कठोर कार्रवाई से बौखला कर यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा-स्वा) ने राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह को चेतावनी दी है। पुलिस द्वारा किए गए मुठभेड़ों को अल्फा ने फर्जी मुठभेड़ करार दिया है। उल्लेखनीय है कि ऊपरी असम के चाय बागानों से अल्फा (स्वा) द्वारा की जा रही धन की मांग संबंधी जानकारी प्राप्त होने के बाद अल्फा के खिलाफ असम पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान से अल्फा बौखला चुका है। बौखलाहट में आकर अल्फा (स्वा) के प्रचार सचिव स्वयंभू कैप्टन रुमेल असम ने मीडिया को एक ईमेल भेजकर डीजीपी को -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, दो समूहों के बीच भारी गोलीबारी, घर-स्कूल जलाए

इंफाल। मणिपुर में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। बिष्णुपुर जिले में शनिवार देर शाम दो समूहों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। महिलाओं ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कुकी समुदाय के सौ से अधिक लोगों ने बिष्णुपुर जिले की ट्रोबुंग ग्राम पंचायत में मैतेई समुदाय के कुछ घर और एक स्कूल जला दिया। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर हालात पर नियंत्रण किया। कुंबी से भाजपा विधायक सनासम प्रेमचंद्र सिंह ने बताया कि ये सभी चुराचांदपुर

जिले से आए थे और अचानक हमला बोल दिया। मणिपुर में 80 से अधिक दिनों से जातीय हिंसा जारी है, जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
सुख का आधार धर्म है।
- आचार्य चाणक्य

पश्चिम बंगाल : दुकान में घुसकर भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम निकलने के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब उत्तर दिनाजपुर में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या का मामला सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता की दुकान में घुस कर हत्या की गई है। मृतक की पहचान असीम साहा के रूप में हुई है। हत्यारों ने चाकु से वार किए। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : छठा आरोपी गिरफ्तार मिजोरम से पलायन कर रहे मैतेई

इंफाल। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराए जाने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अबतक एक नाबालिग समेत छह आरोपी गिरफ्तार

किए गए हैं। एक शख्स वायरल वीडियो में महिला को घसीटता दिखा था, पुलिस ने उसे भी दबोच लिया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए राज्यभर में पुलिस की कई टीमें तैनात की गई है। उधर मिजोरम से मैतेई समुदाय के लोग हिंसा की डर से लोग पलायन कर रहे हैं। 4 मई के वायरल वीडियो में देखा गया कि मैतेई समुदाय के बड़ी संख्या में लोग दो कूकी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कर्नाटक में टमाटर से भरा ट्रक हाईजैक पति-पत्नी गिरफ्तार

बेंगलुरु। तमिलनाडु के एक दंपति को बेंगलुरु में 2.5 टन टमाटर से लदे ट्रक को हाइजैक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, वेल्लोर निवासी दंपति राजमार्गों पर लूटपाट करने वाले एक गिरोह के सदस्य हैं और उन्होंने आठ जुलाई को चित्रदुर्ग जिले के चिक्काजाला में हिरियुर के एक किसान मल्लेश को रोका तथा यह दावा करते हुए उससे पैसे ऐंठने की कोशिश की कि उसके ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मारी है। पुलिस के मुताबिक, जब मल्लेश ने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो दंपति ने उससे मारपीट की, उसे ट्रक से बाहर निकाल दिया और 2.5 -शेष पृष्ठ दो पर

व्यवधान और गड़बड़ी पैदा करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र पूरी तरह से संवाद, चर्चा, विचार-विमर्श और बहस के बारे में है। व्यवधान और गड़बड़ी पैदा करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने इस पर अपना दर्द और चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र के मंदिरों में अशांति को हथियार बनाया गया है, जबकि इन्हें बड़े पैमाने पर लोगों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम करना चाहिए। विज्ञान भवन में रविवार को जामिया मिलिया इस्लामिया के शताब्दी वर्ष दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि असहमति -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र के सरकारी अधिकारियों को मिलेंगे मोबाइल-लैपटॉप

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के अधिकारी 1.3 लाख रुपए तक की कीमत के मोबाइल, लैपटॉप या इसी तरह के अन्य उपकरणों के पात्र होंगे। यही नहीं वे चार साल बाद इन उपकरणों को निजी इस्तेमाल के लिए अपने पास रख सकेंगे। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग इस बारे में एक कार्यालय ज्ञापन के जरिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार, पात्र अधिकारी आधिकारिक कामकाज के लिए इतने मूल्य का मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट, नोटबुक, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा के लिए अफवाहें, फर्जी खबरें जिम्मेदार : सुरक्षा एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में हालात पर नजर रख रहे विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के अनुसार तीन मई को भड़की जातीय हिंसा में 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और इसे काफी हद तक अफवाहों और फर्जी खबरों से बढ़ावा मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि चार मई को कांगपोकपी जिले में

हुई घृणित घटना (महिलाओं की निर्वस्त्र परेड) इंफाल घाटी में पॉलीथीन में लिपटे एक शव की तस्वीर को झूठे दावे के साथ प्रसारित किए जाने के बाद हुई थी। दावा किया गया था कि आदिवासियों के द्वारा चुराचांदपुर में पीड़िता की हत्या की गई है। एक अधिकारी ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर सामने आए कांगपोकपी घटना के वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि बाद में पता चला कि यह तस्वीर राष्ट्रीय राजधानी की थी जहां एक महिला की हत्या कर दी गई थी, तब तक आक्रोश ने घाटी को अपनी चपेट में ले लिया था और अगले दिन जो कुछ देखा गया, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया। -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी पर सरकार के साथ आया पसमांदा समाज

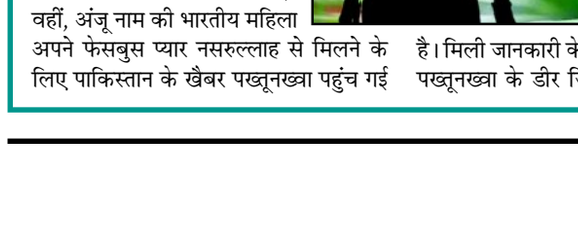

नई दिल्ली। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर चर्चा के बीच पसमांदा मुसलमानों में एक संवाद का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय की कई जातियां पहुंचीं। बैठक में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष और पूर्व उपाध्यक्ष शामिल हुए। मंत्री दानिश आजाद ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का आयोजन सहकारिता भवन के सभागार में आयोजित किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

बरेली में कांवड़ियों पर पथराव, बच्चों समेत कई चोटिल

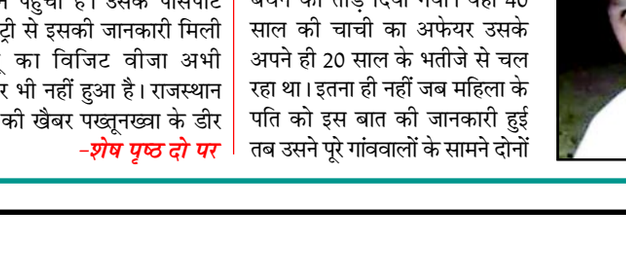

बरेली। बरेली के जोगी नवादा में रविवार दोपहर इबादत स्थल के पास कांवड़ियों के जत्थे पर अराजकतत्वों ने पथराव कर दिया। इस घटना में कुछ लोगों व महिलाओं को चोट आ गई। विरोध में थोड़ा आगे बढ़कर कांवड़ियों ने सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने पूर्व पार्षद की शह पर घटना का आरोप लगाकर नारेबाजी की। कई थानों की फोर्स और आरएएफ मौके पर पहुंच गई। अफसरों ने पूर्व पार्षद की गिरफ्तारी का आश्वासन भी दिया, लेकिन कांवड़िये नहीं माने। शाम पांच बजे तक हंगामा होता रहा। गोपालनगर वार्ड 48 से जोगी नवादा के वनखंडीनाथ मंदिर होते हुए कांवड़िये कछला गंगाघाट पर जल लेने जाते हैं और वापस आकर इसी मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। रविवार दोपहर करीब सवा दो बजे करीब 30 वाहनों से चार हजार कांवड़ियों का जत्था गोपालनगर से मंदिर की ओर बढ़ा। जत्थे में महिलाएं और बच्चे भी थे। जोगी नवादा में एक इबादत स्थल के पास से जब जत्था निकला तो कुछ गुलाल उड़कर दूसरी ओर चला गया। इस बात पर इबादत स्थल के पास मौजूद लोग भड़क गए। दूसरे पक्ष के युवकों ने पथराव कर दिया। छत से भी कांवड़ियों पर पथराव किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

चोरी करने लायक कुछ नहीं मिला तो चोरों ने घर पर छोड़ गए 500 रुपए

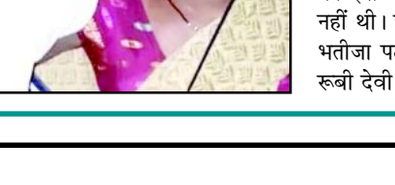

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी इलाके में चोर एक सॉफ्ट वेयर इंजीनियर के घर चोरी करने आए मगर उनके उम्मीदों के अनुरूप उन्हें इंजीनियर के घर कुछ चोरी करने लायक सामान नहीं मिला। इससे दुखी होकर चोर इंजीनियर के घर में पांच सौ रुपए छोड़कर गए। जानकारी के मुताबिक पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली जिसके मुताबिक रोहिणी के सेक्टर 8 में चोरी हुई है। चोरी की घटना की सूचना मिलने पर नॉर्थ रोहिणी पुलिस स्टेशन की टीम उनके घर पहुंची, जहां 80 वर्षीय व्यक्ति ने चोरी की शिकायत की थी। पीड़ित के मुताबिक घटना 19 जुलाई -शेष पृष्ठ दो पर

एक और सीमा हैदर, इसबार भारत से

नसरुल्लाह के प्यार में पाकिस्तान जा पहुंची अंजू

नई दिल्ली। अपने प्यार सचीन मीणा के पीछे पागल होकर पाकिस्तान से भारत आने वाली सीमा हैदर की खूब चर्चा हो रही है। इस बीच एक भारतीय लड़की भी अपने प्यार से मिलने के लिए सरहद पार पाकिस्तान पहुंच गई है। सीमा हैदर जहां ऑनलाइन गेम पब्जी खेलते हुए सचीन के प्यार में पड़ी और फिर नेपाल के रास्ते भारत आ गई। वहीं, अंजू नाम की भारतीय महिला अपने फेसबुस प्यार नसरुल्लाह से मिलने के लिए पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा पहुंच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, नसरुल्लाह खैबर पख्तूनख्वा के डीर जिले का रहने वाला है। अंजू और नसरुल्लाह की दोस्ती फेसबुक पर हुई और फिर उनका प्यार परवान चढ़ा। इसके बाद अंजू ने फैसला किया कि वह अपने प्यार नसरुल्लाह से मिलने के लिए पाकिस्तान जाएगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अंजू विजिट वीजा पर 21 जुलाई को पाकिस्तान पहुंची है। उसके पासपोर्ट पर हुई एंट्री से इसकी जानकारी मिली है। अंजू का विजिट वीजा अभी एक्सपायर भी नहीं हुआ है। राजस्थान की रहने वाली अंजू की खैबर पख्तूनख्वा के डीर जिले के रहने वाले -शेष पृष्ठ दो पर

प्यार में पागल 40 की चाची और 20 के भतीजे का चाचा ने कराया शादी

जमुई। प्यार में गजब की ताकत होती है। इसका अहसास केवल प्यार करने वालों को ही होता है। सदर प्रखंड के लक्खापुर से एक ऐसी ही अनोखी प्यार की कहानी सामने आ रही है, जिसमें उम्र की सीमा और रिश्तों के बंधन को तोड़ दिया गया। यहां 40 साल की चाची का अफेयर उसके अपने ही 20 साल के भतीजे से चल रहा था। इतना ही नहीं जब महिला के पति को इस बात की जानकारी हुई तब उसने पूरे गांववालों के सामने दोनों

की शादी करा दी। इसके बाद किसी ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। लक्खापुर गांव के रहने वाले इंद्रदेव पासवान की पत्नी रूबी देवी (40) का उसके भतीजे पंकज पासवान (20) के साथ पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध था, लेकिन उसके पति को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी। इस दौरान दोनों चाची-भतीजा पटना में मिला करते थे। रूबी देवी ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाकिस्तान में जबरन धर्म परिवर्तन कर हिंदू लड़कियों को मुस्लिमों से कराई शादी

परेशान पिता ने भारत से की हस्तक्षेप करने की अपील

पाकिस्तान में हिंदू बेटियों के साथ अत्याचार किया जा रहा है। एक बार फिर से पाकिस्तान में हिंदू बेटियों का न सिर्फ जबरन धर्म परिवर्तन करवाया गया है। बल्कि मुस्लिम पुरुषों से शादी करने के लिए मजबूर किया है। इसका खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है, जिसके अनुसार अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार जुर्म और अत्याचार किया जा रहा है। पाकिस्तान में हिंदू और सिख बेटियों का धर्म परिवर्तन जबरन किया जा रहा है। हाल ही के मामले में पंजाब प्रांत के सादिकाबाद की हिंदू लेहलाराम पन्हवर की तीन बच्चियों को पहले अगवा किया गया। इसके बाद तीनों का धर्मपरिवर्तन करवाया गया। तीनों बच्चियों को जबरन इस्लाम कबूल करवाए जाने की बात भी सामने आई है। इस मामले के सामने आने के बाद भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। जानकारी के लिए बता दें कि घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जिला रहीन यार खान में हुई है। यहां पीड़ित को शक था कि उनकी तीन बेटियों का धर्म परिवर्तन करवाया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से सहयोग मांगा मगर उन्हें कोई सहायता नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस वीडियो में तीनों बेटियों का जबरन धर्म परिवर्तन होते दिखाया गया है। खबरों की मानें तो बच्चियों की मुस्लिमों से शादी करवा दी गई है। पाकिस्तान में पुलिस द्वारा मदद ना मिलने पर इंसाफ के लिए पीड़ित परिवार ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने भारत सरकार से भी गुहार लगाई है कि वो उनकी बच्चियों को बचाने में मदद करे। इस संबंध में मनजिंदर सिंह सिरसा पीड़ित परिवार के संपर्क में है। कई संगठन हिंदू बच्चियों के खिलाफ हो रहे इन हमलों को लेकर आवाज उठा रहे है। हिंदू लड़कियों के साथ अत्याचार और धर्म परिवर्तन के मामले लगातार बढ़ रहे है।

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने नए क्रिकेटर शुभमन गिल से किया समझौता

गुवाहाटी। प्रमुख निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज लाइफ ने जीवन लक्ष्य को सक्षम बनाने की अपनी ब्रांड यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए, जाने-माने क्रिकेटर, शुभमन गिल के साथ अपने सहयोग की घोषणा की है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहले से ही छाए हुए खिलाड़ी शुभमन गिल ने अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से दुनिया को प्रभावित किया है। एक युवा उपलब्धिकर्ता और कई लोगों के लिए प्रेरणा के रूप में, वह एक अनुशासित दृष्टिकोण के माध्यम से दीर्घकालिक जीवन लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना का प्रतीक हैं। सहयोग पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, शुभमन गिल ने साझा किया कि मुझे बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के साथ जुड़कर खुशी हो रही है। ऐसा लगता है कि यह एक मैच जीतने के लिए सही समय पर की गई साझेदारी है। यहां, यह जीवन के बड़े मैच में जीत के बारे में है। मेरे लिए, फोकस और निरंतरता सबसे महत्वपूर्ण है, और बजाज आलियांज लाइफ ग्राहकों और अभिनव समाधानों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ इसका प्रतीक है। मैं बजाज आलियांज लाइफ के साथ इस सहयोग के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम भारत के भरोसेमंद लाइफ गोल पार्टनर बनने के लिए मिलकर प्रयास कर रहे हैं। एसोसिएशन पर बोलते हुए, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी, चंद्रमोहन मेहरा ने कहा कि हम लाखों भारतीयों के लिए एक सच्चे जीवन लक्ष्य चैंपियन, शुभमन के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं। शुभमन नए युवा भारतीय का प्रतीक है जो लाइफ मैक्सिमाइजर और आत्मविश्वासी है दीर्घकालिक योजना और निरंतरता के माध्यम से कई जीवन लक्ष्यों को पूरा करना। खेल के सभी प्रारूपों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में उनका प्रयास, मूल्य-पैक उत्पादों और ग्राहक- केंद्रित सेवाओं के माध्यम से भारतीयों के पसंदीदा जीवन लक्ष्य प्रवर्तक बनने की हमारी समग्र आकांक्षाओं के अनुरूप है। यह शुभमन गिल का एक बीमा ब्रांड के साथ विशेष जुड़ाव है। कंपनी उत्पाद प्रस्तावों को जीवंत बनाने और व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंचने के लिए अपने मार्केटिंग अभियानों में उन्हें शामिल करेगी।

धान की बुआई करने गई युवती की डूबने से मौत

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के चाबुआ बाईपास के पास खेत में धान की बुआई करने गई युवती की खुले गड्ढे में गिरने से मौत हो गई। चाबुआ के रंगामाटी के एक नंबर लाइन की युवती की मौत ने पूरे ईलाके में सनसनी फैला दी है। 21 वर्षीय मृतक युवती का नाम प्रिया मांझी था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूखे के मौसम में इलाके के लोगों के एक वर्ग ने जेसीबी से खेत में तालाब नुमा गड्ढा खोदकर खेतों को मौत के कुएं में तब्दील कर दिया है।

छेंगा के निरलाचर में नाव खेल का आयोजन

नगरबेड़ा। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के तहत निरालाचर के पारघाट में अन्य वर्षों की तरह, अखिल असम आधार पर एक विशाल नाव खेल का आयोजन किया जा रहा है। 19 और 20 अगस्त को दो दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ निरलाचर के पारघाट स्थित मरहम सिराजुद्दीन मेमोरियल क्लब (टावर के पास) के सौजन्य से ब्रह्मपुत्र नदी के सूर्य पर आयोजित होने वाले ए ग्रुप का प्रथम पुरस्कार 70, 101 रुपए और द्वितीय पुरस्कार 50, 101 रुपए है। ए ग्रुप की एडमिशन फीस 7, 000 रुपए है। वहीं, बी ग्रुप का पहला पुरस्कार 25, 101 रुपए और दूसरा पुरस्कार 15, 101 रुपए है। बी ग्रुप एडमिशन फीस 3, 000 रुपए तय की गई है। कराईखैती बाजार समिति के कार्यालय परिसर में आज स्थानीय लोगों के एक वर्ग की उपस्थिति में मरहम सिराजुद्दीन मेमोरियल क्लब के अध्यक्ष जाकिर हुसैन व सचिव बाहाजउद्दीन अहमद ने प्रेस वार्ता कर बोट गेम की औपचारिक घोषणा की। इसके अलावा स्थानीय बैचा उक्त बोट क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकेंगे। क्लब के अध्यक्ष सचिव ने एक संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि यदि स्थानीय बैचा बोट गेम में भाग लेते हुए पकड़े जाते हैं, तो प्रबंध समिति को एक हजार रुपए का जुर्माना देना होगा। उक्त बोट गेम्स में भाग लेने के इच्छुक नाविकों के मालिकों से 8638590910, 8638895647, 7896998286, 8638248039 और 8638973490 नंबर पर संपर्क किया जाए। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उद्यमी ईमानदारी से पारंपरिक नाव खेल के विभिन्न हिस्सों के लोगों के सहयोग और उपस्थिति की कामना करते हैं।

71 मवेशी समेत 5 तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में शख्त पशु कानून होने के बावजूद भी पशुओं की तस्करी जारी है। सोनापुर पुलिस ने पशु तस्करी में शामिल पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। सोनापुर पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान पशु से लदे दो ट्रक (एएल-01-ए-5287 और एएस-26-सी-8927) को जब्त किया गया। जब्त किए गए दोनों ट्रक में अवैध तरीके से 71 पशुओं को मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने करनाल में सुनीं लोगों की समस्याएं, मौके पर किया समाधान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को करनाल प्रवास के दौरान लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में रविवार को आम जनता से रूबरू हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष लोगों ने अपनी निजी व सामूहिक समस्याएं रखी, जिनमें से अधिकांश समस्याओं का मुख्यमंत्री ने मौके पर समाधान कराया और अन्य शेष समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री से आउटसोर्स पार्ट-2 एम्लॉय सोसाइटी हरियाणा के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने बारे अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आपको कोई हटा नहीं रहा, आप अपनी नौकरी करते रहें तथा रेगुलर निकलने वाली नौकरियों के लिए अप्लाई करते रहें।

पृष्ठ एक का शेष

जबरन वसूली करने ...

गतिविधि के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने ट्वीट किया कि कृपया सूचित किया जाए कि अल्फा के नाम पर धन एकत्र करना (असली या नकली) यूएपी अधिनियम की धारा 17, 21, 24, 26, 39 और 40 के प्रावधान के तहत आता है। क्योंकि अल्फा एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन है। उन्होंने कहा कि ये प्रावधान धन एकत्र करने, आतंकवाद की आय का इस्तेमाल करने आदि के लिए हैं और अल्फा के लिए धन एकत्र करने में शामिल व्यक्तियों की संपत्ति जब्त हो सकती है, चाहे वह वास्तविक हो या नकली। डीजीपी ने कहा कि जिला पुलिस और सुरक्षा बलों को निर्देश दिया गया है कि वे जबरन वसूली की मांग करने और/या इस तरह के धन की वसूली में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि असम पुलिस ऐसे लोगों द्वारा राज्य के आर्थिक विकास को बंधक नहीं बनने देंगे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे जबरन वसूली/रंगदारी के ऐसे संग्रह का हिस्सा न बनें।

मणिपुर में फिर ...

मौत हो चुकी है। हाल ही में कुकी समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाने का वीडियो सामने आया था। जिसने पूरे देश को दहला दिया है। महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और सामूहिक दुष्कर्म के मामले पुलिस ने शनिवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें एक की उम्र 19 साल और दूसरा जुवेनाइल है। अब तक इस मामले में कुछ छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इससे पहले पुलिस ने 20 जुलाई को चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एक अलग घटना में आदिवासी महिला ने सैकुल थाने में मामला दर्ज कराया है कि चार मई को उसकी 21 वर्षीय बेटी और 24 साल की सहेली के साथ भी भीड़ ने घर में घुसकर सामूहिक दुष्कर्म किया और निर्मम हत्या कर दी। मणिपुर में तीन मई को हिंसा की शुरुआत चुराचांदपुर जिले से हुई थी, जो राज्य की राजधानी इंफाल के दक्षिण में करीब 63 किलोमीटर की दूरी पर है। इस जिले में कुकी आदिवासी ज्यादा हैं। गवर्नमेंट लैंड सर्वे के विरोध में 28 अप्रैल को द इंडिजेनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने चुराचंदपुर में आठ घंटे बंद का एलान किया था। देखते ही देखते इस बंद ने हिंसक रूप ले लिया। उसी रात तुइबोंग एरिया में उपद्रवियों ने वन विभाग के ऑफिस को आग के हवाले कर दिया। 27-28 अप्रैल की हिंसा में मुख्य तौर पर पुलिस और कुकी आदिवासी आमने-सामने थे। वहीं, मिजोरम सरकार ने शनिवार को राज्य में रहने वाले मैतेई समुदाय के लोगों को सुरक्षा का आश्वासन दिया और उनसे अफवाहों पर ध्यान न देने को कहा। मैतेई लोगों के राज्य से पलायन करने की खबरों के बीच सरकार ने यह आश्वासन दिया। दरअसल, एक संगठन ने मणिपुर में दो महिलाओं को भीड़ द्वारा निर्वस्त्र कर घुमाए जाने का वीडियो सामने आने के बाद मैतेई लोगों को राज्य छोड़ने के लिए कहा था। एक बयान में कहा गया कि इसके बाद राज्य के गृह आयुक्त और सचिव एच. लालेंगमाविया ने मैतेई समुदाय के नेताओं के साथ बैठक की और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया।

बौखलाए अल्फा (स्वा) ने ...

चेतावनी दी है। अल्फा द्वारा भेजे गए इस ईमेल में अल्फा (स्वा) ने अन्याय से सरकारी खजाने का करोड़ों रुपए गबन करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं को गोली मारने का साहस डीजीपी से दिखाने को कहा है। उल्लेखनीय है कि असम पुलिस द्वारा इन दिनों अल्फा (स्वा) के विरुद्ध जमकर अभियान चलाया जा रहा है। बीते कई दिनों से लगातार अल्फा (स्वा) के विरुद्ध चलाए जा रहे इस अभियान में पुलिस को भरपूर सफलता मिल रही है। इसी बीच दो अल्फा (स्वा) के सदस्यों को अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स द्वारा गिरफ्तार किया गया। वहीं, ऊपरी असम में इस बीच अल्फा (स्वा) के कई कैडर पकड़े गए हैं। अल्फा (स्वा) द्वारा दिए गए मांग पत्र पर धन वसूली करने पहुंचने वाले इसके लिंकमैन लगातार पकड़े जा रहे हैं। वहीं, अल्फा के कई कैडर आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं। अल्फा किसी भी प्रकार से असम में अपना अभियान नहीं चला पा रहा है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इसी बौखलाहट में आकर अल्फा (स्वा) द्वारा डीजीपी जीपी सिंह को चेतावनी दी गई है।

पश्चिम बंगाल : दुकान ...

की जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि बंगाल में पंचायत चुनाव के बाद भी हिंसा अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है। जानकारी के मुताबिक मामला उत्तर दिनाजपुर के इस्लामपुर इलाके का है। भाजपा के युवा मोर्चा ने आरोप लगाया है कि शनिवार को कपड़ा व्यापारी असीम साहा से कुछ तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने रंगदारी मांगी थी। जब असीम ने इस बात का विरोध किया तो चाकुओं से गोदकर उसकी हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि घायल अवस्था में असीम को अस्पताल ले जाया गया। रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। भाजपा के युवा मोर्चा के अध्यक्ष इंद्रनील खान ने कहा है कि असीम साहा भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता थे। वे अपनी दुकान में काम कर रहा था, जब तृणमूल के गुंडों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के शासन में पुलिस और प्रशासन ठीक से काम नहीं कर रहा है।

मणिपुर : छठा आरोपी ...

महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड करा रहे हैं। उनका शोषण कर रहे हैं, उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद देशभर के लोगों में गुस्सा है। आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग की जा रही है। पहले जिन चार आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी, उन्हें 11 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वायरल वीडियो में नजर आ रही एक महिला पूर्व सैन्यकर्मी की पत्नी हैं। वह कारगिल युद्ध में असम रेजिमेंट का हिस्सा थे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा था कि कारगिल में देश को तो बचा लिया लेकिन अपनी पत्नी को नहीं बचा सका। मामले में एक एफआई 21 जून को सैकुल पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। शिकायत में कहा गया है कि एक शख्स भीड़ से अपनी बहन को बचाने की कोशिश कर रहा था लेकिन उसकी हत्या कर दी गई। भीड़ ने महिला का गैंगरेप किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन कहा वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी थी। कहा था कि गुनहगारों को नहीं बख्शा जाएगा। इससे देश शर्मसार हुआ है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने उसी दिन मीडिया से बातचीत में आरोपियों के लिए फांसी की सजा पर विचार करने की अपील की। पीएम मोदी ने अपने बयान में कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ का भी जिक्र किया। इसपर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अगर घटना मणिपुर की होती तो न जाने पीएम क्या-क्या बोलते हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर हमारा ही राज्य है, पीएम को वहां जाना चाहिए। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल मणिपुर जाने की कोशिश में थीं। उन्होंने बताया कि मणिपुर सरकार ने उन्हें इजाजत देने से इनकार कर दिया। मालीवाल का मणिपुर दौरा 23 जुलाई के लिए शेड्यूल था और वह 30 जुलाई तक मणिपुर में होतीं। डीजीपी को लिखी चिट्ठी में उन्होंने कहा कि वह राज्य का दौरा करना चाहती हैं और एक फैक्ट-फाइंडिंग रिपोर्ट पेश करना चाहती हैं। गुरुवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी चिट्ठी लिखी। मणिपुर के चुराचांदपुर में एक बार फिर हिंसा की घटना सामने आई है। यहां दो समुदायों के बीच फायरिंग हुई। इसके बाद इलाके में भारी सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई है। दूसरी तरफ मणिपुर के लगभग जिलों में नाकेबंदी की गई है। 125 चेकपॉइंट्स पहाड़ी और घाटी में स्थापित किए गए हैं। नियमों के उल्लंघन के लिए करीब 400 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

व्यवधान और गड़बड़ी ...

लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन असहमति को शत्रुता में बदलना लोकतंत्र के लिए अभिशाप से कम नहीं है। यह चेतावनी देते हुए कि विरोध प्रतिशोध में नहीं बदलना चाहिए। धनखड़ ने बातचीत और चर्चा को ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता बताया। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की *टॉप फाइव* अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इस उल्लेखनीय वृद्धि के साथ चुनौतियां भी आना तय है। आपकी प्रगति हर किसी को पसंद नहीं आ सकती। उन्होंने युवाओं से पहल करने और ऐसी ताकतों को बेअसर करने का आह्वान करते हुए कहा कि आपके संस्थानों और विकास की कहानी को कलंकित करने और अपमानित करने के लिए कुछ खतरनाक ताकतें हैं, जिनके पास भयावह इरादे हैं। कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे भारत विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे संस्थान हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों का उपयोग अपने संकीर्ण एजेंडे के लिए भी करते हैं। उन्होंने छात्रों से ऐसी स्थितियों से निपटने के दौरान जिज्ञासु होने और निष्पक्षता पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। सभी उत्तीर्ण छात्रों को उनके जीवन में एक नए चरण में प्रवेश की बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने छात्रों को नवप्रवर्तक और उद्यमी बनने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि हमारे युवा छात्र नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी निर्माता के रूप में उभरें।

केंद्र के सरकारी ...

नोटपैड, अल्ट्रा-बुक, नेट-बुक या अन्य उपकरण ले सकते हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार, केंद्र सरकार के उप-सचिव और इससे ऊपर के स्तर के सभी अधिकारी ऐसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पात्र होंगे। अनुभाग अधिकारियों और अवर सचिवों के मामले में स्वीकृत क्षमता के 50 प्रतिशत अधिकारियों को ऐसे उपकरण जारी किए जा सकते हैं। उपकरण की कीमत के बारे में कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि यह एक लाख रुपए और कर हो सकती है। हालांकि, ऐसे उपकरण जिनमें 40 प्रतिशत से अधिक मेक-इन-इंडिया कलपुर्जों का इस्तेमाल हुआ है, उनके मामले में यह सीमा 1.30 लाख रुपए और कर होगी। इसमें कहा गया है कि यदि किसी मंत्रालय/विभाग में अधिकारी को पहले से ही एक उपकरण आवंटित है, तो उसे चार साल तक नया उपकरण जारी नहीं किया जा सकता। हालांकि, उपकरण के किफायती रूप से मरम्मत के योग्य नहीं रहने पर *अपवाद* होगा। इसमें कहा गया है कि अधिकारी चार साल के बाद इस उपकरण को अपने पास रख सकता है। कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि संबंधित मंत्रालय/विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपकरण को अधिकारी को रखने के लिए सौंपने से पहले इसमें से पूरा डेटा साफ कर दिया गया है। 21 जुलाई, 2023 के इस कार्यालय ज्ञापन के बाद 27 मार्च, 2020 को जारी आदेश हट जाएगा। इसमें ऐसे उपकरणों की कीमत 80,000 रुपए तय की गई थी और व्यक्तिगत उपयोग के लिए उपकरणों को रखने का कोई प्रावधान नहीं था।

मणिपुर हिंसा के ...

उसी दिन मुश्किल से 30 किमी दूर दो और महिलाओं (20 वर्षीय) के साथ बेरहमी से दुष्कर्म किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। अधिकारी ने कहा कि फर्जी तस्वीर के कारण अराजकता जंगल की आग की तरह फैल गई, जिसके कारण राज्य सरकार को तीन मई को इंटरनेट बंद करना पड़ा था। राजनीतिक दलों और कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने इंटरनेट के निलंबन का विरोध किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसमें दखल देने से इनकार करते हुए 17 जुलाई को मणिपुर सरकार से कहा था कि वह राज्य में इंटरनेट की सीमित बहाली पर उच्च न्यायालय के पूर्व के आदेश के खिलाफ अपनी शिकायत उठाए। मणिपुर में तीन मई से लगी आग को बुझाने में लगी विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला है कि स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा प्रसारित की जा रही फर्जी या एकतरफा खबरों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने हाल का उदाहरण देते हुए कहा कि एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र ने दावा किया था कि हथियारों से लैस आदिवासी लोगों ने चंदेल जिले के क्वाथा गांव में बहुसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर हमला करने की योजना बनाई है। समाचार रिपोर्ट से चिंतित मणिपुर पुलिस हरकत में आई, बाद में पता चला कि समाचार रिपोर्ट झूठी थी। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा था कि किसी भी गांव को जलाने का कोई प्रयास नहीं किया गया था जैसा कि कुछ स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में बताया गया है और फिर से अपील की कि संवेदनशील मामलों में केवल सत्यापित जानकारी प्रकाशित की जानी चाहिए। पुलिस ने सोशल मीडिया या मौखिक रूप से सामने आने वाली किसी भी जानकारी को सत्यापित करने और गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए *अपवाह फ्री नंबर* 9233522822 जारी किया है। कुछ दिन पहले चुराचांदपुर में आदिवासी युवकों के मार्च का एक और वीडियो घाटी में उपशीर्षक के साथ प्रसारित किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि आदिवासी, बहुसंख्यक समुदाय की महिलाओं और बच्चों को छीन लेंगे। हालांकि, चूंकि वीडियो मिजो भाषा में था, जो कुकी-चीन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा बोली जाती है, इसलिए कुछ असामाजिक तत्वों ने फायदा उठाया और इंफाल घाटी में आक्रोश बढ़ाने के लिए उपशीर्षक लगाए, जहां मणिपुरी मैतईलोन आमतौर पर बोली जाती है।

यूसीसी पर सरकार ...

यूनिफॉर्म सिविल कोड में पर मुसलमानों की सहमति बन रही है। यूनिफॉर्म सिविल कोड और पसमांदा मुसलमानों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश ने बताया मुसलमानों का भरोसा भारतीय जनता पार्टी पर पूरी तरीके से कायम है। उन्होंने कहा कि यूसीसी पर जिस तरीके से मुसलमानों के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है उसको लेकर हम मुसलमानों को जागृत कर रहे हैं। जल्द ही मुसलमानों का बड़ा तबगा भारतीय जनता पार्टी के मिशन सबका साथ, सबका विश्वास के साथ कदम से कदम मिलाता हुआ दिखाई देगा। यूसीसी को लेकर आरएमपीएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष आतिफ रशीद ने बताया कि इस देश के पसमांदा मुसलमान पिछले 75 साल से बड़े मुसलमानों के बंधुआ मजदूर बने रहे। जो भी कह दिया, चाहे बाबरी का मामला हो, सीएए का मामला हो सड़कों पर उतारने की कोशिश की है। आज हम पसमांदा मुसलमानों के बीच संवाद करने की कोशिश कर रहे हैं। यूसीसी पर अफवाह फैलाई जा रही है। भ्रम फैलाया जा रहा है कि यूसीसी के जरिए मुसलमानों की पूजा पद्धति को बदला जाएगा। उनके कल्चर को बदला जाएगा। आतिफ रशीद ने कहा कि आज हम यह बताने की कोशिश कर रहे हैं की यूनिफॉर्म सिविल कोड अगर इस देश में लागू होता है तो इस देश में और मुस्लिम धर्म पर कोई असर नहीं पड़ेगा। जिसको तिलक लगाना तिलक लगा है लगाएं, जिसको दाढ़ी रखना है रखें, जिसको गुरुद्वारे जाना है, गुरुद्वारे जाएं, जिसको मंदिर जाना है तो मंदिर जाएंज् इन सब पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

बरेली में कांवड़ियों ...

कांवड़ दल में शामिल संदीप शर्मा समेत ट्रालियों में मौजूद महिलाओं व बच्चों को पत्थर लगे। इसके बाद माहौल बिगड़ गया। बारादरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह व जोगी नवादा चौकी प्रभारी समेत कुछ पुलिसकर्मी यहां मौजूद थे। इन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। कांवड़ियों ने थोड़ा आगे बढ़कर गली में वाहनों को आड़ा तिरछा लगा लिया और वहीं पर रोड बंद कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कांवड़ियों की मांग थी कि पूर्व पार्षद उस्मान के इशारे पर घटना हुई है। घटना के वक्त उस्मान मौजूद था, उसकी गिरफ्तारी की जाए। कुछ देर बाद एसपी सिटी राहुल भाटी ने इन लोगों को बताया कि उस्मान को गिरफ्तार कर लिया है तो यह लोग उसे मौके पर लाने की जिद करने लगे। मुश्किल से यह लोग मानकर मंदिर तक आए। यहां इन्होंने जिद की कि इबादत स्थल के पास दोबारा ले जाकर वहीं से कांवड़ यात्रा निकलवाई जाए। हालांकि अधिकारियों ने इस पर सहमति नहीं जताई। एसपी सिटी राहुल भाटी ने बताया कि कांवड़ यात्रियों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। पूर्व पार्षद उस्मान को हिरासत में ले लिया है। घटना की वजह को लेकर स्थिति साफ नहीं है। सीसीटीवी फुटेज निकलवा रहे हैं, जिसका जितना दोष होगा, उसी हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

चोरी करने लायक ...

सुबह आठ बजे की है जब वो अपनी पत्नी के साथ गुरुग्राम में अपने बेटे से मिलने गए थे। शुक्रवार की सुबह उन्हें पड़ोसी ने फोन कर जानकारी दी कि उनके घर चोरी हुई है। आनन फानन में बुजुर्ग अपने घर लौटे तो देखा कि उनके घर का मुख्य दरवाजा टूटा पड़ा था। घर के अंदर जाकर देखा तो सब सामान उथल पुथल था। हालांकि उनके घर से कुछ गायब नहीं हुआ था क्योंकि उन्होंने घर में कोई अहम और कीमती सामान नहीं रखा था। उन्होंने बताया कि उनके घर से कुछ गायब नहीं हुआ है। मगर उन्हें घर के बाहर एक 500 रुपए का नोट मिला है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में भी पीड़ित बुजुर्गों को दो चोरों ने लूटने की कोशिश की थी, जिसके बाद बुजुर्गों के पास उन्हें सिर्फ 20 रुपए मिले थे। इसके बाद बुजुर्ग को चोरों ने 100 रुपए दिए थे। ये घटना सीसीटीवी में भी कैद हुई थी। इसके बाद दोनों चोर घटना स्थल से गायब हो गए थे। इस घटना के बाद पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया था। इनकी गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने 200 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले थे और फिर उनकी गिरफ्तारी की गई थी।

नसरुल्लाह के प्यार ...

नसरुल्लाह से फेसबुक पर दोस्ती हुई। नसरुल्लाह डीर जिले में एक टीचर के तौर पर काम करता था। लेकिन इन दिनों वह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम कर रहा है। दोनों ने इस बात की पुष्टि की है कि उनकी मुलाकात सोशल मीडिया पर हुई। अंजू का कहना है कि वह पाकिस्तान सिर्फ और सिर्फ नसरुल्लाह से मिलने के लिए आई है। अंजू के पासपोर्ट की फोटो टीवी9 हिंदी को मिली है, जिसे देखने के बाद पता चलता है कि वह पाकिस्तान में 21 जुलाई को दाखिल हुई। अंजू की उम्र 35 साल है, जबकि नसरुल्लाह 29 साल का है। पासपोर्ट पर दर्ज की गई जानकारी के मुताबिक, अंजू का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ है। लेकिन वह राजस्थान की रहने वाली है। सीमा के केस के बीच अंजू का प्यार के लिए सरहद पार करना चर्चा का विषय बन गया है। सूत्रों ने बताया है कि अंजू को लेकर पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर नजर आ रही हैं। बताया गया है कि अंजू से पूछताछ भी की गई है, जिसमें उससे सवाल किया गया है कि वह यहां क्यों आई है। इसके जवाब में अंजू ने कहा है कि वह यहां नसरुल्लाह से मिलने के लिए आई है, क्योंकि उसके बिना वह नहीं रह सकती है।

प्यार में पागल 40 की...

बताया कि उसने पहले भी एक दूसरे के साथ शादी की थी, जिसके बाद उन्होंने समाज के सामने भी एक दूसरे को पति-पत्नी स्वीकार लिया। रूबी देवी के पति इंद्रदेव पासवान ने बताया कि मुझे यह शक था कि मेरी पत्नी का कहीं तो चक्कर चल रहा है, लेकिन मैंने कभी उसे रंगे हाथ नहीं पकड़ा था। बीते शनिवार देर शाम मैंने उसे पकड़ लिया और जब पंचायत बुलाई गई तब उन्होंने एक दूसरे के साथ रहने का फैसला किया। मैंने खुद इन दोनों की शादी करा दी। रूबी देवी बीते शनिवार देर शाम अपने प्रेमी पंकज के पास उससे मिलने गई थी। इसी दौरान उसके पति इंद्रदेव पासवान को इसकी भनक लग गई और उन्होंने रंगे हाथ दोनों को पकड़ लिया, जिसके बाद दोनों की शादी करा दी गई। प्रेमी-प्रेमिका इस बात से मुकर गए। कहा कि शादी मजबूरी में लिया गया फैसला था। रूबी ने कहा कि पंकज हमेशा मुझसे शादी की बात किया करता था। वह मुझसे कहता था कि अगर मैं उससे शादी नहीं करूंगी तो वह आत्महत्या कर लेगा। इसके बाद मैं उससे मिलती रही। रूबी देवी ने कहा कि अब पंकज मुझे जैसे रखेगा, मैं उसके साथ रहने को तैयार हूं। इधर, पंकज पासवान ने कहा कि मैंने पहले भी इसे चाची माना था और अभी भी यह मेरी चाची ही हैं। उसने पूरे मामले में उसकी संलिप्तता से भी इनकार कर दिया।

कर्नाटक में टमाटर ...

लाख रुपए से अधिक कीमत के 2.5 टन टमाटर से लदे ट्रक को लेकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि किसान की शिकायत पर आरएमसी यार्ड पुलिस ने गिरोह का पता लगाया और शनिवार को भास्कर (28) तथा उसकी पत्नी सिंधुजा (26) को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके तीन अन्य साथी अब भी फरार हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

डूबो प्रकृति समुद्र में, अन्तर पहुँच पताल।
फिर गम निकल अकाश को, चेतन सुरति सम्हार॥ 41॥

शब्दार्थ : (प्रकृति समुद्र) अध:, नीचे (पताल) अंतरिक्ष (अकाश) महाकाश (संभाल) रोग, बटोरकर।

भाष्य : अध: प्रकृति के समुद्र में डूबकर भीतर अंतरिक्ष में पहुंच जावें फिर वहां से गमनकर आकाश को चले आवें और चेतन सुरति को संभाल कर शब्दलोक में प्रवेश करें।

शुन्य अरषठ का गम करो, अक्षर अजपा तार।
सुरति उड़ानी शिकर को, नि:अक्षर सब पार॥ 41॥

शब्दार्थ : (गम) गमन, ज्ञान (तार) मकरतार (शिखर) चोटी, चेतन मंडल (सब पार) सबसे परे उत्कृष्ट।

भाष्य : शून्य अरषठ का ज्ञान करके मकरतार से अजपा अक्षर को प्रत्यक्ष करें एवं सुरति द्वारा उड़कर सर्वोत्कृष्ट शिखर पर नि:अक्षर सारशब्द को प्राप्त करें।

अपहृत किशोर को छोड़कर अपहर्ता फरार

कामरूप (हिंस)। जिले के तीर्थ नगरी हाजो में अपहरण का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस को देखकर अपहर्ता गाड़ी से अपहृत किशोर को उतारकर हाजो-गुवाहाटी मार्ग के जरिए फरार हो गए। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार हाजो के रामदिया से चॉकलेट खिलाने के बहाने चार पहिया सफेद रंग के वाहन में सवार बदमाशों के एक समूह ने 12 वर्षीय एक लड़के को जबरन उठा लिया। अपहृत किशोर को लेकर रामदिया से हाजो होते हुए गुवाहाटी के लिए अपहर्ता रवाना हुए। लेकिन, हाजो थाने के सामने तलाशी चौकी देखने के बाद अपहर्ताओं ने उसे वाहन से उतार दिया।

रंगापाड़ा में एक जंगली हाथी की मौत

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा से लगभग बीस किलोमीटर दूर मिलनपुर गांव के पास खाई जैसा स्थान पर चालीस वर्षीय एक नर जंगली हाथी का शव बरामद किया गया। रंगापाड़ा आमारीबाडी वन विभाग ने हाथी के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पास में ही दफना दिया। वन विभाग के सूत्रों ने बताया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि मौत कैसे हुई है।

नॉर्थ ईस्ट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर एसोसिएशन की अपील

कैबिनेट फैसले की समीक्षा करे सरकार

गुवाहाटी (विभास)। नॉर्थ ईस्ट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर एसोसिएशन की ओर से गुवाहाटी में जरूरी बैठक बुलाई गई, जिसमें असम सरकार द्वारा हाल ही में 2 अक्तूबर 2023 से 1 लीटर पैक आकार से कम के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर (पीडीडब्ल्यू) उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने और 2 अक्तूबर 2024 से 2 लीटर पैक से कम के पीडीडब्ल्यू उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीरता से चर्चा की गई। इस बैठक में असम के उद्योग से जुड़े एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने इस निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा की सरकार के इस निर्णय से आजीविका और रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पीडीडब्ल्यू और पीईटी उद्योग से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोग जुड़े हुए हैं, जिनके पुरे परिवार के समक्ष भरण पोषण की चुनौती आन पड़ी है। यह प्रतिबंध किफायती दर पर सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता पर गंभीर चिंता पैदा करता है, जो हर नागरिक की एक अनिवार्य आवश्यकता है। इस बात पर प्रकाश डाला जाना चाहिए कि पीडीडब्ल्यू में उपयोग की जाने वाली पीईटी बोतलें एक बंद लूप में बोतल-से-बोतल तक पूरी तरह से पुनर्चक्रण योग्य होती हैं, जो हमारे देश की लगभग 100 प्रतिशत आबादी द्वारा उपयोग किया जाने वाला सबसे कम लागत प्रभावी, स्वच्छ और पोर्टेबल उत्पाद है। उक्त उत्पादों के निर्माण और बिक्री के खिलाफ इस तरह के प्रतिबंध से प्रत्येक नागरिक के दैनिक जीवन पर अनुकूल असर पड़ेगा। एसोसिएशन प्रशासन में हितधारकों के साथ इस मामले पर गहन चर्चा का अनुरोध करता है और सभी प्रकार की पीईटी बोतलों के कारण होने वाले प्रदूषण के मुद्दे को संबोधित करने में सहयोग करना चाहता है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान के राष्ट्रीय निर्देश का समर्थन करते हुए, एसोसिएशन उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करते समय उनकी चिंताओं को कम करने के लिए सरकार के साथ काम करना चाहेगा।

बोतलबंद पानी की बिक्री पर प्रतिबंध और हर घर में पीने का पानी उपलब्ध कराए : आप

सार्वजनिक स्थानों पर लगाएं पेयजल एटीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश आम आदमी पार्टी (आप) ने आज कहा है कि बुधवार से प्लास्टिक की बोतलों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के असम सरकार के फैसले के अनुरूप पीने के पानी की बिक्री रोकने और जल जीवन मिशन के तहत सभी को पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था करना चाहिए। पार्टी के अध्यक्ष डॉ. भबेन चौधरी ने एक बयान में यह भी मांग की कि सरकार को सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पेयजल एटीएम स्थापित करना चाहिए। उन्होंने कहा है कि लगभग ढाई दशक पहले असम के लोगों के लिए पीने का पानी बेचने की बात सोचना अकल्पनीय था। सरकार घरों में पानी उपलब्ध कराने में विफल रही है और सार्वजनिक स्थानों पर पीने के पानी के प्रति सरकार के उदासीन रवैए के कारण प्यासे राहगीरों को बोतलबंद पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा है। भाजपा सरकार ने जल जीवन मिशन शुरू करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं लेकिन योजना के कार्यान्वयन में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण लोगों को इसका लाभ नहीं मिला है। आम आदमी पार्टी ने मांग की कि सरकार को बोतलबंद पानी की बिक्री पर प्रतिबंध लगाते हुए घरों में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना चाहिए और सभी सार्वजनिक स्थानों पर पीने के पानी के एटीएम लगाने चाहिए।

अखिल असम गैर-प्रांतीय शिक्षक संघ 26 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर देंगे धरना

होजाई (निसं)। अखिल असम गैर-प्रांतीय शिक्षक संघ के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों के तहत आगामी 26 जुलाई को राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। उक्त प्रदर्शन में असम के सभी जिलों के अप्रादेशिक विद्यालयों के शिक्षक कर्मचारी धरना पर बैठेंगे। अप्रादेशिक विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी जो कई सालों से अवैतनिक रूप से कार्य कर रहे हैं वह धरने पर बैठेंगे। शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने कई बार असम के शिक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री से अनुनय-विनय कर चुके हैं कि उनकी विद्यालय का प्रांतीयकरण किया जाए, लेकिन असम सरकार उनकी बातों पर ध्यान नहीं दे रही। जिसके कारण वे बाध्य होकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्र सरकार के अन्य मंत्रियों के सम्मुख एक ज्ञापन के माध्यम से अपनी बातों को रखेंगे। अप्रादेशिक विद्यालय के शिक्षक कर्मचारी बिना वेतन के कई सालों से कार्य करते आ रहे हैं। उनका मानना है कि आज से 30 साल पहले सरकार के पास जॉब अधिक सरकारी विद्यालय नहीं थे तो समाज की ओर से नए विद्यालय की स्थापना कर सरकार की सहायता कर रहे थे। गरीब बच्चों को पाठदान देकर सरकार की मदद कर रहे थे। उनके पढ़ाए हुए बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, पुलिस, शिक्षक तथा सभी विभागों में कार्यरत हैं, लेकिन इन सभी शिक्षकों की आर्थिक दशा दयनीय है। इनकी बात कोई सुनने वाला नहीं है। अब आखिर में थक हारकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर बैठकर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करेंगे कि उनके विद्यालय जो गैर-प्रांतीय है व प्रांतीयकरण हो जाए और उन्हें राहत की सांस मिले व अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। गौरतलब है कि राज्य में 2387 गैर-प्रांतीय विद्यालय हैं व 19527 शिक्षक इनमें अपनी निःशुल्क सेवा दे रहे हैं। उक्त जानकारी अखिल असम गैर-प्रांतीय शिक्षक संघ के आईटी व मीडिया सेल के शिवदयाल सिंह ने दी।

टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी की नई कार्यकारिणी गठित

अधिवक्ता ब्रजेश कुमार शर्मा अध्यक्ष और सीए गोपाल सिंघानिया सचिव चुने गए

गुवाहाटी। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने कल मेफ्लावर होटल, पानबाजार, गुवाहाटी में नवनिर्वाचित कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की। बैठक की शुरुआत एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष सीए गोपाल सिंघानिया ने अपने स्वागत भाषण से की। निवर्तमान सचिव सीएस अमित पारीक ने 2023-25 कार्यकाल के लिए कार्यकारी समिति के लिए चुने गए सदस्यों के नामों की घोषणा की। इसके बाद सदस्यों ने सर्वसम्मति से अधिवक्ता ब्रजेश कुमार शर्मा को वर्ष 2023-24 के लिए एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना जबकि सीए गोपाल सिंघानिया को सर्वसम्मति से एसोसिएशन का सचिव चुना गया। अधिवक्ता दिनेश कुमार शर्मा और सीए पंकज खंडेलिया को उपाध्यक्ष, सीए मानस जैन को कोषाध्यक्ष और अधिवक्ता महिपाल सिंह को संयुक्त सचिव चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अधिवक्ता ब्रजेश कुमार शर्मा ने सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और आगामी वर्ष के दौरान उनका पूर्ण सहयोग मांगा। बैठक सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

डीआईजी का मोबाइल लेकर झपटमार फरार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के डीआईजी का मोबाइल फोन झपटमार द्वारा छिने जाने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य के कानून व्यवस्था शाखा के डीआईजी विवेकराज सिंह सुबह प्रातःकाल भ्रमण पर निकले थे। इसी दौरान बाइक पर आए दो झापटमारों ने उनका मोबाइल फोन लेकर मौके से फरार हो गए । कानून व्यवस्था शाखा के डीआईजी का मोबाइल फोन झपटमारों द्वारा छिने जाने के बाद पुलिस पूरे मामले को दबाना चाह रही थी। लेकिन चश्मदीदों ने पूरी घटना को सार्वजनिक कर दिया। डीआईजी के हाथ से मोबाइल फोन गुवाहाटी में छिने जाने के बाद असम पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। पुलिस डीआईजी की मोबाइल की तलाश में जुट गई है।

साइबर अपराध में शामिल मामा-भांजा गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस ने साइबर अपराध में शामिल मामा भांजा को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने रविवार को दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मोरीगांव सदर पुलिस की टीम ने साइबर अपराध में शामिल मामा भांजा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आवेद अली और सैफुल इस्लाम के रूप में की गई है। सैफुल इस्लाम वोडाफोन का डिस्ट्रीब्यूटर बताया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी के पास से दूसरे के नाम का 105 सीम कार्ड, 80 पैन कार्ड, 60 वोटर कार्ड के अलावा भारी संख्या में भारत पे, गूगल पे, फोन पे का प्रिंटेड क्यूआर कोड, बैंक का पासबुक एटीएम कार्ड के अलावा नगद 52 हजार रुपए जब्त किए गए हैं। सैफुल इस्लाम के नाम का वोडाफोन का डिस्ट्रीब्यूटरशिप उसका भांजा आवेद अली चलाता था। गिरफ्तार दोनों आरोपी एक ही व्यक्ति के फोटो व्यवहार कर अलग-अलग मोबाइल का सीम कार्ड निकालकर बेचा करता था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार मामा-भांजा से सघन पूछताछ कर रही है।

भारी मात्रा में देसी शराब को किया गया नष्ट

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र इलाके में पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में देसी शराब को नष्ट किया। पुलिस ने रविवार को बताया कि आबकारी विभाग की एक टीम के साथ अरुणगिरी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान लगभग 65 लीटर देसी शराब को नष्ट किया गया। इलाके में अवैध तरीके से देसी शराब का कारोबार चलाए जाने की जानकारी मिलने के बाद विभाग ने अभियान चलाया। आबकारी विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जान बचाने के लिए पुल से कूदने वाले वृद्ध की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया इलाके में एक वृद्ध व्यक्ति की मौत उस समय हो गई जब बृद्ध वह ट्रेन से बचने के लिए पुल से नदी की ओर छलांग लगा दिया। पुलिस ने रविवार को बताया कि रंगिया के बरलिया नदी पर बने रेलवे पुल के ऊपर ट्रेन से बचने के लिए एक वृद्ध व्यक्ति ने नदी में छलांग लगा दी। जिसकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अचानक ट्रेन देखने के बाद अपनी जान बचाने के लिए वृद्ध व्यक्ति पुल से नीचे छलांग लगा दिया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस की टीम मृत व्यक्ति के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान के गुवाहाटी सत्संग केंद्र में साप्ताहिक सत्संग एवं ध्यान कार्यक्रम के दौरान महर्षि सद्गुरु सदाफल देव महाराज एवं वर्तमान सद्गुरु पदाधिकारी आचार्य श्री स्वतंत्र देव महाराज के चित्र के सम्मुख आरती वंदना करते संस्थान के सदस्य एवं विहंगम योग के अनुयाई।

धन उगाही के आरोपी कांस्टेबल शाह आलम बर्खास्त

बंगाईगांव (हिंस)। असम पुलिस में एक के बाद एक अधिकारी, कर्मी बर्खास्त होते जा रहे हैं। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार एक और भ्रष्ट कांस्टेबल को बर्खास्त कर दिया गया है। शाह आलम नामक इस कांस्टेबल को कथित तौर पर अवैध रूप से धन एकत्र करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। शाह आलम ने बंगाईगांव के माणिकपुर में तलाशी के नाम पर पैसे इकट्ठे किए थे। जांच के दौरान आरोपों में सच्चाई पाए जाने के कारण कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया।

विश्वनाथ में 33वीं राज्य जूडो चैंपियनशिप संफलतापूर्वक संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। 33वीं राज्य जूडो चैंपियनशिप आज विश्वनाथ में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया। राज्य जूडो टूर्नामेंट पिछले दो दिनों से विश्वनाथ शहर के हिमालय इंडस्ट्रीज में आयोजित किया गया था। 33वीं राज्य जूडो चैंपियनशिप पहली बार विश्वनाथ चैंपियन मेकर्स अकादमी और विश्वनाथ जिला जूडो एसोसिएशन के सहयोग से विश्वनाथ में आयोजित की गई थी। टूर्नामेंट का उद्घाटन आज सुबह विश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर ने किया। इस कार्यक्रम की मेजबानी संयुक्त सचिव अंजन बोरा और हृदयनंद दास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वनाथ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा, विश्वनाथ जिला खेल संघ के सचिव रातुल सैकिया, संयुक्त सचिव राजेन दास, वरिष्ठ पत्रकार बसंत बोरा, जिला जूडो संघ के अध्यक्ष आमिर खान, युवा छात्र परिषद के देवव्रत मेरी, वणिक संस्था के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, समाजसेवी अमृत हाजरिका के साथ पूर्व खिलाड़ी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। खेल राज्य जूडो संघ के अध्यक्ष वाणीब्रत दास और सचिव जफर खान के नेतृत्व में खेलों की सुचारू रूप से संचालित किया गया। स्वागत (उद्यापन) समिति के कार्यकरी अध्यक्ष निरंजन हाजरिका ने स्वागत भाषण दिया सभा में अनुभवी खिलाड़ी तरुण बोरा, पीतांबर कोच और दिलीप बरकाटकी को सम्मान से सम्मानित किया गया।

बस को लूटने आए तीन लुटेरे गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। जिले के डबका इलाके से गुजर रही एक बस को लूटने आए तीन लुटेरों को बस यात्रियों ने पकड़ लिया । पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बदमाशों के एक गिरोह ने बीती देररात चलती हुई बस को रुकवाकर चालक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में बस का चालक गियासुद्दीन घायल हो गया। लेकिन, लोगों ने हमलावरों को पकड़ लिया। हमलावर भागने लगे। लेकिन, यात्रियों ने पीछा करके 3 लोगों को पकड़ लिया। बाद में पहुंची पुलिस ने बदमाशों के पास से एक हथियार बरामद किया। पुलिस ने बदमाशों को गिरफ्तार कर इस मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बस का नंबर एएस 02 एसी 1567 बताया गया है।

नगरबेड़ा में जलजीवन मिशन की उपभोक्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिला जल एवं स्वच्छता समिति के तत्वावधान में जिले के समरिया विकाखंड के जल जीवन मिशन की 70 योजनाओं की पानी उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा आज प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। अग्रणी संस्था तथा एनजीओ आमार प्रयास गोष्ठी ने नगरबेड़ा में लिबर्टी कॉमर्स इंस्टीट्यूट परिसर में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन पीजूपाड़ा ग्राम पंचायत अध्यक्ष अमोल दास ने किया। प्रशिक्षण शिविर में जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग के बोको सब-डिवीजन के सहायक अभियंता कोंकण बोड़ो, आमार प्रयास गोष्ठी के प्रबंध निदेशक अनवर हुसैन और सामाजिक पारदर्शी समन्वयक बाबुल कलिता ने भाग लिया। शिविर में उपस्थित सभी व्यक्तियों ने प्रशिक्षण के दौरान जलजीवन मिशन योजना के प्रबंधन में उपभोक्ता समिति की जिम्मेदारी, स्वच्छ पेयजल की मांग में वृद्धि, योजना के प्रबंधन के लिए मासिक अंशदान पर विस्तार से चर्चा की। सभा में कुतुबुद्दीन अहमद समरिया क्षेत्रीय पंचायत के पूर्व सदस्य, असमिया प्रतिदिन अखबार के वरिष्ठ पत्रकार हाचानुल अहमद और आमार प्रयास गोष्ठी के कार्यकर्ताओं के साथ डेढ़ सौ से अधिक लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री गांधीनगर में 28 जुलाई को 'सेमीकॉन इंडिया 2023' का करेंगे उद्घाटन

अहमदाबाद, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 जुलाई को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में सेमीकॉन इंडिया 2023 का उद्घाटन करेंगे। तीन दिवसीय यह कार्यक्रम 30 जुलाई को संपन्न होगा। सेमीकंडक्टर क्षेत्र को तेजी देने के उद्देश्य से केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से इसका आयोजन किया गया है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मुताबिक प्रदर्शनी में आगंतुकों को सेमीकंडक्टर उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषण के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी। एग्जीबिशन में इंजीनियरिंग, डिप्लोमा एवं अन्य संकाय के विद्यार्थियों को सेमीकंडक्टर उत्पादन के बारे में जानकारी तथा इस क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए उपयोगी विशेष जानकारी हासिल करने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम में रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा अग्रणी सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज के प्रमुख भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उपलब्ध निवेश के अवसरों से संबंधित प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा पैनल चर्चा भी की जाएगी। यह एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है, जिसमें हिस्सा लेने से सेमीकंडक्टर उद्योग को नेटवर्किंग, टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी और व्यापार के अवसरों का लाभ मिलेगा। सेमीकॉन इंडिया भारत और गुजरात में सेमीकंडक्टर उद्योग में

नवाचार, सहभागिता और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इवेंट साबित होगा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में दुनिया भर के सेमीकंडक्टर चिप, डिस्प्ले फैब, चिप डिजाइन और असेंबली क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ भारत में इस क्षेत्र में नए अवसरों को लेकर अपने अनुभव एवं विचार प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में फॉक्सकॉन, माइक्रोन, एएमडी, आईबीएम, मार्वल, वेदांता, एलएएम रिसर्च, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स, एसटी माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रांटवुड टेक्नोलॉजीज, इंफीनियोन टेक्नोलॉजीज और एप्लाइड मैटेरियल्स सहित इस क्षेत्र से जुड़ी अन्य जानी-मानी कंपनियां शिरकत करेंगी। राज्य सरकार ने स्थानीय स्तर पर सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन क्षेत्र में त्वरित एवं समावेशी वृद्धि को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता के साथ सेमीकंडक्टर पॉलिसी (2022-2027) जारी की है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के केंद्र के प्रयासों को बल देने के लिए सेमीकंडक्टर पॉलिसी घोषित करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है। इसके अलावा राज्य सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी और सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र के लिए आईटी/आईटीईएस (सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संबद्ध सेवा) पॉलिसी घोषित की है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका दौरे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने माइक्रोन टेक्नोलॉजी कंपनी की ओर से भारत में सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग सुविधा स्थापित करने की घोषणा की थी। सेमीकंडक्टर उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी और बड़ी कंपनियों में से एक सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी और गुजरात सरकार के बीच 22,500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस निवेश के जरिए एटीएमपी सुविधा स्थापित करने के लिए गुजरात के साणंद शहर को चुना गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने बाढ़ की स्थिति को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री से की बात

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात कर राज्य के विभिन्न स्थानों पर पैदा हुई बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना से भी यमुना के जलस्तर को लेकर बातचीत की। गृहमंत्री ने ट्वीट कर इसकी जानकारी

दी और कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से बात की। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति के बारे में जानकारी ली। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना से भी यमुना नदी के जल स्तर को लेकर चर्चा हुई। जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए पर्याप्त संख्या में एस-डीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें उपलब्ध हैं।

जम्मू से 21वां जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से रविवार सुबह 21वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस जत्थे में 3691 श्रद्धालु शामिल थे। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से यात्रा के लिए 3691 श्रद्धालुओं का 21वां जत्था रविवार सुबह पहलगाम व बालटाल के लिए रवाना हुआ। पहलगाम मार्ग से यात्रा करने के लिए रवाना हुए 2203 श्रद्धालुओं में 1764 पुरुष, 343 महिलाएं, 4 बच्चे, 92 साधु शामिल थे। बालटाल मार्ग से यात्रा करने के लिए रवाना हुए

1488 श्रद्धालुओं के जत्थे में 936 पुरुष, 531 महिलाएं, 19 बच्चे और 2 साधवी शामिल थे। अमरनाथ की पवित्र गुफा 3,888 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा 1 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को सम्पन्न होगी।

उत्तराखंड में बारिश से राहत नहीं, 27 जुलाई तक येलो अलर्ट जारी

-टौंस नदी (मोरी) का जल स्तर चेतावनी के ऊपर

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में अभी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। मौसम विभाग की ओर से राज्य में 27 जुलाई तक के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान भारी से बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। इसके साथ ही कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली और तेज बारिश का दौर भी देखने को मिल सकता है। टौंस नदी (मोरी) का जल स्तर चेतावनी के ऊपर बह रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र उप सचिव/ड्यूटी ऑफिसर प्रदीप कुमार शुक्ल ने बताया कि रविवार को बारिश के कारण टौंस नदी (मोरी) चेतावनी के निशान से ऊपर बह रही है। इस संबंध में उत्तरकाशी जिलाधिकारी को जलस्तर की निगरानी और सावधानी बरतने को कहा गया है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के गढ़वाल और कुमाऊं दोनों मंडलों में 27 जुलाई तक भारी बारिश, आकाशीय बिजली चमकने के साथ तेज बारिश हो सकती है। इस दौरान संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के भूस्खलन एवं चट्टान गिरने के कारण सड़कों, राजमार्गों में अवरोध, कटाव व निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति बन सकती। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह का कहना है कि 24 और 25 को प्रदेश के कुछ हिस्सों में अच्छी बारिश की उम्मीद है। 25 के बाद से थोड़ी एक्टिविटी कम होगी। मौसम विभाग ने तीव्र बारिश से नदियों के जलस्तर बढ़ने और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। इधर लगातार बारिश से देहरादून जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग फैडीज से सनैल 72बी (707) आराकोट के पास बंद है। जिले में ग्रामीण मोटर मार्ग सहित कुल 54 सड़कें बंद हैं, जिन्हें विभाग की ओर से खोलने का कार्य जारी है। कालसी बुलगार्ड क्षेत्र में पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त है। उत्तरकाशी में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-94) डाबरकोट एवं खरादी में मलबा-बोल्डर आने के कारण अवरुद्ध है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आठवें और नौवें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को आठवें और नौवें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार प्रदान किए। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली में दो दिवसीय क्षेत्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनभागीदारी से जन आंदोलन की दृष्टि को यथार्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह रेडियो स्टेशन आकाशवाणी की भूमिका और प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए आपदा की स्थिति में अपने श्रोताओं को जानकार बनाए रखते हैं। भारत में रेडियो की पहुंच का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि देश का 80 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र और 90 प्रतिशत से अधिक

आबादी रेडियो द्वारा कवर की गई है। सरकार इस पहुंच को और अधिक विस्तार दे रही है। तीसरे बैच के तहत 284 शहरों में 808 चैनलों की नीलामी इस दिशा में एक बड़ा कदम है। राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार अपने क्षेत्र में जनहित में सराहनीय कार्य करने वालों को दिया जाता है। यह पुरस्कार आज 23 जुलाई को राष्ट्रीय प्रसारण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किए गए। नौवें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों के लिए 4 श्रेणियों में 12 पुरस्कार दिए गए। पुरस्कार विजेता सामुदायिक रेडियो स्टेशन हरियाणा, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, राजस्थान और त्रिपुरा राज्य में स्थित है।

पुनर्विकसित आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन 26 जुलाई को

अजय त्यागी

नई दिल्ली। पुनर्विकसित आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन 26 जुलाई को किया जाएगा। कॉम्प्लेक्स भारत की अध्यक्षता में होने वाली जी20 देशों के नेताओं की बैठकों की मेजबानी करेगा। लगभग 123 एकड़ के परिसर के साथ प्रगति मैदान भारत के सबसे बड़े एमआईसीई (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) गंतव्य है। पुनर्विकसित और आधुनिक आईईसीसी कॉम्प्लेक्स दुनिया के शीर्ष 10 प्रदर्शनी और कन्वेंशन कॉम्प्लेक्स में से एक है। इसकी तुलना जर्मनी में हनोवर प्रदर्शनी केंद्र, शंघाई में राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर जैसे बड़े नामों से तुलना की जा सकती है। सरकार के मुताबिक आईईसीसी के कद और बुनियादी ढांचे की विशालता बड़े पैमाने पर विश्वस्तरीय आयोजनों की

मेजबानी करने की भारत की क्षमता का प्रमाण है। कन्वेंशन सेंटर के लेवल 3 पर 7 हजार व्यक्तियों की बैठने की क्षमता है। वहीं ऑस्ट्रेलिया में प्रतिष्ठित सिडनी ओपेरा हाउस की क्षमता 5500 है। इसमें में 3 हजार व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला एक शानदार एम्फीथिएटर है, जो कि कुल मिलाकर 3 पीवीआर थिएटरों के बराबर है। इसमें 5,500 से अधिक वाहन पार्किंग स्थानों की व्यवस्था है।

IRCTC दर्शन के लिए लाया हवाई यात्रा पैकेज

प्रयागराज, (हि.स.)। आईआरसीटीसी ने सावन माह में शिव भक्तों के लिए महाकालेश्वर एवं ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ महेश्वर व मांडू के दर्शन के लिए हवाई यात्रा पैकेज 08 से 13 अगस्त तथा 15 से 20 अगस्त तक 05 रात्रि एवं 06 दिन के लिए लांच किया है। इस टूर पैकेज में यात्रियों को लखनऊ से इंदौर आने-जाने की व्यवस्था फ्लाइट से की गई है तथा ठहरने के लिए तीन सितारा होटल में व्यवस्था है। स्थानीय भ्रमण एसी वाहन द्वारा कराया जायेगा। यात्रा के दौरान उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, हरसिद्धि मंदिर, कालभैरव मंदिर, राम घाट (स्वयं द्वारा) ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, महेश्वर में महेश्वर किला, अहिल्यामाता राजगद्दी दर्शन, राजेश्वरी मंदिर और रॉयल घाट पर आरती का आनंद लें सकेंगे। मांडू में मांडू रानी रूपमती मंडप, जहाज महल, हिंडोला महल, इको-पॉइंट, नीलकंठ मंदिर एवं इंदौर में खजराना गणेश मंदिर, लालबाग पैलेस, पितृ पर्वत एवं बिजासन मंदिर का दर्शन भ्रमण कराया जायेगा। जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह के अनुसार तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य 30,750 रुपये. प्रति व्यक्ति है। दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य 33,100 रुपये. प्रति व्यक्ति है। एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य 43,400 रुपये. प्रति व्यक्ति है। प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 26,050 रुपये . (बेड सहित) एवं मूल्य 18,300 रुपये (बिना बेड के) प्रति व्यक्ति है।

इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जायेगी। इसमें एलटीसी की सुविधा भी उपलब्ध है। उक्त यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ एवं कानपुर स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट आईआरसीटीटूरिज्म.कॉम से ऑनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है। आईआरसीटीसी उ.क्षे.लखनऊ के मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया है कि अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिए लखनऊ-8287930911, 8287930902 एवं कानपुर-8287930930, 8595924298 नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल ने गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

- राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दिलाई शपथ

गांधीनगर (ईएमएस)। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने रविवार को न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता अग्रवाल को गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी, राज्य के विधि, न्याय, वैधानिक और संसदीय मामलों के

मंत्री ऋषिकेश पटेल और मुख्य सचिव राज कुमार उपस्थित रहे। राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और मंचासीन महानुभावों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीमती सुनीता अग्रवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन राज्यपाल के प्रधान सचिव राजेश मांजू ने किया। राजभवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रोटोकॉल राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा, गुजरात के लोकायुक्त जस्टिस आर.एच. शुक्ला, राज्य की सतर्कता आयुक्त श्रीमती संगीता सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, गुजरात उच्च न्यायालय न्यायमूर्तिगण, वरिष्ठ अधिकारी और आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

वायु सेना ने फ्रांसीसी कंपनी से राफेल में भारतीय हथियार लगाने को कहा

- भारत में निर्मित स्वदेशी हथियारों के लिए खुल सकते हैं वैश्विक बाजार के रास्ते

- युद्ध के समय आत्मनिर्भर होने के लिए वायु सेना का स्वदेशी हथियारों पर जोर

नई दिल्ली, (हि.स.)। वायु सेना ने फ्रांसीसी फर्म डसॉल्ट एविएशन के सामने राफेल लड़ाकू विमानों को भारतीय हथियारों से लैस करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के लिए एक बड़ी कामयाबी हो सकती है, जिससे स्वदेशी हथियारों के लिए वैश्विक बाजार के रास्ते भी खुल सकते हैं। राफेल का उपयोग भारत के अलावा फ्रांस, मिस्त्र, कतर, ग्रीस, क्रोएशिया, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया सहित कई अन्य देश करते हैं। इनमें से कई देशों ने राफेल विमानों के लिए ऑर्डर दिए हैं। भारत के पास इस समय 36 राफेल लड़ाकू जेट हैं, जिन्हें सितम्बर, 2016 में भारत सरकार ने फ्रांसीसी कम्पनी डसॉल्ट एविएशन से 59 हजार करोड़ रुपये का सौदा करके खरीदा था। यह सभी विमान भारत पहुंच चुके हैं, जिन्हें ऑपरेशनल करके पूर्वी और पश्चिमी मोर्चों पर तैनात किया गया है। इनके लिए अंबाला एयरबेस एवं पश्चिम बंगाल के हासीमारा में स्क्वाड्रन बनाई गई हैं। इन विमानों की आपूर्ति से पहले ही फ्रांसीसी सरकार ने भारत

सरकार के सामने भारत में निवेश बढ़ाने के लिए पेशकश की थी। इसके तहत फ्रांसीसी रक्षा कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत में 100 से अधिक राफेल लड़ाकू जेट का निर्माण करना चाहती है। वायु सेना के लिए 36 राफेल जेट की आपूर्ति होने के बाद भारत ने नौसेना के लिए 26 राफेल समुद्री विमान खरीदने का इरादा जताया है, जिन्हें आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाना है। भारत को आपूर्ति 36 विमानों में लगाए गए फ्रांसीसी हथियार काफी महंगे हैं, इसीलिए भारतीय वायु सेना ने फ्रांसीसी फर्म से राफेल लड़ाकू विमानों को भारत में बने हथियारों से लैस करने के लिए कहा है। इनमें स्वदेशी हवा में मार करने वाली मिसाइल एस्ट्रा एयर और स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन (एसएएडब्ल्यू) हैं। बहुत जल्द स्ट्रा-इक रेंज वाली एस्ट्रा मार्क-2 को 160 किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा। इसके एडवांस वर्जन की मारक क्षमता 300 किलोमीटर तक होगी। भारतीय हथियार प्रणालियों को पहले से ही स्वदेशी एलसीए तेजस और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में एकीकृत किया गया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि राफेल में भारतीय हथियार एकीकृत होने के बाद उनके लिए एक बड़ा बाजार हो सकता है। वायु सेना के शीर्ष अधिकारी संघर्ष के समय आत्मनिर्भर होने के लिए अपनी जरूरतों को लेकर स्वदेशी समाधानों पर जोर दे रहे हैं। चीन के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान पूर्वी लद्दाख में कई स्वदेशी हथियार प्रणालियों को तैनात किया गया है। इनमें हवा से हवा में मार करने वाली एस्ट्रा मिसाइलें 100 किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम हैं। स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर भी लक्ष्य को मार सकता है। इसके उन्नत संस्करण भी विकसित किए जा रहे हैं।

कश्मीरी पंडितों ने बाला साहेब को याद कर उद्धव ठाकरे से लगाई गुहार

जम्मू (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई के नेताओं के एक दल ने रविवार को जम्मू के नगरोटा स्थित कश्मीरी विस्थापित कलोनी जगती टाउनशिप का दौरा कर कश्मीरी पंडितों की सुध ली। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने बताया कि 35 साल का लम्बा समय बीतने के बावजूद भी कश्मीरी विस्थापितों की घाटी घर वापसी संभव नहीं बन पाई है। इन्हें अपने ही देश एवं राज्य में विस्थापितों का जीवन व्यतीत करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। वहीं राहत राशि के नाम पर इन्हें मात्र 3200 रुपये प्रति व्यक्ति दिए जा रहे हैं महंगाई के इस दौर में घर और बच्चों की पढ़ाई का खर्च पूरा करना बमुश्किल बन चुका है। इसे बढा कर 7000. रूपए प्रति व्यक्ति किया जाना चाहिए। वहीं जगति टाऊनशिप में कश्मीरी पंडितो को स्वरोजगार के लिए 13 साल पूर्व 200 के करीब दुकानें बनाई गई है जो सिक्योरिटी जमा करने के बावजूद आज तक आबंटन नहीं किया गया। साहनी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने धारा 370, 35, को निरस्त करने और कश्मीरी पंडितों के नाम पर देशभर में जमकर वोट बटोरने की राजनीति की है मगर इनकी सुरक्षित घर वापसी को लेकर कुछ ठोस नहीं किया गया। धारा 370 हटने के तीन

साल से अधिक का समय बीतने के बावजूद कश्मीर के हालातों में भी कुछ खास सुधार नहीं हुआ है। पत्थर बाजी की घटनाओं की जगह लक्षित हत्याएं हो रही है। जिससे भयभीत कश्मीर में कार्यरत हिन्दुओं ने जम्मू संभाग के सुरक्षित जगह तबादले की मांग को सरकार के अड़ियल रवैया के आगे झुकने एवं कश्मीर में सेवाएं देने के लिए मजबूर होना पड़ा। साहनी ने कहा कि कश्मीरी पंडित हिन्दू हृदय सम्राट वंदनीय बाला साहेब ठाकरे को याद करते हुए उद्धव बाला साहेब ठाकरे से उनकी सुरक्षित घर वापसी करवाने की गुहार लगा रहे है। वहीं जगती निवासी बंसी लाल ने कहा कि कश्मीरी पंडित के लिए वंदनीय बाला साहेब ठाकरे भगवान से कम नहीं हैं। विस्थापित होने से जब हम आर्थिक रूप से गरीबी के कारण उचित शिक्षा पाने के बारे में सोचने की हिम्मत भी नहीं कर पाते थे तब उन्होंने महाराष्ट्र के हर कॉलेज में हर शाखा में हमारे लिए सीटे आरक्षित करने की व्यवस्था की। अब नतीजा यह है कि कई बच्चे बड़े होकर इंजीनियर बन चुके हैं और आज हम शिक्षित हैं और अपने परिवार का भरण.पोषण कर सकते हैं। बाला साहेब ठाकरे आंतकवाद की नापाक हरकतों और कश्मीरी पंडितों पर हमलों का मुंह तोड जवाब देने एवं आत्मरक्षा के लिए कश्मीरी पंडितों को हथियार तक देने के हक में थे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संजीव कोहली, अध्यक्ष कामगर विंग के राज सिंह, दीपक शर्मा, विनोद भट्ट, दानिश टिक्कू, जे के गंजो, साजन धर, बंसी लाल, रविंदर साधु, शशिपाल, सुरिंदर कुमार भट्ट और कई अन्य उपस्थित थे।

एल.पी.जी.आई.एस.ए. द्वारा अंतरराष्ट्रीय दोहा-सम्मेलन आयोजित

- धार तेज और मार गहरी होती है दोहे की : डॉ 'मानव'

एलपीजीआई साहित्य एसोसिएशन, मेडान (इंडोनेशिया) द्वारा अपनी 81वीं संगोष्ठी के रूप में वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय दोहा-सम्मेलन का आयोजन गत रात्रि किया गया। एसोसिएशन के संस्थापक तथा अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष शर्मा और सह-संस्थापक योगिता शर्मा के प्रेरक सान्निध्य तथा वैशाली त्यागी के कुशल संचालन में सम्पन्न हुए इस सम्मेलन में विख्यात दोहाकार और सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी बड़ी राजस्थान में हिंदी-विभाग के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ रामनिवास 'मानव' मुख्य अतिथि तथा संभल के वरिष्ठ कवि त्यागी अशोका कृष्णम् विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ 'मानव' और कृष्णम् के अतिरिक्त इंडोनेशिया से जकार्ता की वैशाली त्यागी, बांडुंग की इंदु नांदल, सारेबाया की मीनाक्षी गुप्ता और मीनू संयोग तथा मेडान के अशीष शर्मा और योगिता शर्मा, सिंगापुर की चित्रा गुप्ता, ऑस्ट्रेलिया से मेलबर्न की अमिता शाह तथा भारत से मुरादाबाद के राजीव प्रखर और श्रीकृष्ण शुक्ल, अमरोहा की शशि त्यागी और आकर्ष त्यागी, चंदौसी की डॉ रीता सिंह, बिजनौर की रचना शास्त्री तथा सुजातपुर के प्रदीपकुमार 'दीप' आदि दोहाकारों ने दोहा-पाठ किया। स्वागत, परिचय और सरस्वती-वंदना के उपरांत मुख्य अतिथि डॉ रामनिवास 'मानव' ने अपने संबोधन में दोहे को हिंदी का छोटा, किंतु सर्वाधिक लोकप्रिय छंद बताते हुए कहा कि दोहे की धार पैनी और मार गहरी होती है। यह

भक्तिकाल में रामबाण और रीतिकाल में कामबाण बनकर चला, तो आधुनिक काल में शक्तिबाण बनकर चल रहा है। उन्होंने अपने बहुचर्चित दोहे भी प्रस्तुत किये। उनके निम्नलिखित दोहे को बहुत सराहा गया- वट-पीपल के देश में, पूजित आज कनेर। बूढ़ा बरगद मौन है, देख समय का फेर।। वरिष्ठ रचनाकार राजीव प्रखर का प्रशंसित दोहा था- मन की आंखें खोलकर, देख सके तो देख। कोई है जो रच रहा, कर्मों के अभिलेख।। वैशाली रस्तोगी के इस दोहे को भी बहुत दाद मिली- कांटों का सरताज है, नारी का किरदार। राम-नाम की ओढनी, रावण पहरेदार।। श्रीकृष्ण शुक्ल ने "कृष्ण सदा ही टालिये, आपस की तकरार।" कहकर अप्रिय कथन को अनसुना करने और आपसी तकरार को टालने का संदेश दिया, तो त्यागी अशोका कृष्णम् का कहना था- चित्रकार ने भाग्य से, ऐसे हारी जंग। सुंदर बनते चित्र पर, बिखर गये सब रंग।। अंत में आशीष शर्मा ने मुख्य अतिथि डॉ 'मानव' को समर्पित दोहे पढ़े। उनका एक दोहा देखिये- 'मानव' जी ने जो लिखा, पत्थर खिंची लकीर। दोहे इनके झूठ को, रख देते हैं चीर।। लगभग अढ़ाई घंटों तक चले इस भव्य दोहा-सम्मेलन में अनेक देशों के विशिष्ट श्रोताओं ने साक्षी के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकि विश्वविद्यालय में हुआ शत प्रतिशत पौधरोपण

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में 30 करोड़ पौधों को लगाने के लक्ष्य में शत प्रतिशत पौधरोपण में एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकि विश्वविद्यालय ने अपनी भूमिका निभायी। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रोफेसर जेपी पाण्डेय, कुलसचिव जीपी सिंह, विभागों के प्रोफेसरों, छात्रों ने तय पौधों को लगाया। पौधरोपण के रिकार्ड में अपनी भूमिका निभाने वाले एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के छात्र देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन में एक पौधा अवश्य लगायें, यह सुना करते थे। विश्वविद्यालय की ओर से मौका मिला तो अपनी भी भूमिका का निर्वहन किया गया। पौधरोपण किया गया और साथियों से भी पौधे लगाने

के लिए आग्रह किया। जो साथियों ने स्वीकार भी किया। विश्वविद्यालय के कार्यरत कर्मचारी जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में हरे भरे वृक्ष पर्याप्त संख्या में हैं। वृक्षों की संख्या को बढ़ान के लिए पौधों को लगाते रहना आवश्यक है। इसके लिए राज्य स्तर पर चलाये गये पौधरोपण अभियान में विश्वविद्यालय के नेतृत्व में उन्होंने भी भागीदारी की। नीम, चीकू, आम, बैर, नाशपत्ती, जामुन, अमरूद, लीची फलदार पौधे लगाए गए। उप-कुलसचिव डॉ. आरके सिंह ने कहा कि वृक्ष हमें आक्सीजन देते हैं और जिससे शरीर संचालित होता है। आक्सीजन की भरपूर मात्रा से शरीर स्वस्थ्य रहता है। शरीर को भरपूर आक्सीजन देने के लिए सुबह के वक्त हम लोग टहलने निकलते हैं। आज वृक्षों की संख्या कम हुई है और इससे पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ा है। इसी संतुलन को बनाने के लिए बड़ी संख्या में पौधों को लगाने का संकल्प लिया गया है। इसमें विश्वविद्यालय ने अपनी भूमिका निभायी है।

जयंती पर याद किए गए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद

वाराणसी, (हि.स.)। वीर क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 117वीं जयंती पर रविवार को सामाजिक संगठनों ने उन्हें याद किया। उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। सामाजिक संस्था प्रणाम वन्देमातरम समिति के बैनर तले लहुराबीर स्थित आजाद पार्क में जुटे कार्यकर्ताओं ने जयंती पर आजाद की प्रतिमा की साफ-सफाई की और प्रतिमा पर दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक कर अक्षत, रोली का तिलक लगाकर जनेऊ धारण कराया। इसके बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर क्रांतिकारी की स्मृति में आजाद पार्क में पांच पौधों का रोपण भी किया। इस दौरान वक्ताओं ने चंद्रशेखर आजाद के स्वतंत्रता आंदोलन में अतुलनीय योगदान की चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि आज एक ऐसे वीर

क्रांतिकारी का जन्मदिवस है जिनका नाम बहादुरी, राष्ट्रभक्ति और बलिदान का पर्याय है। बचपन से लेकर अपनी जवानी तक उन्होंने देश के नाम न्यौछावर कर दी। युवाओं न आजाद के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अनूप जायसवाल, मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद श्रवण गुप्ता, विशिष्ट अतिथि अशोक यादव, कुलदीप वर्मा, ओमप्रकाश यादव, सिद्धनाथ गौड़ अलगु, राजेश दूबे, सुनील गुप्ता, सुजीत गुप्ता, आलोक श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

गाजियाबाद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से पलायन करने वाले लोगों से मिलीं महापौर

गाजियाबाद, (हि.स.)। महापौर सुनीता दयाल ने रविवार को बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए की गई व्यवस्था का जायजा लिया और बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलकर उनके हालात से रूबरू हुईं। अत्यधिक बारिश होने के कारण और हिंडन नदी में पानी छोड़े जाने के कारण नदी के आसपास के डूब क्षेत्रों में बने मकानों में अत्यधिक पानी भर गया है। बाढ़ के आसार हो गए हैं इसलिए लोग अपने घरों से पलायन कर शहरी क्षेत्रों में आ गए हैं। इसी प्रकार करहैड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय में जल भराव से प्रभावित लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है जिनसे मिलने महापौर सुनीता दयाल पहुंचीं। महापौर

ने सभी लोगों से बात की। लोगों ने बताया कि नगर निगम की ओर से अच्छी व्यवस्था की गई है और लगभग 700 लोग नगर निगम के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। महापौर ने बाढ़पीड़ितों से कहा कि आपको किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। हर सम्भव मदद की जाएगी। महापौर ने देखा कि लोगों के छोटे बच्चे भी साथ मे हैं। उन्होंने तत्काल निर्देश दिए छोटे बच्चों के लिए दूध एवं बिस्कुट की व्यवस्था कराई। महापौर ने स्कूल में भोजन व्यवस्था का भी जायजा लिया। इससे पहले शनिवार को केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह ने भी बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा किया था।

बच्चे देश के भविष्य हैं, उनके प्रति अपराध को रोकना सबकी जिम्मेवारी : प्रधान जिला जज

खूंटी, (हि.स.)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में रविवार को डालसा सभागार में जिला स्तरीय मल्टी स्टेकहोल्डर्स का कंसल्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस्ाका उद्घाटन पीडीजे सत्य प्रकाश ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा अध्यक्ष ने कहा कि सभी विभागों को अपने दायित्व का निर्वहन कानून के दायरे में रहकर करना है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं और उनके साथ अपराध को किस प्रकार रोका जाए और कैसे उसको त्वरित न्याय प्राप्त हो, इस पर हमें विचार करना है। पीडीजे ने कहा कि अगर किसी बच्चे द्वारा अपराध हो जाता है तो उसे समाज की मुख्यधारा से कैसे जोड़ा जाए और उसके परिवार को किस तरह का कानूनी सहयोग दिया जाए उसी पर यह कार्यक्रम है। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी जिले के सभी प्रखंडों के थाना पुलिस द्वारा लोगों को जगह-जगह जागरूक किया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रति पुलिस को पुलिस के रूप में नहीं, बल्कि एक अभिभावक के रूप में काम करना है। जिला जज प्रथम संजय कुमार ने कहा कि पॉक्सो मामलों में बच्चों का बयान तुरंत दर्ज हो। उन्होंने कहा कि बच्चों को और सभी प्रकार के भय से मुक्त करना होगा। उन्होंने कहा कि 16 से 18 वर्ष के बच्चों की तुरंत मेडिकल जांच हो इसके लिए सिविल सर्जन खूंटी को ध्यान देना होगा। डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि आज सभी विभागों के अध्यक्ष उपस्थित हैं और बच्चों के जीवन को कैसे सुदृढ़ और सकारात्मक बनाया जाए तथा बच्चों से संबंधित उत्पन्न किसी भी समस्या का समाधान तुरंत कैसे निकाला जाए, उसी से संबंधित यह विचार मंथन है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर सहयोगात्मक विचार के साथ बच्चों के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा।

बरौनी रिफाइनरी विस्तारीकरण परियोजना राज्य और बेगूसराय के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण : राज्यपाल

बेगूसराय, (हि.स.)। बरौनी रिफाइनरी में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि इंडियन ऑयल एक बहुमूल्य कंपनी है। यह केवल एक कॉर्पोरेट नहीं, बल्कि एक सामाजिक कंपनी है। इंडियन ऑयल अपने अध्यक्ष एसएम वैद्य के नेतृत्व में देश की जरूरतों को पहचान कर नए उत्पाद और सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि बरौनी रिफाइनरी विस्तारीकरण परियोजना बिहार राज्य और बेगूसराय के लिए आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण अवसर होने वाला है। आशा है कि आप परियोजना को समय सीमा के अनुसार पूरा करेंगे और बिहार के औद्योगिक लीडर के रूप में उभरेंगे। देश के हरित संकल्प की तरफ अग्रसर होते हुए एक संबल और सतत भविष्य के निर्माण में नेट जीरो की दिशा में भी आप महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं। राज्यपाल के पहली बार रिफाइनरी आने पर कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आरके

झा तथा बिहार विपणन कार्यालय के राज्य प्रमुख एवं कार्यपालक निदेशक संजीव कुमार चौधरी ने डीआईजी, डीएम और एसपी सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में स्वागत किया। एसपी योगेन्द्र कुमार के नेतृत्व में बिहार पुलिस की महिला दस्ता ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कमांडेंट आरके सिंह के नेतृत्व में सीआईएसएफ जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राज्यपाल ने इंडियन ऑयल के वरिष्ठ प्रबंधन के साथ बैठक की। बरौनी रिफाइनरी इको पार्क में रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण, वनस्पतियों और पक्षियों के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने इको पार्क तथा स्क्रैप से निर्मित संरचनाओं की सराहना की एवं वातावरण में प्रवासी पक्षियों के बसेरा पर प्रसन्नता जताई। इसके बाद बरौनी रिफाइनरी, विपणन कार्यालय एवं पाइपलाइन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आरके झा ने इंडियन ऑयल तथा बरौनी रिफाइनरी के इतिहास, कार्य, प्रदर्शन, परियोजनाओं, सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रस्तुति दी। राज्य प्रमुख संजीव कुमार चौधरी ने बिहार में किए जा रहे इंडियन ऑयल विपणन कार्यों के ऊपर प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने बरौनी रिफाइनरी बीएक्सपी कंट्रोल रूम में अधिकारियों और ऑपरेटरों से वार्तालाप किया। उन्होंने विस्तारीकरण परियोजना कार्यों की समीक्षा की और इसकी प्रशंसा की। स्वागत आरओ का दौरा कर उन्होंने पौधरोपण किया। यहां ग्राहक केंद्रित सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने ग्राहकों के बीच इंडियन ऑयल की कॉम्पोजिट एलपीजी सिलेंडर का वितरण भी किया।

पूर्व आईएएस सत्येन्द्र सिंह पर ईडी, सीबीआई की लटकी तलवार

लखनऊ, (हि.स.)। फिर एक बार पूर्व आईएएस सत्येन्द्र सिंह यादव के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) की जांच की तलवार लटकी है। हालांकि पूर्व आईएएस पर आजतक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि पूर्व आईएएस सत्येन्द्र सिंह यादव का नाम आते ही भ्रष्टाचार और घोटालों पर चर्चा आम हो जाती है। इनकी पूर्व की बसपा और सपा सरकारों में गहरी पैठ थी और वह प्रमुख पदों पर रहे। इस दौरान वह अपने कारनामों के कारण सुर्खियों में बने रहे। वर्ष 2015 में लखनऊ विकास प्राधिकारण (एलडीए) के तत्कालीन उपाध्यक्ष रहते हुए सत्येन्द्र सिंह पर सुलतानपुर रोड स्थित सरसवां क्षेत्र की करोड़ों रुपयों की जमीन को ग्रीन बेल्ट से मास्टर प्लान में बदलाव कर भू-उपयोग आवासीय कराने का आरोप लगा था। ये सभी जमीनें सत्येन्द्र की पत्नी की एक सोसाएटी के नाम पर है। एलडीए का वही दौर था, जब सत्येन्द्र सिंह यादव और उनके सहायक अधिकारियों ने जेपी इंटरनेशनल बिल्डिंग के लिए करोड़ों रुपये अतिरिक्त खर्च किए। बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए गोमती नगर विस्तार में समायोजन का खेल किया। एलडीए में शहरी फ्लैट योजना लायी गयी और सैकड़ों ऐसे फ्लैट बनाये गए, जिसके कई फ्लैट आजतक बिक नहीं सके हैं। कौशम्बी में जिलाधिकारी रहते हुए सत्येन्द्र सिंह यादव ने खनन क्षेत्र में बड़ा खेल किया था।

सत्येन्द्र ने अपने चहेतों को पट्टा दिया। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2018 में सीबीआई जांच के आदेश दिए। इसके बाद से सीबीआई ने सत्येन्द्र यादव के खिलाफ तमाम सबूत जुटाए और एक साथ नौ ठिकानों पर छापेमारी की थी। सीबीआई ने सत्येन्द्र यादव के लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, नई दिल्ली के बैंक लॉकरों से तमाम सम्पत्तियों के दस्तावेज जुटाए थे। करीब 100 करोड़ की सम्पत्तियों की जानकारी सामने आयी और इसके अलावा 36 खातों की भी जानकारी मिली थी। पूर्व आईएएस सत्येन्द्र सिंह यादव के सीबीआई की जांच के बाद वर्ष 2022 से ईडी ने भी अपनी जांच शुरू कर दी। ईडी ने प्रारंभिक जांच में पाया कि सत्येन्द्र यादव ने एलडीए के उपाध्यक्ष और लखनऊ का जिलाधिकारी रहते हुए गलत तरीके से धनार्जन किया। कौशाम्बी के जिलाधिकारी रहते हुए भ्रष्टाचार किया और उस दौरान बहुत धन कमाया, जिसकी जांच ईडी के अधिकारी कर रहे हैं। सीबीआई सूत्रों की मानें तो सत्येन्द्र ने दूसरों के नाम पर भी तमाम सम्पत्तियां खरीदी हैं। जिसमें सत्येन्द्र का ही धन लगा है। सपा की सरकार में सत्येन्द्र ने ठेकेदारों के बीच गहरी पैठ बनायी थी। उसके नजदीक आये ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के साथ उनके नाम से भी कई सम्पत्तियां खरीदीं। जिसकी जांच चल रही है।

सर्व सेवा संघ पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई दुखद : माले

लखनऊ, (हि.स.)। भाकपा (माले) ने आजादी के योद्धाओं द्वारा वाराणसी के राजघाट में स्थापित दशकों पुराने अखिल भारतीय सर्व सेवा संघ के परिसर को शनिवार को खाली करा लेने और उस पर बुलडोजर चलाने की चल रही कार्रवाई को दुःखद बताया है। पार्टी ने इसका विरोध करने वाले पदाधिकारियों की गिरफ्तारी की निंदा की है और उनकी रिहाई की मांग की है। राज्य सचिव सुधाकर यादव ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि भाजपा सरकार भी चाहती है कि सर्व सेवा संघ के वाराणसी परिसर को, जो अन्यथा एक विरासत हो सकता था, ध्वस्त कर दिया जाए। इसे बचाने के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहा था। वहां बच्चों का स्कूल और पुस्तकालय भी चलता था। प्रशासन ने उसकी भी परवाह नहीं की। यह दिखाता है कि भाजपा के पास आजादी के लड़ाकों के लिए कोई सम्मान नहीं है, क्योंकि उसकी विचारधारा वाले समूह ने खुद स्वतंत्रता संघर्ष में कभी हिस्सा नहीं लिया।

मणिपुर नहीं संभल रहा तो मिलिट्री के हवाले कर दिया जाए : डॉ. एसटी हसन

मुरादाबाद, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद डॉ. एसटी. हसन के निशाने पर इस बार भाजपा की मणिपुर सरकार है। उन्होंने कहा है कि मणिपुर सरकार अगर अपने राज्य को नहीं संभाल पा रही है तो उसे मिलिट्री के हवाले कर दे। मणिपुर में जो घटना घटित हुई है, वह दिल दहलाने वाली है। डॉ. एसटी हसन ने आगे कहा कि मणिपुर की घटना ने हमारे हिंदुस्तान की सारी तहजीबों को बिखेर दिया है। तितर-बितर कर दिया है। हमारी सभ्यताओं और हमारे आपसी इंसानी रिश्तों को बर्बाद कर दिया है। इस घटना से हमारा सिर सारी

दुनिया के आगे झुका है। सांसद ने पूछा है कि सरकार आरोपितों को कठोर सजा क्यों नहीं दिलाती है। अगर नहीं संभाला जा रहा है तो मणिपुर को मिलिट्री के हवाले कर दीजिए। महीने हो गए तमाशा होते हुए। ऐसे दंगाइयों को शूट एंड साइट का आर्डर दिया जाना चाहिए।

योग केवल शारीरिक आसन या व्यायाम नहीं है, यह एक समग्र जीवनशैली : राज्यपाल

रांची, (हि.स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि योग सदियों से किया जाता रहा है। इसकी जड़ें हमारी भारतीय विरासत में गहरी हैं और यह अब वैश्विक बन गई है तथा इसे दुनिया भर में लाखों लोगों ने अपनाया है। यह पूरे विश्व को भारत का एक अमूल्य उपहार है। राज्यपाल रविवार को आईएमए में इंडियन योग एसोसिएशन-झारखंड स्टेट चैप्टर की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा योग केवल शारीरिक आसन या व्यायाम नहीं है, यह एक समग्र जीवनशैली है जो हमें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है, तनाव को कम करता है और विचारों में स्पष्टता लाता है। इसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर योग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके उल्लेखनीय पहल से संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया तथा इससे पूरे विश्व में योग के प्रति जागरुकता में वृद्धि हुई। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश में बहुत से लोग मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित है, जो अन्य बीमारियों को भी जन्म देती है। बदलते जीवनशैली के कारण युवाओं में भी विभिन्न व्याधियां देखने को मिल रही हैं। ऐसे में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है, यह जीवन में अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने सभी से योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने का आह्वान किया। इसे अपनाकर लोग अपनी सेहत पर इसके गहन सकारात्मक प्रभाव का अनुभव कर सकते हैं।

डीएम ने रजौली अनुमंडल का किया दौरा, मोहर्रम पर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के दिए निर्देश

नवादा, (हि.स.)। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा ने रविवार को रजौली अनुमंडल का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्र में मोहर्रम शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाने को लेकर स्थानीय पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सबसे पहले गोविंदपुर प्रखंड में समेकित जांच चौकी का निरीक्षण किया। इसके बाद रजौली अनुमंडल पहुंचे, जहां सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को वांछित लोगों तक पहुंचाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। साथ ही समेकित जांच चौकी रजौली व फुलवरिया डैम का निरीक्षण किया। जांच चौकी पर प्रतिनियुक्त कर्मियों और सशस्त्र पुलिस बलों को 24 घंटे तक जांच करने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम में पानी की स्थिति का

निरीक्षण किया। डैम में पानी अपेक्षाकृत कम था। फिर भी नहर से पानी की आपूर्ति की जा रही थी। इसके बाद जिलाधिकारी सिरदला, नरहट व हिसुआ प्रखण्ड क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की जानकारी लेते हुए नवादा पहुंचे। इस दौरान एसडीएम आदित्य कुमार पीयूष, एसडीपीओ पंकज कुमार, डीसीएलआर जफर हसन, पीजीआरओ संतन कुमार सिंह व प्रखण्ड क्षेत्र के बीडीओ,सीओ व एसएचओ आदि मौजूद रहे।

डेढ़ माह में ही टूट गई सड़क, मुख्यमंत्री से जांच की मांग

बिजनौर, (हि.सं.)। जनपद के नगीना थाना क्षेत्र में विधायक निधि से बनी सड़क डेढ़ माह में ही बरसात में टूट गई। नगीना बूढ़ा वाला हरेवली रोड की 4 किलोमीटर सड़क डेढ़ माह पहले बनाई गई थी पर इसी बरसात में सड़क पर पड़े घटिया तारकोल तथा बजरी ने पोल खोलकर रख दी। सड़क इस समय जर्जर हालत में है। उक्त सड़क नगीना के सपा विधायक मनोज पारस की विधायक निधि से पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई गई है। उक्त सड़क बनने के कुछ दिन बाद से ही उखड़ने लगी थी जिसकी शिकायत समाजोवी डॉक्टर संदीप शर्मा ने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से की थी पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क

में अधोमानक कोलतार तथा बजरी का प्रयोग किया गया है। जनता की गाढ़ी खून-पसीने की कमाई बरसात में बह गई। समाजसेवी संदीप शर्मा तथा दर्जनों ग्रामीणों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस मामले की जांच कराने ,जांच में दोषी पाए जाने पर विभाग के अधिकारियों व ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अमरोहा में निर्माणाधीन सिनेमाघर की दीवार गिरने से दो की मौत, सात घायल

अमरोहा, (हि.स.)। नगर के आजाद रोड स्थित माधव सिनेमा घर की पुरानी बिल्डिंग को तोड़ते वक्त दीवार गिरने से उसमें दबकर रविवार को दो मजदूरों की मौत हो गई। सात लोग घायल हैं। पुलिस ने स्थानीय लोग की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। नगर के रहने वाले कमलेश चंद अग्रवाल का आजाद रोड पर माधव सिनेमा घर है। पिछले तीन महीने से ठेकेदार जहीर के नेतृत्व में हॉल की पुरानी बिल्डिंग गिराई जा रही थी। पुरानी बिल्डिंग हटाकर इसमें नया निर्माण होना था। रोजाना की तरह रविवार की सुबह भी मजदूर हॉल की पुरानी दीवार तोड़ने का कार्य कर रहे थे। लगभग 12 फिट ऊंची दीवार में छह फिट का छज्जा था। उसको तोड़ते वक्त दीवार छज्जा समेत भर-भराकर नीचे गिरा। मलबे में सभी मजदूर दब गए। इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव कार्य करते हुए सभी मजदूरों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान काली पगड़ी निवासी यासीन (19) और रफीक (45) को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी होते ही जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी, पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगहे, एसडीएम प्रतिभा सिंह, सीएफओ अनिल कुमार समेत आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की जांच की, जिसमें ठेकेदार की लापरवाही सामने आई है। बिल्डिंग निर्माण की अनुमति ली गई थी या नहीं इसकी भी जांच होगी।

मतदाता सूची को लेकर गांव-गांव चलाएं जागरुकता अभियानः के रवि कुमार

खूंटी, (हि.स.)। समाहरणालय सभागार में रविवार को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ को मतदाता सूची से संबंधित आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देश और नियम-प्रावधानों के साथ ही उनके द्वारा किए जा रहे घर-घर सत्यापन कार्यों की जानकारी दी गई। हर स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करने के भी प्रयास किए जायें। साथ ही बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का ससमय पर्यवेक्षण सुनिश्चित करना जरूरी है। उपायुक्त शशि रंजन ने बताया कि कार्यों के उचित अनुश्रवण उन्होंने बताया कि प्रत्येक सप्ताह सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी संबंधित क्षेत्र में किए जा रहे निर्वाचन संबंधी कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके अतिरिक्त जिले में स्वीप के तहत विशेष मतदाता जागरुकता अभियान चलाए जाएंगे। मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्थानीय भाषा में ऑडियो, वीडियो तैयार कर प्रेषित किए जायेंगे। सभी इएलसी एवं चुनाव पाठशाला को क्रियाशील रखते हुए मतदाता जागरुकता गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन का कार्य 21 अगस्त तक किया जाएगा। घर-घर सत्यापन के कार्य के लिए बीएलओ को वर्तमान मतदाताओं की विवरणी से संबंधित पूर्व से भरा हुआ बीएलओ पंजी राज्य स्तर से उपलब्ध पंजी में विवरणी का सत्यापन परिवार के प्रमुख से बबीएलओ द्वारा कराया जाना है।

आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर बिहार की हकीकत देखें राहुल गांधी : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह बिहार की विधि-व्यवस्था को लेकर इन दिनों हमलावर हैं। अब उन्होंने राहुल गांधी को बिहार और बेगूसराय आने का चैलेंज दिया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि राहुल गांधी को बेगूसराय आने का न्योता दे रहा हूं। गिरिराज सिंह ने कहा है कि राहुल गांधी को बिहार आना चाहिए और हमारे राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को प्रत्यक्ष रूप से देखना चाहिए। अब समय आ गया है कि वह नीतीश बाबू के शासन में जमीनी हकीकत का जायजा लें, खासकर जब बात हमारी महिलाओं के सुरक्षा की हो। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में महिलाओं की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। ऐसे में हमारे नेताओं के लिए स्थिति की गंभीरता को समझना आवश्यक है। राहुल गांधी हमारे यहां महिलाओं द्वारा

प्रतिदिन सामना किए जाने वाले संघर्षों के प्रति सहानुभूति रख सकते हैं और इन मुद्दों पर बोलने और पहल करने की तात्कालिकता को समझ सकते हैं। इसलिए राहुल गांधी बिहार का दौरा करें। उनसे आग्रह है कि वे अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलें, राजनीतिक मतभेदों को किनारे रखें और बिहार के लोगों के साथ जुड़ें। जमीनी हकीकत को समझना किसी भी नेता के लिए महत्वपूर्ण है। यहां महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाली चुनौतियों को देखना, निस्संदेह सार्थक बदलाव की वकालत करने के लिए बेहतर ढ़ंग से सुसज्जित करेगा।

संपादकीय

मणिपुर की घटना से देश शर्मसार

दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़क पर घुमाने और अमानवीय व्यवहार करने का जो वीडियो मणिपुर से आया है, उससे समूचा देश आक्रोशित और शर्मसार है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुःखी मन से इस घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने जो कहा, वही भाव जन सामान्य के भी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि "मेरा हृदय आज पीड़ा से भरा है, क्रोध से भरा है। मणिपुर की घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मसार करने वाली घटना है। पाप करने वाले कितने हैं और कौन हैं ये अपनी जगह है। ये बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार होना पड़ा है। सभी मुख्यमंत्रियों से कहता हूं कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करें। माताओं-बहनों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाएं"। प्रधानमंत्री मोदी की ओर उम्मीदों से देख रहे नागरिकों को उन्होंने आश्वासन दिलाया है कि देश में हिंदुस्तान के किसी भी कोने या किसी भी राज्य सरकार में राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून-व्यवस्था और बहनों का सम्मान प्राथमिकता है। किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ, उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। निःसंदेह, यह अपराध माफी के लायक नहीं है। मणिपुर की परिस्थितियों की जानकारी रखनेवाले लोग बता रहे हैं कि कुकी समाज के लोगों ने इसी प्रकार के घिनौने अपराध वहाँ के बहुसंख्यक समुदाय मैतई की महिलाओं के साथ भी किए हैं। उनके घरों में घुसकर महिलाओं के साथ व्यभिचार किया और उनके घर जला दिए। परंतु, कहना होगा कि महिलाएं चाहे मैतई समुदाय की हों या कुकी समाज की, उनके सम्मान के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ कतई स्वीकार नहीं है। इस तरह की घटनाएं सामान्य अपराध नहीं हैं, इससे समूची मानवता का सिर झुक जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विधर्मियों का प्रभाव बढ़ने के बाद से मणिपुर जैसे राज्यों में महिलाओं को वस्तु और ढाल की तरह इस्तेमाल किए जाने के अनेक मामले सामने आते रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि भारतीय सेना के जवानों को रोकने के लिए प्रदर्शनकारी महिलाओं को नग्न होने के लिए उकसाते रहे हैं। अफस्पा कानून को हटाने के लिए कितने ही ऐसे प्रदर्शन हुए, जिनमें प्रदर्शनकारियों ने ही महिलाओं का अपमान किया गया। मणिपुर की इस घटना की जितनी निंदा की जाए, कम है। अभी एक अपराधी पकड़ा गया है। जल्द ही वे सभी अपराधी पकड़े जाने चाहिए, जो भी इस घटना का हिस्सा हैं। केन्द्र सरकार को इस मामले को अपने हाथ में लेना चाहिए और एक निष्पक्ष जाँच समिति बनाकर घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल करानी चाहिए। यह जाँच इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि घटना लगभग 70-75 दिन पुरानी है लेकिन उसका वीडियो मानसून सत्र से ठीक एक शाम पहले वायरल होता है। सरकार पर हमलावर रहनेवाला समूचा वर्ग एक साथ, एक ही समय में इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को घेरने सोशल मीडिया के रणक्षेत्र में उतर आया। मणिपुर की वर्तमान परिस्थितियों एवं पुराने इतिहास के आधार पर भी इस घटना की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है बहरहाल, पिछले कुछ समय से यह ध्यान में आ रहा है कि संसदीय सत्र से ठीक पहले कोई न कोई ऐसा मामला उछाला जाता है, जिससे संसदीय कार्यवाही को चलने ही न दिया जाए। हंगामा खड़ा करके सरकार को कठघरे में खड़ा किया जाए। इस मामले में भी यही हुआ। सरकार मणिपुर की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर चर्चा के लिए तैयार थी, इसके बाद भी विपक्ष ने हंगामा करके संसद ठप करा दी। अच्छा होता कि विपक्ष संसद में नियमानुसार इस मुद्दे पर संसद में अपनी बात रखती और सरकार से सवाल पूछती। ऐसा होता तो सरकार भी अपना रुख देश के सामने रखती।

माताओं-बहनों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाएं"। प्रधानमंत्री मोदी की ओर उम्मीदों से देख रहे नागरिकों को उन्होंने आश्वासन दिलाया है कि देश में हिंदुस्तान के किसी भी कोने या किसी भी राज्य सरकार में राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून-व्यवस्था और बहनों का सम्मान प्राथमिकता है। किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा। मणिपुर की बेटियों के साथ जो हुआ, उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। निःसंदेह, यह अपराध माफी के लायक नहीं है। मणिपुर की परिस्थितियों की जानकारी रखनेवाले लोग बता रहे हैं कि कुकी समाज के लोगों ने इसी प्रकार के घिनौने अपराध वहाँ के बहुसंख्यक समुदाय मैतई की महिलाओं के साथ भी किए हैं। उनके घरों में घुसकर महिलाओं के साथ व्यभिचार किया और उनके घर जला दिए। परंतु, कहना होगा कि महिलाएं चाहे मैतई समुदाय की हों या कुकी समाज की, उनके सम्मान के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ कतई स्वीकार नहीं है। इस तरह की घटनाएं सामान्य अपराध नहीं हैं, इससे समूची मानवता का सिर झुक जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विधर्मियों का प्रभाव बढ़ने के बाद से मणिपुर जैसे राज्यों में महिलाओं को वस्तु और ढाल की तरह इस्तेमाल किए जाने के अनेक मामले सामने आते रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि भारतीय सेना के जवानों को रोकने के लिए प्रदर्शनकारी महिलाओं को नग्न होने के लिए उकसाते रहे हैं।

बोधि वृक्ष

ऐसे ही लोग जीवन में बढ़ते हैं आगे और मिलता है अद्भुत ज्ञान

जेतवन में गौतम बुद्ध लोगों से बातचीत कर रहे थे। हल्की-फुल्की ज्ञानवर्धक बातें हो रही थीं, हंसी-मजाक का माहौल था। तभी एक किसान अपने छोटे से पुत्र को पीटते हुए उनके सामने लाया। किसान की शिकायत थी कि उसका पुत्र सवाल बहुत पूछता है। अक्सर वह ऐसे सवालों तक पहुंच जाता है, जहां न उसका दिमाग काम करता है, और न गांव में किसी और का। वहां बैठे बाकी लोग भी उस किसान की हां में हां मिलाने लगे। एक स्त्री बोली, 'भगवन, यह तो कुएं से पानी भरते-भरते इतने सवाल पूछ लेता है कि मन झल्ला उठता है।' गांव वालों ने गौतम बुद्ध से उस बालक को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। यह सुनकर गौतम बुद्ध गंभीर हो गए। उन्होंने पूछा, 'क्या इस गांव में कोई और भी सवाल पूछता है?' गांव वाले बोले, 'नहीं भगवन। सब कुछ तो पहले से ही लिखा हुआ है। जब सबकी नियति तय है तो हम सवाल क्यों पूछें? क्या सवाल पूछने से किसी की नियति आज तक बदली है?' यह सुनकर बुद्ध मुस्कुराए। उन्होंने पूछा, क्या नियति स्वयं बदल सकती है? सबने कहा- नहीं। बुद्ध ने कहा, लेकिन नियति तो बदलती रहती है। आज धूप है, कल बारिश होगी। बारिश के मौसम में

सूखा पड़ेगा और अगली बारिश में हो सकता है बाढ़ आ जाए। अगर नियति से निपटने की तैयारी रखनी है तो मन में उससे निपटने वाले सवाल भी होने चाहिए। ज्ञान यूं ही नहीं मिलता है। जब मन में जिज्ञासा होती है, तभी उसका समाधान भी होता है। यदि जिज्ञासा ही नहीं रहेगी, सवाल ही नहीं होंगे तो ज्ञान कहां से आएगा? गांव वाले तो महात्मा बुद्ध की बात समझ गए, लेकिन आज भी लाखों-करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके मन में कोई सवाल नहीं है। वे रोज सुबह उठते हैं। नहा-धोकर नाश्ता करते हैं, काम पर जाते हैं, और काम से लौटकर सीधे घर आते हैं। उनका जीवन एकरेखीय हो चला है, ठहर चुका है। वे जहां हैं, वहां से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। प्रसिद्ध पंजाबी कवि अवतार सिंह संधू पाश ने लिखा है, 'घर से निकलना काम पर, और काम से घर लौट आना, सबसे खतरनाक है हमारे सपनों का मर जाना।' जिनकी आंखों में सपने बसते हैं, उनकी जुबान पर सवाल होते हैं। सवाल, जो उनके सपनों से जुड़े होते हैं। सवाल, जिनके जवाबों से उनके सपने पूरे होने हैं। अपने सपनों को पूरा करने की चाहत रखने वाले उतनी ही शिद्दत से अपने पास सवाल भी रखते हैं। सवाल सपनों को पूरा करने वाली सीढ़ी होते हैं। जैसे-जैसे जवाब मिलता जाता है, हम सीढ़ी चढ़ते जाते हैं, और एक दिन हमारे सपने पूरे हो जाते हैं। याद करें नचिकेता की कहानी, जिसके सवालों से यम तक परेशान हो चले थे। लेकिन अंत में नचिकेता ज्ञान लेकर ही माने। ज्ञान उनका सपना था, जो उनके सवालों ने पूरा किया। अध्यात्म जवाबों से ज्यादा सवालों वाली राह है। मैं कौन हूं, क्यों हूं, अनुभव क्या है, भटकाव क्या है, ठहराव क्या है? ये सब अध्यात्म के आधारभूत सवाल हैं, जिनका जवाब जाने बगैर अध्यात्म की राह पर आप एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकते। इनके जवाब की राह भी आसान नहीं है, इसलिए बहुत सारे लोग इसे तपस्या भी कहते हैं। यह तपस्या तभी पूरी होगी, जब सवाल होंगे।

बीजेपी आलाकमान को विश्वास है कि 2024 में भी केन्द्र की सत्ता का रास्ता यूपी से होकर ही निकलेगा

उत्तर प्रदेश में बसपा ने बिगाड़ दिया है मोदी विरोधियों का 'खेला'

स्वदेश कुमार

मोदी-योगी की जोड़ी यदि एक बार फिर यूपी वालों का दिल जीतने में सफल रहती है तो यह गैर बीजेपी दलों के लिए किसी आघात से कम नहीं होगा। इसी बात को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आलाकमान चिंता में डूबा है, लेकिन उसे कोई राह नहीं सूझ रही है, क्योंकि बसपा सुप्रीमो कांग्रेस-सपा के साथ हाथ मिलाने को तैयार ही नहीं हो रही है। इसी के चलते आज भले ही राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और कुछ दल बीजेपी को हराने के लिए पटना से लेकर बंगलुरू-मुम्बई तक की दौड़ लगा रहे हों, लेकिन यूपी में यह गठबंधन निष्क्रिय नजर आ रहा है। गौरतलब है कि यूपी में इसी तरह के कई प्रयोग पिछले दस वर्षों में औंधे मुंह गिर चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में पहले से ही मजबूत दिख रही भारतीय जनता पार्टी, लोकसभा चुनाव में जीत की गारंटी तय करने के लिए 80 लोकसभा सीटों वाले यूपी में लगातार अपना राजनैतिक कुनबा बढ़ाती जा रही है। पूर्व में दो बार (2014 और 2019 में) यदि केन्द्र में मोदी की सरकार बनी इसकी नींव यूपी में ही पड़ी थी। बीजेपी आलाकमान को विश्वास है कि 2024 में भी केन्द्र की सत्ता का रास्ता यूपी से होकर ही निकलेगा। मोदी-योगी की जोड़ी यदि एक बार फिर यूपी वालों का दिल जीतने में सफल रहती है तो यह गैर बीजेपी दलों के लिए किसी आघात से कम नहीं होगा। इसी बात को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आलाकमान चिंता में डूबा है, लेकिन उसे कोई राह नहीं सूझ रही है, क्योंकि बसपा सुप्रीमो कांग्रेस-सपा के साथ हाथ मिलाने को तैयार ही नहीं हो रही है। इसी के चलते आज भले ही राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस और कुछ दल बीजेपी को हराने के लिए पटना से लेकर बंगलुरू-मुम्बई तक की दौड़ लगा रहे हों, लेकिन यूपी में यह गठबंधन निष्क्रिय नजर आ रहा है। गौरतलब है कि यूपी में इसी तरह के कई प्रयोग पिछले दस वर्षों में औंधे मुंह गिर चुके हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में यूपी की सत्ता में रहते हुए भी अखिलेश यादव, बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाए थे और उसके बाद 2017 में सत्ता गंवाने के बाद तो वह लगातार कमजोर होते जा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में जब बीजेपी में मोदी युग की शुरुआत हुई थी उस समय समाजवादी पार्टी यूपी में सत्तारुढ़ थी, लेकिन उसे लोकसभा चुनाव में बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद सपा ने गठबंधन के प्रयोग शुरू कर दिए। 2017 में सपा कांग्रेस के साथ मिलकर विधान सभा चुनाव लड़ी, राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने एक साथ कई सभाएं कीं, बीजेपी के साथ पोस्टर वार में कांग्रेस-सपा गठबंधन ने राहुल-अखिलेश की फोटो वाला पोस्टर जारी करके नारा दिया, 'यूपी को यह साथ पसंद है।' लेकिन इस गठबंधन को सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। इसी तरह से 2019 में बसपा-सपा यानी बुआ-भतीजे की जोड़ी ने

अप्रत्याशित रूप से हाथ मिला लिया, जबकि नेताजी इसके पक्ष में नहीं थे, बीजेपी और मोदी के सामने यह गठबंधन भी चारों खाने चित हो गया। अबकी से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में जो संभावित गठबंधन नजर आ रहा है उसमें कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक बार फिर साथ-साथ कदमताल करते नजर आ रहे हैं, जबकि बसपा अलग-थलग है। वह अपने दम पर चुनाव मैदान में कूदने के लिए ताल ठोंक रही है। बीजेपी को कौन कितनी चुनौती दे पाएगा, इसको लेकर संभावित सियासी तस्वीर खींची जा रही है। बहरहाल, बात सपा प्रमुख अखिलेश यादव की कि जाए जो, यूपी में अपने आप को बीजेपी का विकल्प समझते हैं, इस बार भी वह बीजेपी गठबंधन से अकेले मुकाबला करने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं, किसी भी चुनाव से पहले भले ही अखिलेश बड़े-बड़े दावे करते हों, लेकिन चुनाव की घड़ी आती है तो वह गठबंधन का सहारा ढूंढ़ने लगते हैं। 2017 से 2022 तक अखिलेश कोई भी चुनाव अकेले नहीं लड़े हैं। सपा की यही 'तस्वीर' अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी बनती नजर आ रही है। यह और बात है कि नये गठबंधन से पूर्व उनके पुराने संगी साथी लगातार उनको छोड़कर जा रहे हैं। फिलहाल समाजवादी पार्टी के साथ सिर्फ राष्ट्रीय लोकदल खड़ा नजर आ रहा है, जो ज्यादा विश्वसनीय नजर नहीं आ रहा है। वैसे भी समय के साथ रालोद प्रमुख पाला बदलने में माहिर हैं। यहां यह बता देना भी जरूरी है कि तीन दशक से अधिक पुरानी समाजवादी पार्टी का किसी भी दल से गठबंधन ज्यादा दिनों तक नहीं चल सका है। सपा ने सबसे पहले 1993 में बसपा के साथ गठबंधन किया था। तब तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह और बसपा सुप्रीमों कांशीराम एक साथ आए थे। उस समय भी ये दोनों दल बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिए एक साथ हुए थे। यह वह दौर था जब राम मंदिर की सियासत और बीजेपी की उड़ान चरम पर थी। फिर भी दोनों ही दलों ने साथ मिलकर सरकार बनाई, लेकिन आपसी खटपट के कारण दो जून 1995 को बसपा ने गठबंधन से किनारा कर लिया, जिसका अंत लखनऊ में स्टेट गेस्ट हाउस कांड के रूप में सामने आया था। इसके बाद 2002 में बीजेपी और बसपा का गठबंधन हुआ, जिसे बहुमत मिला और समझौते के तहत छह-छह महीने का फार्मूला समाने आया, यानी छह माह मायावती को और छह माह बीजेपी के नेता को सीएम बने रहना था, लेकिन जब मायावती का सीएम के तौर पर छह माह का कार्यकाल पूरा हो गया तो उन्होंने इस्तीफा देने से मना कर दिया और यह गठबंधन टूट गया, तब अगस्त 2003 में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने और बहुमत का दावा पेश किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, इसके बाद बहुमत पेश करने का वक्त आया तो सपा की संख्या कम पड़ी। लेकिन बीजेपी ने उन्हें समर्थन दिया। हालांकि ये गठबंधन भी लंबे वक्त तक नहीं चला था। 2014 में जब मोदी लहर चली तो लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राज्य में बड़ी जीत दर्ज की। इसके बाद विधानसभा चुनाव के वक्त अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा ने चुनाव लड़ा। इस चुनाव में सपा ने कांग्रेस से गठबंधन किया। हालांकि इस गठबंधन में सपा की अब तक की सबसे बड़ी हार हुई। सपा ने 2012 में 224 सीटें जीती थीं लेकिन इस बार केवल 47 सीटें मिली थीं। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस ने 2012 में 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि 2017 में पार्टी को यूपी में केवल सात सीटों पर जीत मिली। जिसके बाद ये गठबंधन भी टूट गया। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सपा-बसपा दूसरी बार एक साथ आए। दोनों ही दलों ने मिलकर फिर से बीजेपी के खिलाफ लोकसभा चुनाव में मोर्चा बनाया। हालांकि इस चुनाव में भी सपा और बसपा गठबंधन को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। बसपा को 10 और सपा को पांच सीटों पर जीत मिली थी। कुछ ही दिनों के बाद ये गठबंधन भी टूट गया। इसके बाद 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में सपा ने छोटे दलों को साथ लेकर नया गठबंधन बनाया। प्रसपा, सुभासपा, रालोद और महान दल का सपा के साथ विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गठबंधन हुआ। इस गठबंधन का कुछ फायदा सपा को मिला लेकिन फिर भी चुनाव में पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। सपा गठबंधन को केवल 125 सीटों पर जीत मिली, जिसमें सपा केवल 111 सीटें जीत सकी थी। बीजेपी गठबंधन ने 273 सीटों पर जीत दर्ज की। चुनाव में हार के बाद सपा गठबंधन में खटपट बढ़ी और फिर कई दल इस गठबंधन से अलग हो गए। बात 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हुए नये गठबंधन की कि जाए तो समाजवादी पार्टी अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव कांग्रेस और रालोद के साथ मिलकर लड़ेगी, लेकिन खास बात यह है कि सपा विपक्षी गठबंधन की कमान कांग्रेस को देने को तैयार नहीं है, वह अपने पास गठबंधन की चाबी रखना चाहती है।

मणिपुर में इंसानियत का कत्ल और निर्वस्त्र महिलाओं पर टूलकिट की घिनौनी मंशा

हथकंडा तिल को ताड़ करने का, सच को झूठ और झूठ को सच करने का, आधे सच पर पूरी कहानी बुनने का, थोड़े से सच में बहुत ज्यादा झूठ मिलाकर पेश करने का, वक्त और मौके की नजाकत भांपकर मुद्दे उछालने का। यह हथकंडा एक को हीरो और दूसरे को विलेन बना सकता है, यह बड़े को छोटा बनाकर दबा सकता है और छोटे को बड़ा बनाकर दुनियाभर में कोहराम मचा सकता है। टूलकिट इंसानों, संस्थानों और तकनीक के मिले-जुले प्रयासों का प्रतिनिधि होता है। आज यही टूलकिट मणिपुर में दो निर्वस्त्र महिलाओं के दो महीने पुराने वाकये पर ऐक्टिव है। टूलकिट के जितनी पहचान और जितने मानदंड ऊपर बताए गए हैं, मणिपुर की उस अमानवीय घटना पर हो रहा हंगामा कमोबेश उन सब पर खरा उतर रहा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है जिसमें पुरुषों की भीड़ दो निर्वस्त्र महिलाओं को ले जा रही है।

सोशल मीडिया जमाने में मिला नया हथकंडा है यह। हथकंडा तिल को ताड़ करने का, सच को झूठ और झूठ को सच करने का, आधे सच पर पूरी कहानी बुनने का, थोड़े से सच में बहुत ज्यादा झूठ मिलाकर पेश करने का, वक्त और मौके की नजाकत भांपकर मुद्दे उछालने का। यह हथकंडा एक को हीरो और दूसरे को विलेन बना सकता है, यह बड़े को छोटा बनाकर दबा सकता है और छोटे को बड़ा बनाकर दुनियाभर में कोहराम मचा सकता है। टूलकिट इंसानों, संस्थानों और तकनीक के मिले-जुले प्रयासों का प्रतिनिधि होता है। आज यही टूलकिट मणिपुर में दो निर्वस्त्र महिलाओं के दो महीने पुराने वाकये पर ऐक्टिव है। टूलकिट के जितनी पहचान और जितने मानदंड ऊपर बताए गए हैं, मणिपुर की उस अमानवीय घटना पर हो रहा हंगामा कमोबेश उन सब पर खरा उतर रहा है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है जिसमें पुरुषों की भीड़ दो निर्वस्त्र महिलाओं को ले जा रही है। कहा जा रहा है कि दोनों महिलाएं कुकी समुदाय की हैं और उनके साथ हैवानियत करने वाले पुरुष मैतेयी समुदाय से हैं। वीडियो की सच्चाई पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन घटना मई महीने का बताया जा रहा है। फिर सवाल उठता है कि करीब 70-75 दिन के बाद अचानक यह वीडियो ट्विटर पर कैसे तैरने लगा? क्या यह महज संयोग है या सोचा-समझा प्रयोग? सबको पता है कि आज संसद का मॉनसून सत्र शुरू हुआ और ट्विटर पर मणिपुर के इस दर्दनाक वाकये को लेकर ट्रेंडिंग शुरू हुई बुधवार से। यानी संसद सत्र शुरू होने के ठीक एक दिन पहले। तो यह रही टाइमिंग की बात। तो क्या इसे वक्त और मौके की नजाकत देखकर मुद्दा उछालने के एक शानदार उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है? जवाब आप खुद सोचिए। मणिपुर में तो महिलाएं खुद ही कपड़े उतारने की धमकी सैनिकों को देती हैं और उतारती भी हैं। खुद सेना ने ऐसा वीडियो शेयर करते हुए अपनी मजबूरी का इजहार किया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि मणिपुर में खासकर कुकी समुदाय ने महिलाओं को ढाल बनाकर इस्तेमाल किया है। सवाल है एक जगह बिना कपड़े में महिला की इज्जत चली जाती है तो फिर दूसरी जगह महिला खुद से कपड़े उतारकर आखिर किस तरह की इज्जत कमा रही होती हैं? महिला को निर्वस्त्र किया जाना अमानवीय है तो औरत के खुद से नग्न हो जाना घिनौना ही है। चूंकि टूलकिट का एक काम बात का बतंगड़ करना भी है, इसलिए स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी तरह से महिला की इज्जत से खिलवाड़ का बचाव नहीं किया जा सकता या उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। और फिर महिला ही क्यों, किसी भी इंसान की, किसी भी परिस्थिति में इज्जत तार-तार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसलिए मणिपुर में दो महिलाओं के साथ जो हुआ, वह अमानवीय है। लेकिन इस तथ्य से नजर नहीं फेरा जा सकता है कि वहां महिलाओं ने कैसे खुद की इज्जत नहीं की। खैर, यह भी जानते हैं कि कुकी समुदाय है कौन? क्या वह सच में मणिपुर हिंसा का पीड़ित है या फिर मूल उत्पाती? मणिपुर के इतिहास से लेकर सभ्यता-संस्कृति तक, एक-एक चीज मैतेयी समुदाय से जुड़ी है। मैतेयी समुदाय ने ही मणिपुरी इतिहास और संस्कृति को संजोकर रखा है। कुकी के बारे में कहा जाता है कि आबादी में 35% की हिस्सेदारी वाले इस समुदाय का 90% जमीन पर कब्जा है। इसने हिंदू धर्म छोड़कर इसाइयत अपना ली है और अफीम धंधे में लिप्त है। कुकी के संप्रदाय का जिक्र करना इसलिए जरूरी है कि हिंदू बनाम अन्य की स्थिति बनती है तो देश-विदेश का टूलकिट कैसे बिहेव करता है, यह याद दिलाई जा सके। प्रॉपगैंडा के मामले में कुकी को भी इसाई समुदाय के होने का फायदा मिल रहा है। हिंदू मैतेइयों पर उसी मणिपुर में खूब अत्याचार हुए- कुकी समुदाय के लोगों ने मैतेई महिलाओं के रेप किए, बस्तियां जलाईं, बच्चे-बजुर्ग सबको बेरहमी से मारा, लेकिन तब कोई हो-हंगामा नहीं हो रहा था। सोशल मीडिया पर कुकी अत्याचार के सबूत आ रहे थे, लेकिन तब उसे मणिपुर हिंसा के बड़ी चादर के नीचे ढक दिया जा रहा था। टूलकिट की जादुई शक्ति समझिए- महीनों से अत्याचार और हिंसा की एक से बढ़कर एक अमानवीय घटनाओं को अंजाम देनेवाला कुकी समुदाय रातोंरात दुनिया की नजर में पीड़ित बन गया और मार खाने वाला मैतेई की छवि हिंसक और आततायी की हो गई। ये है प्रॉपगैंडा की ताकत, ये है मौका भुनाने का नायाब नमूना। जिस कुकी समुदाय ने मणिपुर के मैतेई समुदाय पर कहर ढाता रहा, वो आज दुनिया की नजर में बेचारा बन गया और असल में भुगतने वाला विलेन। टूलकिट ऐसे ही काम करता है।

नागरिक बोध

सावन में वायु भी गुनगुनाती है शिव संकल्प

सावन शिवार्चन और नीराजन आराधन का मास है। तब मेघ भी उतर आते हैं - शिव आराधक होकर। सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सावन वनस्पतियों के युवा हो जाने का काल है। झमाझम वर्षा का महीना। वायु भी शिव संकल्प सूक्त गुनगुनाते हुए बहती है और रुकती है उमस सहित तो शिव का रूद्राभिषेक करने के लिए। सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां और औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन की मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं। बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। एक बार सावन का अंतिम सोमवार था। मैंने समूची वाराणसी को सोम शिव पाया। बम भोले और हर-हर महादेव की गूंज। लोक आह्लाद का आनंद। पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती मां से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। हमारी अपनी प्रिय बचपने से ही हमारे मन को वात्सल्य रस देने वाली सई नदी हमारे गांव के पास ही शिव सीढ़ी का जलाभिषेक करती है। जलराशि निरंतर घटी है पर भाव राशि का क्या कहना? यहां भवरेश्वर शिव मंदिर में सावन के सोमवार लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। लोकमन हर-हर महादेव हो जाता है। ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त-मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकत्रा। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार। सोचता हूं कि ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं - त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। शिव संकल्प मंत्र दोहराता हूं- 'हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।' मैं राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर बहुत गहरे तक धंसा हुआ है। कह सकता हूं कि मैं भी त्रिशूलधारी हूं। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। पढ़ा सुना काम आता नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था न्यम्बक रूद्र को - हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं। शिव निर्णय लें कि 'उवरिक्मिव मृत्योरमोक्षीय' कब करना है? भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकत्रा। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। लेकिन शिव सब जानते थे। वे प्रतिपल यत्र-तत्र सर्वत्र उपस्थित हैं। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप है। चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद् चन्द्र की पूनो शिव रस सोम की ही वर्षा करती है। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि, 'उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दायां नेत्र है और बायां चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं। सूर्य की अपनी प्रिय राशि सिंह है। चन्द्र की कर्क है। सूर्य इस यात्रा में कर्क से सिंह क्षेत्र में पहुंचते हैं।

देश दुनीया से

जो अंग्रेजी नहीं जानते वे भारत में पिछड़े कहलाते हैं

आज अंग्रेजी उच्च व तकनीकी शिक्षा, रोजी-रोटी और पावर की भाषा बन चुकी है। यानी आप आगे बढ़ना चाहते हैं, सफल होना चाहते हैं तो आपको अंग्रेजी आनी ही चाहिए। अंग्रेजी न जानना अब पिछड़ेपन की निशानी है। अगर अंग्रेजी को ही विकास की कसौटी मान लें तो भारत में इसकी हैसियत से देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले दिनों लोक फाउंडेशन और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी ने एक सैंपल सर्वे के जरिए भारत में अंग्रेजी की डेमोग्रैफी समझने की कोशिश की। यह वाकई रोचक है कि अंग्रेजी को लेकर जो निष्कर्ष सामने आए, वे समाज में इस भाषा को लेकर प्रचलित आम धारणा के अनुरूप ही हैं। इसके अनुसार देश के सिर्फ 6 प्रतिशत लोग अंग्रेजी बोल सकते हैं, जबकि 2011 की जनगणना में 10 प्रतिशत लोगों ने कहा था कि वे अंग्रेजी बोल लेते हैं। अंग्रेजी अभी भी मुख्यतः शहरों की भाषा है। सर्वे में शामिल 12 प्रतिशत शहरी लोग अंग्रेजी बोलने वाले थे जबकि सिर्फ 3 फीसदी ग्रामीण अंग्रेजी बोलने में सक्षम थे। अंग्रेजी का सीधा संबंध वर्ग से है। सर्वे में शामिल 41 पर्सेंट अमीर लोग अंग्रेजी बोल सकते थे जबकि सिर्फ 2 फीसदी गरीबों को अंग्रेजी आती थी। इसका संबंध शिक्षा से भी है। सर्वे में शामिल ग्रेजुएट्स में से एक तिहाई ही इसे बोल सकते थे। इसके जातीय और धार्मिक आयाम भी हैं। 15 फीसदी ईसाई अंग्रेजी बोल सकते हैं जबकि 6 प्रतिशत हिंदू और सिर्फ 4 प्रतिशत मुस्लिम अंग्रेजी बोल लेते हैं। अंग्रेजी बोलने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों की संख्या ऊंची जाति के लोगों की एक तिहाई है। यानी अगर ऊंची जाति के 10 लोग अंग्रेजी बोलते हैं तो एस/एसटी समुदाय के सिर्फ 3 लोग अंग्रेजी बोलते हैं। इसी तरह महिलाओं से ज्यादा पुरुष और अधेड़ों से ज्यादा युवा अंग्रेजी बोलते हैं। दिल्ली और हरियाणा जैसे समृद्ध राज्य में अंग्रेजी बोलने वाले ज्यादा हैं। उसी तरह गोवा और मेघालय जैसे ईसाई राज्यों में। असम इसका अपवाद है जहां कम आय और कम ईसाई जनसंख्या के बावजूद अंग्रेजी बोलने वाले ठीकठाक संख्या में हैं। अब जरा इस सर्वेक्षण और अपने अनुभव का मिलान करें। शहरों में रहने वाले ऊंची जाति के शिक्षित और अमीर लोग हमारी व्यवस्था में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उनके बच्चे उच्च शिक्षा, अच्छी नौकरी या व्यवसाय में तमाम अवसर हासिल कर रहे हैं। उनकी तुलना में गांवों के लोगों को खासकर गरीब, पिछड़े, दलित और आदिवासियों को कम मौके मिल रहे हैं। वे अंग्रेजी शिक्षा से वंचित इसलिए हैं कि यह शिक्षा महंगी है। समाज में समानता लाने का एक तरीका यह हो सकता है कि समाज के कमजोर वर्ग को अंग्रेजी की शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए। यह काम राज्य सरकारें कर सकती हैं।

अगर अंग्रेजी को ही विकास की कसौटी मान लें तो भारत में इसकी हैसियत से देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले दिनों लोक फाउंडेशन और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी ने एक सैंपल सर्वे के जरिए भारत में अंग्रेजी की डेमोग्रैफी समझने की कोशिश की। यह वाकई रोचक है कि अंग्रेजी को लेकर जो निष्कर्ष सामने आए, वे समाज में इस भाषा को लेकर प्रचलित आम धारणा के अनुरूप ही हैं। इसके अनुसार देश के सिर्फ 6 प्रतिशत लोग अंग्रेजी बोल सकते हैं, जबकि 2011 की जनगणना में 10 प्रतिशत लोगों ने कहा था कि वे अंग्रेजी बोल लेते हैं। अंग्रेजी अभी भी मुख्यत: शहरों की भाषा है। सर्वे में शामिल 12 प्रतिशत शहरी लोग अंग्रेजी बोलने वाले थे जबकि सिर्फ 3 फीसदी ग्रामीण अंग्रेजी बोलने में सक्षम थे। अंग्रेजी का सीधा संबंध वर्ग से है। सर्वे में शामिल 41 पर्सेंट अमीर लोग अंग्रेजी बोल सकते थे जबकि सिर्फ 2 फीसदी गरीबों को अंग्रेजी आती थी। इसका संबंध शिक्षा से भी है। सर्वे में शामिल ग्रेजुएट्स में से एक तिहाई ही इसे बोल सकते थे। इसके जातीय और धार्मिक आयाम भी हैं। 15 फीसदी ईसाई अंग्रेजी बोल सकते हैं जबकि 6 प्रतिशत हिंदू और सिर्फ 4 प्रतिशत मुस्लिम अंग्रेजी बोल लेते हैं। अंग्रेजी बोलने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों की संख्या ऊंची जाति के लोगों की एक तिहाई है।

न्यायिक सुधार बिल के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच पीएम नेतन्याहू का पेसमेकर प्रतिरोपण सफल, डिस्चार्ज किए गए

यरूशलेम।

इस्राइल में न्यायिक सुधार विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। न्यायिक सुधार बिल पर पहले से ही बवाल मचा हुआ है। बिल के लिए अगले सप्ताह की शुरुआत में अंतिम मतदान किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने नेसेट के पास एक टेंट सिटी स्थापित की है। इस बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को रविवार तड़के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि उनकी धड़कनें असंतुलित थीं। इसके बाद रविवार को उन्हें पेसमेकर लगाने की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हुई। नेतन्याहू का पेसमेकर प्रतिरोपण ऑपरेशन रविवार तड़के रामत गन स्थित शेबा मेडिकल सेंटर में हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि नेतन्याहू के ऑपरेशन के दौरान उपप्रधानमंत्री एवं विधि मंत्री यारिव लेविन ने प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली।

पिछले हफ्ते नेतन्याहू (73) को गलील सागर की यात्रा के दौरान भीषण गर्मी में कई घंटे तक धूप में रहने के चलते चक्कर आने की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उनकी हृदयगति पर एक उपकरण की मदद से नजर रखी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा और नेतन्याहू अच्छा महसूस कर रहे हैं तथा उन्हें रविवार को ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाने की उम्मीद है। पेसमेकर हृदयगति को नियमित करने में मदद करता है।

न्यायिक सुधार विधेयक को लेकर घिरे हैं नेतन्याहू

प्रदर्शनकारियों ने न्यायिक बदलाव के खिलाफ रैली निकालते हुए तेलअवीव और यरूशलेम में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने चार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। इस्राइली मीडिया के अनुसार, नेतन्याहू सरकार देश के न्यायिक व्यवस्था में सुधार के लिए एक प्रस्ताव लाई है, जिसके बाद शनिवार को प्रदर्शन किया गया। बिल लागू होने के बाद सरकार को न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार मिल सकेगा। विधेयक को कानून बनने में अतिरिक्त दो वोटों के पारित होने की आवश्यकता है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बिल के कारण देश दो घड़ो में बंट गया है। बिल ने इजराइल के इतिहास में सबसे बड़े विरोध आंदोलनों में से एक को जन्म दिया है। नेतन्याहू सरकार के खिलाफ लोगों का आरोप है कि सरकार की योजना देश की जांच व्यवस्था पर हमला है। उनका मानना है कि सरकार के इस कदम से लोकतंत्र खतरे में आ जाएगा। यहूदी महिलाओं की राष्ट्रीय परिषद प्रमुख शीला काट्ज ने कुछ समय पहले कहा था कि यह न्यायिक सुधार के बारे में नहीं है, यह लोकतंत्र के बारे में है। कोर्ट पवित्र होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

गुस्सा तो आएगा, इसे पॉजिटिव बनाएं: एक्सपर्ट बोले- 90 सेकेंड का ब्रेक लें, स्थिति बदल जाएगी; बात करने से फायदा

वॉशिंगटन। कभी न कभी हम सभी को गुस्सा आता है। ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में कम्युनिकेशन के प्रोफेसर ब्रैड बुशमैन कहते हैं, जिन्हें भी गुस्सा आता है, वे इससे छुटकारा चाहते हैं। शोध बताते हैं- गुस्से के 2 घंटे बाद हार्ट अटैक का खतरा 5 गुना तक बढ़ जाता है। लोग ये नहीं जानते कि इससे स्वस्थ तरीके से कैसे निपटें, इसे सकारात्मक शक्ति में कैसे बदलें। अमेरिका में महिलाओं को वोटिंग का हक और ब्लैक लाइव मैटर्स जैसे अभियान ऐसे ही गुस्से की उपज हैं। गुस्से को काबू करके मुश्किलें खत्म कर सकते हैं। एंगर एक्सपर्ट टोनी फियोरे कहते हैं- गुस्से में अगर आप किसी को जाने से रोकते हैं तो ज्यादा क्रोध आ सकता है। ऐसे में खुद ही कुछ समय के लिए दूर होना चाहिए। वापस आने तक चीजें बदल जाती हैं। प्रतिक्रिया शांति से देनी चाहिए। एंगर मैनेजमेंट विशेषज्ञ लॉरा मॉस ने कहा, क्रोध की स्थिति में पीछे हटना मुश्किल होता है। इसलिए 30-30-30 का नियम फॉलो करें। क्रोध से उबरने के लिए 30 सेकेंड का वक्त लें और उस जगह से हट जाएं। 30 सेकेंड तक पुराना एल्बम देखना, शॉपिंग की सूची बनाने जैसे काम करें, इससे ध्यान बंट जाएगा। आखिरी के 30 सेकेंड में अपनी बात के लिए मजबूत तर्क जुटाएं। हफ्तेभर गुस्से की स्थिति पर नजर रखें। यानी गुस्सा कब और क्यों आया, किस चीज से परेशान हुए।

पाकिस्तान की कोर्ट में बंदर को सबूत बनाकर लाएः पेड़ पर चढ़ा तो मचा हड़कंप; आम की टोकरी में हो रही थी बंदरों की तस्करी

कराची। पाकिस्तान के कराची में 2 लोगों को बंदरों के 14 बच्चों की तस्करी करते गिरफ्तार किया गया। जब उनकी कोर्ट में पेशी हुई तो सबूत के तौर पर पेश किया गया एक बंदर वहां से भाग गया। इससे कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। बंदर इसके बाद पेड़ पर चढ़ गया और अदालत का स्टाफ काफी देर तक उसे वहां से उतारने की कोशिश करता रहा। सिंध के वाइल्ड-लाइफ डिपार्टमेंट के चीफ जावेद माहर ने बताया कि बंदरों को बहुत बुरी हालत में उन टोकरियों में रखकर ले जाया जा रहा था, जिसमें आमतौर पर आम भेजे जाते हैं। इन क्रेट्स को डिब्बों में बंद कर रखा था। कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाते हुए सभी तस्करों पर 1 लाख पाकिस्तानी रुपए का फाइन लगाया है। इसके अलावा सभी बंदरों को कराची के जू भेजने का आदेश दिया गया है। पाकिस्तान के वाइल्ड-लाइफ डिपार्टमेंट ने कोर्ट के इस फैसले पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि देश में जू की हालत बहुत खराब है। वहां के अधिकारी एनिमल वेलफेयर को पूरी तरह से नजरंदाज करते हैं। डिपार्टमेंट ने कोर्ट से बंदरों को उनके नैचुरल हैबिटैट में भेजा जाना ज्यादा सही होगा, जहां से उन्हें पकड़ा गया था।

बांग्लादेश में बस तालाब में गिरी, 17 की मौतः मरने वालों में तीन बच्चे, 8 महिलाएं; 35 घायल

ढाका। बांग्लादेश के झालाकाथी सदर उपजिला के छत्रकंडा इलाके में शनिवार को एक बस तालाब में जा गिरी। इस हादसे में करीब 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 लोग घायल हुए हैं। हादसे में मरने वालों में तीन बच्चे और 8 महिलाएं हैं। बारिशाल डिवीजन कमिश्नर एमडी शौकत अली ने इसकी जानकारी दी है। घायल हुए लोगों ने हादसे के लिए ड्राइवर की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि बस में क्षमता से ज्यादा लोग सवार थे, जिसकी वजह से दुर्घटना हुई। रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बशर स्मृति परिवहन की एक बस शनिवार सुबह 9 बजे पिरोजपुर के भंडरिया से बरिशाल के लिए निकली थी। बस में 52 पैसेंजर की क्षमता थी, लेकिन ड्राइवर ने 60 लोगों को बस में बैठा लिया। करीब 10 बजे बस बरिशाल-खुलना हाईवे पर छत्रकांडा में सड़क किनारे एक तालाब में गिर गई। मोहम्मद मोमिन ने बताया कि मैं भी उस बस में सवार था। बस में पैसेंजर गलियारे में खड़े थे। बस चलाने के दौरान ड्राइवर, सुपरवाइजर से बात कर रहा था। तभी बस सड़क से उतर गई और तालाब में घुस गई। पैसेंजर्स बस के अंदर फंस गए थे, क्षमता से ज्यादा लोग होने की वजह से बस तुरंत ही तालाब में डूब गई। मैं किसी तरह बस से बाहर निकलने में कामयाब रहा। पुलिस का कहना है कि हादसे में घायल या जान गंवाने वाले में से ज्यादातर पिरोजपुर के भंडरिया उपजिला और झलकाठी के राजापुर इलाके के निवासी हैं।

यूक्रेन को मिले अमेरिकी हथियार ब्लैक मार्केट में बिके

पेंटागन अब सॉफ्टवेयर से इन्हें ट्रैक करेगा, यूक्रेन के वेपन डिपो की भी जांच होगी

वॉशिंगटन/कीव।

रूस के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए यूक्रेन को कई देशों की तरफ से आर्थिक सहायता और हथियार मिल रहे हैं, लेकिन हाल में हुए एक खुलासे ने दुनियाभर को चौंका दिया है। एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि युद्ध की शुरुआत में अमेरिका की तरफ से भेजे गए कई हथियार अपराधियों और तस्करों ने चुरा लिए, जिसे ब्लैक मार्केट में बेचा जा रहा है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन के महानिरीक्षक ने भी अपनी अंडर जांच में कहा है कि फरवरी से सितंबर 2022 के बीच भेजे गए कुछ हथियार यूक्रेनी सेना तक नहीं पहुंचे। हथियारों के गायब होने की खबर सामने आने के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में हड़कंप मच गया।

पेंटागन में डिफेंस पॉलिसी के पूर्व सेक्रेटरी ने कहा है कि अमेरिकी सरकार ने फैसला किया कि हम खुद यूक्रेन में मोर्चे पर हथियारों के डिपो के ऑनसाइट इंस्पेक्शन का जिम्मा संभालेंगे। साथ ही पेंटागन ने यूक्रेनी सेना को भी हथियारों की ट्रैकिंग के लिए सिस्टम मुहैया कराया है, जिसमें स्कैनर और सॉफ्टवेयर शामिल है।

रिपब्लिकन-रूस दोनों के निशाने पर बाइडेन

रिपब्लिकन सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पर हमला तेज कर दिया है। उनका कहना है कि यूक्रेन गैर-जिम्मेदार है। फ्लोरिडा के गवर्नर और रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार रोन डिसेंटिस ने भी यूक्रेन को गैर जवाबदार कहा है। उनका कहना है कि बाइडेन ने यूक्रेन को 2022 में 1.88 लाख करोड़ रुपए की मदद दी थी।

अमेरिका में रूस के राजदूत एंटोली एंटोनोव ने कहा है कि अमेरिकी हथियार ब्लैक मार्केट में पहुंच रहे हैं, जो दुनियाभर के लिए खतरा है। अब तक अमेरिका ने यूक्रेन को स्टिंगर और जेवलिन मिसाइलें, होवित्जर्स, 10 हजार से ज्यादा ग्रेनेड लॉन्चर, सी-4 विस्फोटक और 5.9 करोड़ बुलेट दिए हैं। नेशनल एडवांस सर्फेस टू एयर मिसाइल सिस्टम, फीनिक्स घोस्ट ड्रोन और हिमार्स रॉकेट सिस्टम भी दिया है।

सख्ती के बावजूद हथियारों की चोरी और यूरोपीय बाजार में बिक्री

जून 2022 में संगठित अपराधों से जुड़ा रूसी सेना का एक ऑफिसर जाली दस्तावेजों के आधार पर यूक्रेनी सेना में शामिल हो गया था। वह वॉलेंटियर फाइटर के रूप में युद्ध मोर्चे पर पहुंचा और मौका देखकर वहां से कई हथियार चुरा लिए। इसमें ग्रेनेड लॉन्चर, मशीनगन और एक हजार हथगोले शामिल थे।

जून 2022 में यूक्रेनी इंटेलिजेंस ने दक्षिणी यूक्रेन में फ्रंटलाइन पर लड़ रहे हथियारों के एक तस्कर को पकड़ा था, जो वहां से हथियारों को चुराकर बेचने के फिराक में था। यूक्रेन के अपराधी राहतकर्मियों के रूप में सेना में शामिल हो गए और करीब 14 लाख रुपए की बुलेट प्रूफ जैकेटों की चोरी कर ली। अगस्त 2022 में भी यूक्रेन की इंटेलिजेंस एजेंसी ने वॉलेंटियर बटालियन में से एक समूह की धरपकड़ की थी, जिन्होंने मिलकर 60 से ज्यादा राइफलें और 1000 से ज्यादा राउंड को गुप्त जगह पर छुपाकर रखा था, ताकि उसे ब्लैक मार्केट में बेचा जा सके। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से फिनलैंड और पोलैंड सहित यूरोप में हथियारों के ब्लैक मार्केट में अमेरिकी हथियारों की बाढ़ आ गई है।

पाकिस्तान के अंतरिम प्रधानमंत्री बन सकते हैं इशाक डार

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी मुस्लिम लीग- नवाज अपने वित्त मंत्री इशाक डार को देश का अंतरिम प्रधानमंत्री बनाने पर विचार कर रही है। पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से यह खबर सामने आ रही है। बता दें कि पाकिस्तान में जल्द ही आम चुनाव होने वाले हैं। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार चुनाव कानून 2017 में बदलाव की तैयारी कर रही है, इसी के चलते इशाक डार का नाम अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए चर्चा में आया है।

चुनाव कानून में बदलाव कर रही पाकिस्तान सरकार

पाकिस्तान की आईएमएफ के साथ बातचीत चल रही है, वहीं पड़ोसी देश में आम चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पाकिस्तानी सरकार नहीं चाहती कि आईएमएफ की देश में विदेशी निवेश को लाने की योजनाओं में कोई बाधा आए, इसलिए चुनाव एक्ट में बदलाव कर अंतरिम सरकार को इतने अधिकार दिए जा रहे हैं कि जरूरी आर्थिक नीतियां और गतिविधियां चलती रहें। यही वजह है कि वित्त मंत्री इशाक डार को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाने की तैयारी चल रही है। हालांकि अभी इसके लिए सरकार में सहयोगी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी की रजामंदी की जरूरत होगी।

क्यों चुनाव कानून में बदलाव की पड़ी जरूरत

बता दें कि पाकिस्तान की सरकार चुनाव कानून 2017 में संशोधन करके अंतरिम सरकार को कई अधिकार देने की तैयारी कर रही है। इस संशोधन विधेयक को अगले हफ्ते ही असंबेली में पेश किया जाएगा। इस कानून के पास होने के बाद अंतरिम सरकार देश की अर्थव्यवस्था का वापस पटरी पर लाने वाले फैसले ले सकेगी। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां आर्थिक नीतियों को चुनाव के चलते तीन महीने के लिए रोका नहीं जा सकता।

हफीज शेख के नाम की भी चर्चा

पाकिस्तान में अंतरिम सरकार सिर्फ रोजमर्रा के कामकाज से संबंधित फैसले ले सकती है लेकिन चुनाव कानून में बदलाव के बाद अंतरिम सरकार को भी कुछ शक्तियां दी जा रही हैं। हालांकि चुनाव के बाद अंतरिम सरकार के फैसले चुनी गई सरकार के द्वारा बदले जा सकते हैं। आर्थिक मामलों के जानकार होने और शरीफ परिवार के करीबी होने के नाते इशाक डार का नाम अंतरिम पीएम पद के लिए सबसे आगे हैं।

लोगों को निकनेम से बुलाया जाना पसंदः ये अपनेपन का अहसास कराता है, अमीर-गरीब के बीच की दूरी मिटाता है

मेलबर्न।

अमेरिका में यह कल्पना करना कठिन है कि राष्ट्रपति बाइडेन को लोग बाइडो कह रहे हों। यह कल्पना तो और भी कठिन है कि वे खुद अपने लिए बाइडो निक नेम चुन लें। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में मौजूदा प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन को न केवल स्कोमो और एल्बो के निकनेम से बुलाया जाता है, बल्कि वे खुद भी अपने निकनेम को बढ़ाते हैं। यह केवल राजनेताओं में ही नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलियाई समाज में भी इसी तरह का चलन है।

कैनबरा में ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के भाषाविद इवान किड का कहना है कि निकनेम अनौपचारिकता और करीबी का अहसास कराते हैं। इनसे लोगों के बीच अपनापन महसूस होता है। उनका कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई समाज में वर्ग भेद करने का रुझान नहीं है। जैसा कि कई अन्य संस्कृतियों में होता है। इसलिए नाम के आगे संबोधन का उपयोग कम किया जाता है।

निकनेम को नेता और ज्यादा पसंद करते हैं

किड कहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के लोगों को प्रधानमंत्री मॉरिसन सुनना औपचारिक और अटपटा महसूस होगा। वहीं श्रीमान या श्रीमती या डॉक्टर एक तरह की सामाजिक दूरी पैदा कर देते

हैं। यह निकनेम से बुलाने से वास्तव में बहुत अलग होता है।

निकनेम को नेता और ज्यादा पसंद करते हैं क्योंकि इससे ऐसा लगता है कि वे दोस्ताना हैं और उन तक पहुंच आसान है। पीएम एल्बनीज के साथ राजनीतिक करियर के शुरू से एल्बो निकनेम रहा है। जबकि पूर्व पीएम मॉरिसन ने अपने लिए स्कोमो निकनेम चुना।

लोगों को एक समान स्तर पर लाता है

जॉन कर्टिन रिसर्च सेंटर के राजनीतिक टिप्पणीकार निक डायरेनफर्थ का कहना है कि मॉरिसन को अपने करियर की शुरुआत में स्कोमो जैसे निकनेम से काफी मदद मिली। यह उनके लिए उपयोगी असेट साबित हुआ है। डायरेनफर्थ का कहना है कि निकनेम ऑस्ट्रेलिया के लोगों को एक समान स्तर पर ला देते हैं।

ग्रीस के जंगलों में आग, 30 हजार लोगों को निकालाः सेना और कोस्ट-गार्ड तैनात; 50 साल में सबसे गर्म जुलाई का महीना, तापमान 40 पार

ग्रीस।

ग्रीस 50 सालों में सबसे गर्म जुलाई के महीने से गुजर रहा है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है। इस बीच वहां रोड्स आईलैंड में जंगलों में लगी आग से हालात और खराब हो गए हैं। 30 हजार से ज्यादा लोगों को उनके घर से निकालकर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया है।

लोगों की मदद करने और जंगल में लगी आग बुझाने के लिए सरकार सेना और कोस्ट गार्ड की मदद ले रही है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की जान नहीं गई है, लेकिन हालात काफी गंभीर हैं। कई इलाकों में आपातकाल लगाया गया है।

35 वर्ग किलोमीटर जंगल खाक

अलजजीरा के मुताबिक ग्रीस में 79 जगहों पर आग लगी है। इसे बुझाने के लिए 5 हेलिकॉप्टर और 173 फायर फाइटर्स को काम पर लगाया गया है।आग इतनी भीषण है कि उसमें अभी तक 35 वर्ग किलोमीटर का जंगल जलकर राख हो चुका है। पूरे देश को अगले हफ्ते तक हाई अलर्ट पर रखा गया है। हीट स्ट्रोक के चलते 38 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। समुद्र के तापमान 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रोड्स आईलैंड काफी हराभरा जंगल है इसके चलते यहां दुनियाभर से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। एक पर्यटक ने बताया कि वो छुट्टियों में घूमने के लिए ग्रीस आई थी, लेकिन अब उसे अपना महंगा होटल छोड़ स्कूल में रहना पड़ रहा है।

जंगल में आग लगती कैसे है

जंगल की आग को बाढ़ के बाद सबसे बड़ी आपदा माना जाता है। जंगल की आग से हर साल 4 मिलियन स्कवायर किलोमीटर का इलाका जल जाता है। आग जलने के लिए हीट, ईंधन और ऑक्सीजन जरूरी होते हैं। जंगल में ऑक्सीजन हवा में ही मौजूद होती है। पेड़ों की सूखी टहनियां और पत्ते ईंधन का काम करते हैं। वहीं एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम कर सकती है।

ज्यादातर आग गर्मी के मौसम में लगती है। इस मौसम में एक हल्की चिंगारी ही पूरे जंगल को आग की चपेट में लेने के लिए काफी होती है। ये चिंगारी पेड़ों की टहनियों के आपस में रगड़ खाने से या सूरज की तेज किरणें भी कई बार भड़क जाती हैं।

गर्मी में पेड़ों की टहनियां और शाखाएं सूख जाती हैं, जो आसानी से आग पकड़ लेती हैं। एक बार आग लगने पर इसे हवा बढ़ावा देती है। इसके अलावा प्राकृतिक रूप से बिजली गिरने, ज्वालामुखी और कोयले के जलने की वजह से भी जंगल में आग लग सकती है। फिलहाल तापमान में बढ़ोतरी को कनाडा में लगी आग की मुख्य वजह बताया जा रहा है।

इमरान की वजह से पाकिस्तान का मजाक बन रहा

बाइडेन के एडवाइजर बोले- जहां से मदद मिलती है, वहीं रिश्ते बिगाड़ लेता है देश

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में जारी इमरान ड्रामे की वजह से दुनियाभर में उसका मजाक बन रहा है। ये कहना है अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन के एडवाइजर शाहिद अहमद खान का। शाहिद ने कहा- अमेरिका का पाकिस्तान की राजनीति से कोई लेनादेना नहीं है। पाकिस्तान यूएस के लिए एक महत्वपूर्ण देश है और चीन के साथ उसके संबंधों को देखते हुए उसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। इमरान खान के साइफर केस पर बात करते हुए शाहिद ने कहा- अगर अमेरिकी सीनेटर का लेटर जरूरी होता तो आईएमएफ उन्हें लोन नहीं देता। पाकिस्तान हर उस देश और इंस्टीट्यूशन से अपने रिश्ते बिगाड़ लेता है, जहां से उसके हित जुड़े होते हैं। आईएमएफ भी देश की सरकार से खुश नहीं था। वो इस बात से भी नाराज था कि पिछली सरकार के साथ जो डील हुई थी उसे लागू नहीं किया गया।

रक्षा मंत्री बोले- इमरान पर हो सकता है देशद्रोह का मामला

शाहिद ने आगे बताया कि अमेरिकी डिप्लोमैट्स पाकिस्तान की सरकार से बात तक नहीं करते हैं और न ही अमेरिका में रह रहे पाकिस्तानी लोग वहां की राजनीति में दिलचस्पी लेते हैं। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा था कि साइफर केस में इमरान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाया जा सकता है। इसके बाद उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लग सकती है।

क्या है इमरान का साइफर केस

दरअसल, पिछले साल अप्रैल में सरकार गिरने से बचाने की कोशिशों के बीच इमरान ने अपनी रैली में एक लेटर दिखाया था। इमरान ने दावा किया था कि लेटर (डिप्लोमैटिक टर्म में सायफर) अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट यानी फॉरेन मिनिस्ट्री की तरफ से पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को भेजा गया।

इसके मुताबिक, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन उनको पीएम की कुर्सी पर नहीं देखना चाहती थी और अमेरिका के इशारे पर ही उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट रिजवान रजी के मुताबिक, कुछ महीनों पहले तक अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत थे असद मजीद। वो इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के मेंबर थे।

खान ने मजीद से अमेरिकियों के बीच पाकिस्तान को लेकर क्या सोच है, इस बारे में जानकारी मांगी थी। जवाब में मजीद ने एक इंटरनल मेमो लिखा। इसमें बताया कि व्हाइट हाउस को लगता है कि इमरान सरकार के रहते पाकिस्तान से रिश्ते बेहतर नहीं हो सकते। मजीद ने ये बात एक अमेरिकी सीनेटर के हवाले से बताई।

पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी वकील और पॉलिटिकल एनालिस्ट साजिद तराड़ के मुताबिक- यह ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं था। यह एक ऐंबैस्डर का अपने विदेश मंत्रालय को लिखा इंटरनल मेमो है, जिसकी कोई कानूनी या डिप्लोमैटिक हैसियत नहीं।

राजनीतिक रैली में साइफर का इस्तेमाल नेशनल सिक्योरिटी को खतरा

राजनीतिक रैली में डिप्लोमैटिक नोट दिखाने के चलते इमरान खान अब फंस गए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को भेजा गया राजदूत का नोट नेशनल सिक्योरिटी का मुद्दा माना जाता है, जिसे इमरान खान ने लीक कर दिया। ऐसे में अब उन पर देशद्रोह का केस चलने की आशंका है।

राजस्थानी लोक कलाकार पन्या सैपट लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव साल के अंत में होने हैं। चुनाव लड़ने के दावेदार राजनीतिक गोटियां बिठाने में लगे है। इस बार जयपुर जिले के जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र से जयपुर के जाने-माने हास्य व राजस्थानी लोक कलाकार पन्या सैपट ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सबको परखा बार-बार पन्या सैपट अबकी बार- मैं राष्ट्र भक्त। पन्या सैपट ने बताया कि वह जमवारामगढ़ का विकास करवाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए वह इस बार राजस्थान विधान सभा चुनाव मैदान में उतरेंगे। उनमें प्रमुख कार्यो में सबसे पहले बाण गंगा नदी (ताला नदी) के दोनों ओर वृक्षारोपण,एक्सप्रेस हाइवे बनवाना, जमवारामगढ़ बांध में पानी भराव की व्यवस्था की जाएगी।

महिला सुरक्षा, अत्याचार की हकीकत बताने वाले मंत्री को हटाना महिला विरोधी मानसिकता : अरूण

सीकर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह रविवार को सीकर पहुंचे। यहां उन्होंने जिला पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार झूठे वादे, किसानों, बेरोजगारों, युवाओं से धोखा, भ्रष्टाचार, जंगलराज, महिला विरोधी व दलित विरोधी सरकार है। प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, युवा परेशान हैं, किसान कर्ज में डूबा हुआ है, किसान की जमीन नीलाम हो रही है,लेकिन प्रदेश के मुखिया को इसकी कोई चिंता नहीं है। मुख्यमंत्री फोटोशूट करवा रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा सीकर से हैं। जिनके कार्यकाल में उनके परिवार वालों को काफी लाभ पहुंचा और उनके रिश्तेदार अधिकारी बनते गए। पेपर लीक और इंटरव्यू मे सेंटिंग कांग्रेस का काम रहा है। सिंह ने कहा कि प्रदेश में बाजरे की खरीद नही हुई है जिससे किसानों को नुकसान हो गया। महिला उत्पीड़न चरम पर है। थानागाजी, करौली, जोधपुर, उदयपुर की रेप की घटनाएं शर्मसार कर रही है। सदन में महिलाओं के रेप मामले में राजस्थान को मर्दो का प्रदेश बताने वाले मंत्री का इस्तीफा लेते तो आज प्रदेश में अपराधों में सुधार होता। महिला सुरक्षा, अत्याचार की हकीकत बताने वाले वफादार मंत्री को हटाना गहलोत की महिला विरोधी मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था ध्वस्त है, महिलाओं व युवाओ के मन में आक्रोश है। मुख्यमंत्री असंवेदनशील है इसलिए उन्हें तो इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रदेश में गुंडों व माफियाओं का राज है और गहलोत ने विकास को ठप्प कर दिया है। चारों ओर लूट ही लूट मची है। हम विकास के आधार पर सरकार बनाएंगे।

विशाल कावड़ यात्रा एवं कलश यात्रा का हुआ शुभारंभ

जयपुर (हिंस)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव शंकर सेवा समिति द्वारा 11वीं विशाल कावड़ यात्रा एवं कलश यात्रा का आयोजन अलवर से शिव मंदिर बैडाखो धाम कालेडी के लिए पूजन कर रवाना की गई। कार्यक्रम संयोजक लोकेश शर्मा ने बताया कि 20 जुलाई को अलवर से रवाना होकर 23 जुलाई को शिव मंदिर बैडाखो धाम कालेडी पहुंची है। जिसमें सैकड़ों की संख्या में शिव भक्तो ने भाग लिया और बाबा के जयकारे लगाए। । सर्व ब्राह्मण महासभा की प्रदेश मंत्री ज्योति शर्मा कालेड़ी ने बताया की यह कावड़ यात्रा एवं कलश यात्रा तहसील की सबसे बड़ी यात्रा है जिसमें 111 कलश एवं 100 कावड़ यात्री भाग लेते है साथ ही सर्व समाज के लोग भाग लेते है। पंचायती

पंजाब विस के स्पीकर ने मणिपुर की घटना पर केंद्रीय गृहमंत्री को लिखा पत्र

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर कहा है कि मणिपुर में महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले घृणित काम के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को सख्त कानूनी प्रावधानों के तहत सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने उत्तर-पूर्वी राज्य में चल रही हिंसा से प्रभावित सभी लोगों को इन्साफ दिलाने के लिए उच्च स्तरीय जांच के हुक्म देने के लिए कहा है। अमित शाह को लिखे अपने पत्र में पंजाब विधान सभा के स्पीकर ने लगातार डर और अराजकता के मौजूदा माहौल पर निराशा प्रकट करते हुए मणिपुर के मुख्यमंत्री को हटाने की मांग की है, जिससे लाखों नागरिकों की जानें खतरे में पड़ रही हैं। संधवां ने लिखा कि इस घटना के लिए मुख्यमंत्री को गंभीरता से जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि वह सम्मान की हकदार महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के इस घृणित काम को रोकने में असफल रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि मणिपुर सरकार को बर्खास्त करके मुख्यमंत्री के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

मणिपुर में हुई घटना के विरोध में महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। मणिपुर में हुई घटना के विरोध में यहां महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुशीला शर्मा की अगुवाई में महिलाओं ने रविवार को रोष प्रदर्शन किया। महिलाओं ने प्रदर्शन कर मणिपुर के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता कर रही जिलाध्यक्ष सुशीला शर्मा ने कहा कि पिछले ढाई महीनों से मणिपुर दंगों की आग में जल रहा है, लेकिन कोई भी सुध लेने वाला नहीं है। छोटी छोटी बातों पर बयान देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बयान तक जारी नहीं किया। अब जबकि हालात बदतर हो गए हैं तो झूठा गुस्सा बयां कर रहे है। महिला कांग्रेस ने मांग की है कि मुख्यमत्री तुरंत इस्तीफा दें। हम राष्ट्रपति से ये मांग भी करते हैं कि मणिपुर में सरकार को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लागू कर देना चाहिए। सुशीला शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार की कार्यप्रणाली से उनका महिला विरोधी चेहरा सबके सामने आ गया है। बीजेपी सरकार के मंत्री संदीप सिंह, कुलदीप सेंगर, बृजभूषण शर्मा और स्वामी नित्यानन्द जैसे बीजेपी के नेता महिला शोषण के आरोपो से घिरे हैं। महिला जिलाध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी सरकार में महिला सुरक्षा हाशिए पर है। मोदी सरकार पूरे देश में फूट डालो और राज करो की नीति पर काम कर रही है। हरियाणा में पहले जाट नान जाटों को लड़वाया और अब राजपूत को गुर्जर से लड़वाने की कोशिश है।

कैथल में हुए लाठीचार्ज के विरोध में राजपूत समाज ने भिवानी में लिए कड़े फैसले

भिवानी (हिंस)। कैथल में राजपूत समाज की भावनाओं पर प्रहार करने के बाद उन पर ही लाठीचार्ज किए जाने के बाद भिवानी में राजपूत समाज के लोगों का रोष थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजपूत समाज के लोगों ने सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि राजपूत समाज के लोगों पर कैथल के ढांड चौक पर स्थापित की गई सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण हुआ है, उससे गुर्जर शब्द को हटवाया जाए। सरकार के खिलाफ संघर्ष की आगामी रूपरेखा तैयार करने के लिए रविवार को स्थानीय मानान पाना स्थित राजपूत धर्मशाला में राजपूत समाज के प्रतिनिधियों की एक आपातकाल बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए इस घटना की घोर निंदा की। बैठक को संबोधित करते हुए पवन ठाकुर ने कहा कि कैथल में जिस प्रकार से राजपूत समाज की भावनाओं पर प्रहार करने का काम किया है, उससे भाजपा की राजपूत समाज विरोधी मंशा साफ झलकती है। उन्होंने

कहा कि भाजपा को सत्ता की कुर्सी पर बैठाने में राजपूत समाज के लोगों ने अपनी अहम भागीदारी निभाई थी, यहां तक कि भाजपा के पक्ष में लोगों से समर्थन भी मांगा था, लेकिन आज भाजपा उसी राजपूत समाज के अहम पर चोट मारने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सम्राट मिहिर भोज राजपूत राजा थे, लेकिन उनकी प्रतिमा पर गुर्जर सम्राट मिहिर भोज लिखवाना ना केवल गलत, बल्कि राजपूत समाज को भड़काने की भी एक साजिश है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर सुनील प्रधान, ठाकुर रणधीर सिंह व पार्षद राजकुमार ने कहा कि राजपूत समाज के लोग सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर लिखवाए गए नाम की त्रुटि को ठीक करने, कैथल में लाठीचार्ज के आदेश देने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की जाए। मांग की गई कि लाठीचार्ज का आदेश देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई व इस समारोह में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर व कैथल के भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुर्जर का इस्तीफा लिया जाए। बैठक के दौरान राजपूत समाज जनकल्याण मंच की स्थापना भी की गई, जिससे युवाओं को जोड़कर समाज हित में कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा अक्तूबर माह में आने वाली सम्राट मिहिर भोज जयंती एवं फरवरी माह में आने वाली भिवानी के संस्थापक महाराजा नीमपाल सिंह की जयंती को प्रसाद वितरित कर हर वर्ष धूमधाम से मनाए जाने का भी फैसला लिया।

बाइक खाई में गिरने से तीन युवकों की मौत

झालावाड़ (हिंस)। जिले के बकानी क्षेत्र के रहने वाले तीन युवकों की बाइक खाई में गिरने से मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई हुई। पुलिस के अनुसार राजस्थान और मध्य प्रदेश के सीमा पर बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। बाइक के खाई में गिरने से तीन युवकों की एमपी में ही मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलने पर मध्य प्रदेश की माचलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शव को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शवों का पोस्टमॉर्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। एक ही गांव के तीन युवकों की मौत के बाद गांव में मातम पसर गया। मरने वाले सभी युवक झालावाड़ जिले के रहने वाले थे। बकानी क्षेत्र के भानपुरिया गांव निवासी प्रकाश पुत्र मांगीलाल लोधा, कमलेश पुत्र धन्नालाल लोधा और कालूलाल पुत्र भूरालाल लोधा शनिवार देर शाम को अपने गांव से मध्यप्रदेश की तरफ जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में सुंदरपुरा और पिपलिया गांव के बीच बाइक का बैलेंस बिगड़ गया। इनकी अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर माचलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को खाई से बाहर अस्पताल पहुंचाया। हादसे की सूचना मिलने पर गांव में मातम पसर गया। प्रकाश पुत्र मांगीलाल और कमलेश पुत्र धन्नालाल बकानी में स्थित एक साड़ी की दुकान पर काम करते थे। जबकि तीसरा मृतक कालूलाल पुत्र भूरालाल मजदूरी के कार्य से जुड़ा हुआ था और पूर्व मेंबर है। तीनों रिश्तेदारी में एमपी के पिपलिया कुलमी जा रहे थे।

एसजीपीसी ने शुरू किया सचखंड श्री दरबार साहिब यू-ट्यूब चैनल

चंडीगढ़(हिंस)। पिछले कई माह की उठापटक के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने रविवार को अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद अपना यू-टयूब चैनल लांच कर दिया। इस चैनल के माध्यम से ही अब देश-विदेश में गुरबाणी का प्रसारण होगा। एसजीपीसी ने यह भी साफ किया है कि पहले से जिस चैनल के माध्यम से गुरबाणी का प्रसारण किया जा रहा है, वह भी बंद नहीं होगा। दरबार साहिब से प्रसारित होने वाली गुरबाणी को लेकर कई माह से पंजाब में विवाद छिड़ा हुआ है। लंबे समय से गुरबाणी का प्रसारण केवल एक टीवी चैनल के माध्यम से किया जा रहा है। यह चैनल अकाली नेता सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाली कंपनी

का है। पंजाब सरकार ने गुरबाणी प्रसारण के अधिकारी सभी चैनलों को मुफ्त देने की वकालत की है। इसके लिए पंजाब विधानसभा में गुरुद्वारा एक्ट में बकायदा संशोधन भी किया गया है। यह विधेयक अभी राज्यपाल के पास के विचाराधीन है। इस बीच रविवार को एसजीपीसी ने अपना यू-टयूब चैनल लांच कर दिया। यू-ट्यूब चैनल शुरू करते हुए एडवोकेट धामी ने बताया कि इस चैनल का नाम सचखंड श्री दरबार साहिब रखा गया है। इस चैनल के शुरू होने के बाद अब संगत विश्व में कहीं भी गुरबाणी को सुन सकती है और श्री हरिमंदिर साहिब के दर्शन कर सकती है। उन्होंने निजी चैनल को अगले आदेशों तक गुरबाणी का प्रसारण करने के मामले में भी अपना रुख साफ किया है। एडवोकेट धामी ने कहा कि सोशल मीडिया पर गलत जानकारियां फैलाई जा रही हैं।

जींद:रणदीप सुरजेवाला के कार्यक्रम में हंगामा, माइक छीनने का प्रयास

जींद (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस की गुटबाजी आज उस समय चरम पर पहुंच गई जब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य रघुबीर भारद्वाज द्वारा रविवार को आयोजित हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में एक कार्यकर्ता ने सुरजेवाला के आगे से माइक छीनने का प्रयास किया और सुरजेवाला पर कांग्रेस को बांटने का आरोप लगाया। गुस्साए सुरजेवाला समर्थकों ने आरोपी की जमकर धुनाई की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। हंगामा करने वाले व्यक्ति का संबंध कथित तौर पर कांग्रेस के हुड्डा गुट से बताया जा रहा है। सुरजेवाला जब कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे तो यहां मौजूद एक व्यक्ति ने हंगामा शुरू कर दिया और माइक के तार को खींच लिया। जिस पर कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ता बिफर गए और व्यक्ति को पकड़ कर बाहर ले गए और उसकी जमकर पिटाई की। तार खींचने वाले व्यक्ति की पहचान सज्जन रेढू ईगराह के रूप में हुई है। यहां हंगामा करने वाले व्यक्ति ने हंगामा करते हुए कहा कि रणदीप सुरजेवाला गुटबाजी करके कांग्रेस को कमजोर कर रहे हैं। हंगामा करने वाले व्यक्ति ने कहा कि वह पुराना कांग्रेसी है और गांव इगराह निवासी सज्जन है, सुरजेवाला गुटबाजी करके कांग्रेस को कमजोर कर रहा है। वहीं रणदीप सुरजेवाला वाले ने कहा कि व्यक्ति ने शराब पी हुई है, गर्मी ज्यादा होने के कारण शराब ज्यादा चढ़ गई है। सुरजेवाला ने कहा कि उनकी रैली को खराब करने के लिए भाजपा-जजपा के लोग ऐसे लोगों को भेज रहे हैं। बाद रैली स्थल को बाहर से पुलिस गाड़ी में बैठाकर ले गई। यहां रणदीप सुरजेवाला रूके नहीं और उन्होंने अपना भाषण जारी रखा। करीब आधे की घंटे के हंगामे के बाद मामला शांत हुआ। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला, किरण चौधरी तथा कुमारी सैलजा इन दिनों एकजुटता के साथ अलग कार्यक्रम कर रहे हैं जबकि भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने गुट के विधायकों के साथ अलग कार्यक्रम कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज के महाकुंभ में उठी विस 20 टिकट देने की मांग

जयपुर(हिंस)। विद्याधर नगर स्टेडियम में रविवार को अग्रवाल समाज ने भविष्य की राजनीतिक और सामाजिक दिशा तय करने के लिए राजनीतिक दलों के सामने अपनी मांगें रखी। अग्रवाल समाज की मांग है कि अगले चुनावों में समाज के प्रतिनिधि को हर राजनीतिक दल से 20-20 टिकट दिए जाएं। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं ऑल अग्रवाल समाज सेवा समिति के बैनर तले हो रहे इस महाकुंभ में बड़ी संख्या में लोग जुटे। महाकुंभ में पहुंचे तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग ने कहा कि मैं विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश में अग्रसेन कल्याण बोर्ड का भी गठन होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बातचीत करूंगा। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि 10 करोड़ का अग्रवाल समाज व्यापारी के रूप में देश का खजाना भरता है। भारी-भरकम जीएसटी इकट्ठा कर दिया गया, लेकिन जीएसटी भरने वालों पर भी ईडी कार्रवाई कर रही है। ये कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। छोटे व्यापारियों की दुकान में यदि कोई घटना हो जाए, आग लग जाए तो उसे मुआवजा मिलना चाहिए। अभी तो ये शुरुआत है, जयपुर के बाद आगरा, लखनऊ, हरियाणा, भोपाल में भी अग्रवाल महाकुंभ होगा। गर्ग ने कहा कि हमने 2018 में व्यापारी कल्याण आयोग बनाने की मांग की, लेकिन यूपी, हरियाणा और राजस्थान सरकार ने व्यापारी कल्याण बोर्ड बना दिया। हमें बोर्ड नहीं, आयोग चाहिए। विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद सबसे पहला काम यदि कोई होगा तो व्यापारी कल्याण आयोग के गठन का होगा। सराफ ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनाने के आंदोलन की शुरुआत भी एक अग्रवाल अशोक सिंघल ने की थी। हमारे समाज के लोग राजनीति में कदम रखते हैं तो सबसे पहले हमारे घरवाले ही टांग खींचते हैं। राजनीति में यदि आप लोग रुचि नहीं लेंगे तो हमारे समाज की जैसी उपेक्षा हो रही है, वैसी होती रहेगी। हमारे बच्चों को आईएएस-आईपीएस बनाइए, तभी हमारे समाज की पकड़ मजबूत होगी। सराफ ने कहा कि सारे राजनीतिक दल वोटों के भिखारी हैं, जब उन्हें लगेगा कि अग्रवाल समाज में एकता आ गई है तो जितनी सीट आप चाहते हो, उतनी सीट मिलेगी। भाजपा-कांग्रेस ने अग्रवाल समाज को कई टिकट दिए, लेकिन कुछ ही जीते। लोगों को अपने समाज के प्रत्याशियों को जिताने के लिए भी मेहनत करनी चाहिए। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि गरीब की मदद के लिए हमें एक व्यवस्था बनानी चाहिए। इस तरह की योजना को लेकर हम काम करेंगे तो हमें किसी से कुछ मांगने की जरूरत नहीं होगी। महाकुंभ के स्वागताध्यक्ष राजेंद्र केडिया ने बताया कि समाज अपना मांगपत्र तैयार कर चुका है। अब हम आर-पार के मूड में हैं। राजनीतिक दलों को अपनी सोच बदलनी होगी। जो दल अग्रवाल समाज को सिर्फ आर्थिक सहयोग की नजर से देखते हैं, उनसे दूरी बनाने का समय आ चुका है। महाकुंभ के मंच से यह तय किया जाएगा कि आगामी विधानसभा चुनावों में अग्रवाल समाज की भागीदारी किस तरह से होगी और क्या होगी।

बाढ़ से बचाव की स्थितियों का उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने लिया जायजा

सिरसा (हिंस)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला रविवार को सिरसा में घग्घर के पानी से प्रभावित गांवों ओटू, बुढीमेड़ी, नगराना व फिरोजाबाद आदि में पहुंचे और बाढ़ से बचाव की स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अब बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है और उपायुक्त स्तर पर नुकसान के आंकलन के दिशा निर्देश दिए गए हैं और सभी प्रभावितों की पर्याप्त सहायता की जाएगी। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज हरियाणा में करीब 1400 से अधिक गांव बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं, जिन्हें सरकार की ओर से पर्याप्त मदद दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खेतों में जमा पानी की निकासी के लिए भी उपायुक्तों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक स्तर पर मदद के उद्देश्य से प्रशासन डीजल व अन्य आर्थिक मदद देकर किसानों की क्षतिपूर्ति की जा रही है। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बाढ़ संबंधी मामले में राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सिरसा में घग्घर के के इतिहास में कभी भी 50 हजार क्यूसिक पानी नहीं आया, ऐसे में शासन प्रशासन ने स्थिति को बेहतर तरीके से संभालते हुए प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, इसलिए पूर्व सीएम को बयान देने से पहले वास्तविक स्थिति का अंदाजा होना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जुलाई के बाद राज्य सरकार उन सभी जिलों की समीक्षा करेगी जो बाढ़ से प्रभावित रहे हैं। जहां तक उन जिलों को बाढ़ से आर्थिक रूप से मदद देने की बात है तो राज्य सरकार के पास पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है और यदि राज्य सरकार को केंद्री सरकार से मदद की आवश्यकता पड़ी तो मदद ली जाएगी। आम आदमी पार्टी की ओर से हरियाणा पर दिल्ली को बाढ़ से डुबोने के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के तो स्वयं 12 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बाढ़ का कारण दिल्ली सरकार की ओर से प्रबंधन में कमी है।

सनातनी चातुर्मास में रविवार को बही श्रद्धा की सरिता

उदयपुर (हिंस)। अरावली की उपत्यकाओं के बीच विराजित बड़बड़ेश्वर महादेव के प्रांगण में दिगंबर खुशाल भारती महाराज के सानिध्य में चल रहे सनातनी चातुर्मास में रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की कतार रही। शाम को नियमित होने वाली भव्य संध्या आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित शामिल हुए। रविवार को बरसते सावन के मौसम में ऐसा लगा कि मानो एक तरफ श्रद्धालु भोलेनाथ का अभिषेक कर रहे हैं तो दूसरी तरफ सावन भी उन्हें रिझाने को आतुर है। मीडिया संयोजक मनोज जोशी ने बताया कि यहां नित्यप्रति सूर्योदय से ही सनातन वैदिक ऋचाएं गूंजने लगती हैं। काशी से यहां आए हुए आचार्य जितेन्द्र चतुर्वेदी गणेश हवन, बगलामुखी का हवन करने से पूर्व श्रद्धालुओं से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कराते हैं। रविवार को इसी क्रम में धर्मप्रेमी मनोज श्रीमाली ने सपत्नीक

501 पार्थिव शिवलिंग निर्मित किए और फिर उनका सुंदर श्रृंगार कर अभिषेक किया। आचार्य ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग के अभिषेक का सनातन धर्म में बहुत महत्व है। पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिवस सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का अभिषेक होगा, जिसका भक्त स्वयं निर्माण करेंगे, इस अनुष्ठान में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपना नाम लिखा रहे हैं। व्यवस्था प्रमुख हिमांशु बंसल ने बताया कि 25 जुलाई से शुरू होने वाली पंच पुराण कथाओं के क्रम में पहली कथा विष्णु पुराण की होगी जिसकी तैयारियां जारी हैं। मेवाड़ की धरा पर लंबे कालखंड के बाद उदयपुर में विष्णु पुराण कथा होने जा रही है। कथा वाचन अंतरराष्ट्रीय कथाव्यास पंडित रुद्रदेव त्रिपाठी करेंगे। कथा से पहले 25 जुलाई को प्रात: दस बजे मंगल कलश यात्रा निकलेगी जो गोवर्धन विलास स्थित पशुपतिनाथ महादेव मंदिर से प्रारंभ हो कर एक बजे बड़बड़ेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां श्रद्धालु विष्णु पुराण कथा का श्रवण करेंगे। चातुर्मास समिति के महेश चष्ठा ने बताया कि सनातनी चातुर्मास के पहले दिन से ही नित्य दोपहर तथा संध्या आरती के बाद भंडारा चल रहा है जिसमें साधु, संन्यासी, अभ्यागत व दर्शन को पधारे श्रद्धालु नि:शुल्क सात्विक भोजन प्रसाद प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विष्णु पुराण की कथा का पानी से बचाव का विशाल पांडाल भी तैयार हो गया है।

यूके और यूएस का वीजा हासिल करने की कोशिश करने वालों को झटका

नई दिल्ली ।
अमेरिका और ब्रिटेन में बसने का सपना संजोने वालों के लिए बुरी खबर है। एक तरफ ब्रिटेन ने जहां वीजा के आवेदन के लिए लगने वाले शुल्क को दोगुना कर दिया है वहीं दूसरी ओर अमेरिकी वीजा के लिए किए गए ज्यादतर आवेदन अस्वीकार किए जा रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने वीजा और एनएचएम शुल्क को बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। सरकार के इस फैसले के बाद ब्रिटेन में बसे भारतीय भी नाराज हैं। उन्होंने कहा ये फैसला सुनक सरकार की नस्लवादी और विभाजनकारी नीति का प्रतीक है। ऋषि सुनक का लक्ष्य वीजा शुल्क में बढ़ोतरी के माध्यम से ब्रिटेन के सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए वेतन में वृद्धि करना है। इसमें शिक्षक, पुलिस, जूनियर डॉक्टर और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी शामिल हैं, क्योंकि उन्होंने कहा था कि पूरे बोर्ड में पांच से सात प्रतिशत की सामान्य वृद्धि हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन के वीजा के लिए अब लोगों को 65 हजार रुपये के स्थान पर करीब 1.08 लाख रुपये खर्च करना पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए यह राशि 50 हजार रुपये से बढ़कर 82 हजार रुपये हो जाएगी। बता दें कि शुल्क वीजा आवेदन जमा करने के पहले ही ले लिया जाता है। बता दें कि कुछ समय पूर्व सरकार ने वीजा शुल्क में 15 से 20प्रतिशत बढ़ोतरी की बात कही थी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने घोषणा की थी कि भारतीयों सहित वीजा आवेदकों द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) को भुगतान की जाने वाली फीस और स्वास्थ्य अधिभार में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि होगी। कथित तौर पर यह बढ़ोतरी लगभग 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत करने की बात कही गई थी। वीजा शुल्क में बढ़ोतरी के पीछे यह है ऋषि सुनक का लक्ष्य ऋषि सुनक का लक्ष्य वीजा शुल्क में बढ़ोतरी के माध्यम से ब्रिटेन के सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए वेतन में वृद्धि करना है। इसमें शिक्षक, पुलिस, जूनियर डॉक्टर और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी शामिल हैं, क्योंकि उन्होंने कहा था कि पूरे बोर्ड में पांच से सात प्रतिशत की सामान्य वृद्धि हुई है। सुनक ने कहा कि ब्रिटेन सरकार मुद्रास्फीति की चिंताओं के कारण इन लागतों को कवर करने के लिए बढ़ते कर्ज पर निर्भर नहीं रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में किया 43800 करोड़ का निवेश

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बना हुआ है। जुलाई में अब तक उन्होंने भारतीय शेयर बाजारों में 43,800 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। देश की मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी, कंपनियों के बेहतर नतीजों तथा चीन की अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों के बीच एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ा रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल अब तक शेयर बाजारों में एफपीआई का निवेश 1.2 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय बाजारों में एफपीआई का प्रवाह मजबूत और व्यापक बना हुआ है। चिंता की बात सिर्फ बढ़ता मूल्यांकन है। इससे बाजार में एक बड़ा करेक्शन आ सकता है। एफपीआई के सतत प्रवाह से भारतीय शेयर बाजार अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए है। ऐसे में बीच-बीच में कुछ मुनाफावसूली की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई से लगातार भारतीय शेयर बाजारों में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने इस महीने 21 जुलाई तक शेयरों में शुद्ध रूप से 43,804 करोड़ रुपए डाले हैं। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि एफपीआई का शेयरों में निवेश का आंकड़ा 40,000 करोड़ रुपए को पार कर गया है। एफपीआई ने मई में शेयरों में 43,838 करोड़ रुपए और जून में 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया था। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 2,623 करोड़ रुपए डाले हैं।

एंड्रॉयड डिवाइस के लिए अगले हफ्ते लॉन्च होगा चैटजीपीटी ऐपः प्री-रजिस्टर के लिए गूगल प्ले स्टोर पर अवेलेबल हुआ एआई चैटबॉट

नई दिल्ली। ओपनएआई अगले हफ्ते अपने एआई चैटबॉट चैटजीपीटीका ऐप एंड्रॉयड डिवाइस के लिए लॉन्च करेगा। कंपनी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही गूगल प्ले स्टोर पर ऐप प्री-रजिस्टर के लिए अवेलेबल हो गया है। प्री-रजिस्टर करने और ऑटोमेटिक इंस्टॉल ऑप्शन इनेबल रखने पर ऐप लॉन्च होने के बाद अपने आप डिवाइस में डाउनलोड हो जाएगा। कंपनी ने अभी तक एंड्रॉयड डिवाइस के लिए ऐप लॉन्चिंग की कोई कंफर्म डेट नहीं बताई है। दो महीने पहले मई में कंपनी ने आईओएस डिवाइस के लिए चैटजीपीटी ऐप लॉन्च किया था। ओपनएआई ने यह नहीं बताया है कि ऐप को सबसे पहले किन देशों में लॉन्च किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी भारत सहित कई देशों में एक साथ ऐप लॉन्च कर सकती है। ऐप इंस्टॉल करने के बाद चैटजीपीटी यूज करने के लिए यूजर्स को बार-बार ब्राउजर पर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ऐप में सर्च की हिस्ट्री सेव होती है, जिसकी मदद से यूजर्स किसी पुराने सर्च को देख सकेंगे।

गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों ने जून तिमाही में किया 298 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोषों (गोल्ड-ईटीएफ) में अप्रैल-जून की तिमाही में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे पिछली लगातार तीन तिमाहियों के दौरान गोल्ड ईटीएफ से निकासी देखने को मिली थी। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक अपनी संपत्ति का कुछ हिस्सा सुरक्षित निवेश उत्पाद में निवेश करना जारी रखेंगे। हालांकि, यदि एक साल पहले की समान अवधि से तुलना की जाए, तो गोल्ड ईटीएफ में निवेश 80 प्रतिशत घट गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन तिमाही में गोल्ड ईटीएफ का परिसंपत्ति आधार और निवेशक खातों या फोलियो की संख्या में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में गोल्ड-ईटीएफ में 298 करोड़ रुपए का निवेश आया है। इससे पहले मार्च तिमाही में गोल्ड ईटीएफ से 1,243 करोड़ रुपए, दिसंबर तिमाही में 320 करोड़ रुपए और सितंबर तिमाही में 165 करोड़ रुपए की निकासी देखने को मिली थी। वहीं जून, 2022 को समाप्त तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 1,438 करोड़ रुपए निवेश आया था। पिछली कुछ तिमाहियों में गोल्ड ईटीएफ से निकासी की वजह दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ को समाप्त करना और स्थानीय शेयर बाजारों की तुलना में सोने का प्रदर्शन कमजोर रहना है।

तेलंगाना का किसान टमाटर बेचकर करोड़पति बना

एक महीने में 1.8 करोड़ कमाए, 10वीं में फेल हुए, फिर खेती शुरू की

हैदराबाद।
तेलंगाना के किसान बी महिपाल रेड्डी टमाटर बेचकर करोड़पति बन गए हैं। उन्होंने एक महीने में टमाटर की लगभग 8 हजार क्रेट बेचकर 1.8 करोड़ रुपए कमाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, किसान का दावा है कि सीजन के अंत तक वो टमाटर बेचकर लगभग 2.5 करोड़ रुपए कमा लेंगे। एक हफ्ते पहले पुणे के नारायणगंज में रहने वाले किसान तुकाराम भागोजी ने एक महीने में 13 हजार क्रेट टमाटर बेचकर 1.5 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी। उनके पास 18 एकड़ कृषि भूमि है। तुकाराम ने अपने बेटे और बहू की मदद से 12 एकड़ में टमाटर उगाए थे।

किसान का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा, 10वीं पास नहीं कर सका

रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेलंगाना के किसान बी महिपाल रेड्डी (40) तेलंगाना के मेडक जिले के कौडिपल्ली गांव के रहने वाले हैं। बचपन में उनका मन पढ़ाई-लिखाई में नहीं लगा। वो 10वीं क्लास पास नहीं कर पाए। इसके बाद उन्होंने स्कूल छोड़कर खेती की ओर रुख कर लिया। रेड्डी टमाटर के साथ धान की खेती करते हैं, लेकिन धान की खेती में उन्हें फायदा नहीं हुआ। इसी साल 15 अप्रैल को उन्होंने टमाटर की खेती शुरू की थी। उन्होंने 8 एकड़ जमीन पर टमाटर लगाए थे। 15 जून को फसल पकने के बाद वो उसे मार्केट ले आए।

हैदराबाद में आंध्र प्रदेश से आने वाले टमाटर की कमी से मुनाफा कमाया

रिपोर्ट के मुताबिक, रेड्डी ने हैदराबाद के मार्केट में टमाटर बेचकर मुनाफा कमाया। दरअसल, आंध्र प्रदेश से हैदराबाद में टमाटर की सप्लाई पर्याप्त रूप से पूरी नहीं हो पा रही थी। इसलिए उन्होंने मार्केट में टमाटर भेजना शुरू कर दिया। उन्होंने बाजार में 100 रुपए प्रति किलो के रेट से टमाटर बेचे और 15 दिन में करीब सवा करोड़ रुपए कमा लिए।

टमाटर की खेती में 16 लाख लगाए, खेत में अभी भी 40 फीसदी फसल बची

रिपोर्ट के मुताबिक, रेड्डी ने अपनी फसल को हाई क्वालिटी की बनाने के लिए एक एकड़ फसल पर 2 लाख रुपए खर्च किए थे। पूरी फसल पर 16 लाख रुपए खर्च किए थे। रेड्डी ने बताया कि खेत में अभी भी 40प्रतिशत फसल बची है, जिसे जल्द मार्केट में लाया जाएगा।

चंडीगढ़ में टमाटर 350 रुपए किलो तक पहुंचा

चंडीगढ़ के फुटकर बाजारों में पिछले हफ्ते टमाटर के दाम 350 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए थे, हालांकि अभी ये 200 रुपए के ऊपर ही बना हुआ है। वहीं गाजियाबाद में टमाटर का दाम 200 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। देश में ज्यादातर जगहों पर टमाटर की कीमतें 100 रुपए के पार चल रही हैं।

बीते 3 सालों में भी दिखा बारिश में टमाटर के दाम बढ़ने का ट्रेंड

बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है। पिछले साल यानी 2022 के जून महीने में टमाटर के दाम 60-70 रुपए किलो तक पहुंच गए थे। इससे पहले 2021 में दाम 100 रुपए और 2020 में दाम 70-80 रुपए प्रति किलो के करीब पहुंच गए थे।

चीन के बाद भारत सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश

नेशनल हार्टीकल्चरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अनुसार, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक देश भारत है। ये करीब 7.89 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से करीब 25.05 टन प्रति हेक्टेयर की औसत उपज के साथ करीब 2 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन करता है। चीन 5.6 करोड़ टन उत्पादन के साथ टॉप पर है।

भारत में साल 2021-22 में 2 करोड़ टन से ज्यादा टमाटर का उत्पादन हुआ था। यहां मुख्य तौर पर दो तरह के टमाटर उगाए जाते हैं। हाइब्रिड और लोकल। मध्य प्रदेश देश में सबसे बड़ा टमाटर उत्पादक राज्य है। इसके बाद सर्वाधिक टमाटर उगाने वाले राज्यों में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा और गुजरात आते हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं, राजस्थान में पेट्रोल 113 रुपए लीटर बिक रहा

नई दिल्ली।
पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। भारत में सबसे महंगा फ्यूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है।

राजस्थान में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल

भारत में सबसे महंगा फ्यूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। वहीं महाराष्ट्र के परभणी में पेट्रोल 109.26 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.66 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं पोर्ट ब्लेयर में सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल बिक रहा है। यहां पेट्रोल की कीमत 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल का भाव 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

16 राज्यों में पेट्रोल 100 के ऊपर

देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, तेलंगाना, पंजाब, झारखंड, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए के ऊपर बिक रहा है। वहीं डीजल भी ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 100 रुपए से ऊपर है।

एक साल से ज्यादा समय से नहीं बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

आखिरी बार 21 मई 2022 में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किया गया था। तब पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया गया था। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे।

अनिल अंबानी की कंपनी से 5 एयरपोर्ट वापस लिए जाएंगेः महाराष्ट्र सरकार बोली- पेमेंट और मेंटेनेंस नहीं कर रही कंपनी

नई दिल्ली।
आर्थिक संकट से जूझ रहे अनिल अंबानी से महाराष्ट्र सरकार 5 एयरपोर्ट वापस लेने की तैयारी कर रही है। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा में कहा कि सरकार जल्द अनिल अंबानी ग्रुप से लातूर, उस्मानाबाद, नांदेड़, यवतमाल और बारामती एयरपोर्ट वापस ले सकती है। दरअसल, साल 2008-2009 में सरकार ने एयरपोर्ट के रखरखाव के लिए अनिल अंबानी की रिलायंस एयरपोर्ट डेवलपर्स लिमिडेट को सौंपा था। अब अंबानी की कंपनी न ही एयरपोर्ट का रखरखाव कर रही है और न ही बकाए पैसों का पेमेंट कर रही है। रिलायंस एयरपोर्ट डेवलपर्स लिमिडेट ने इन सभी पांच एयरपोर्ट के लिए सबसे अधिक 63 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी।

अटॉर्नी-जनरल से कानूनी राय लेगी महाराष्ट्र सरकार

फडणवीस ने कहा कि, सरकार इस मामले में अटॉर्नी-जनरल से कानूनी राय लेगी कि रिलायंस एयरपोर्ट डेवलपर्स लिमिडेट से बकाए पैसों को कैसे वसूला सकती है। इसके साथ ही, क्या सरकार इसके बजाय एयरपोर्ट का नियंत्रण पूरी तरह से अपने हाथ में ले सकती है।

नांदेड़, लातूर एयरपोर्ट का काम रुका हुआ है

विधानसभा में बोलने के बाद फड़नवीस ने ट्वीट करके कहा, नांदेड़, लातूर एयरपोर्ट का काम रुका हुआ है। जिस कंपनी को काम दिया गया था, उसने ड्यूज का पेमेंट नहीं किया है। (अटॉर्नी-जनरल) से राय ली जाएगी और हम इस काम में तेजी लाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने उस ट्वीट में एयरपोर्ट से जुड़ी अन्य परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी थी।

हाल ही में ईडी के सामने पेश हुए थे अनिल और टीना अंबानी

हाल ही में अनिल अंबानी और उनकी पत्नी टीना अंबानी विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के सामने हुए थे। अनिल और उनकी पत्नी पर विदेश में मौजूद संपत्ति को छिपाने और फंड के मूवमेंट का आरोप है।

ओला एस1 एयर की 999 में प्री बुकिंग शुरू: नए फ्रंट सस्पेंशन के साथ आएगी ई-स्कूटर, 31 जुलाई से 10 हजार महंगी मिलेगी

नई दिल्ली ।
ओला इलेक्ट्रिक ने ओला एयर की प्री बुकिंग शुरू कर दी है। बायर्स कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट से 999 रुपए में बुक कर सकते हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर की शुरुआती कीमत 1.09 रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। ये इंट्रोडक्ट्री प्राइस हैं। 31 जुलाई से ई-स्कूटर 10 हजार रुपए महंगी हो जाएगी। इंडियन मार्केट में ओला की इस इलेक्ट्रिक स्कूटर का मुकाबला एथर 450एस से होगा, जो 3 अगस्त को लॉन्च होने वाली है।

31 जुलाई से 10 हजार रुपए महंगी हो जाएगी एस1 एयर

बेंगलुरु बेस्ड स्टार्टअप कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल ने अपने ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, एस1 एयर की खरीदी के लिए 28 जुलाई से 30 जुलाई तक परचेस विंडो 1,09,999 रुपए (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर ओपन होगी। इंट्रोडक्ट्री प्राइस पर इलेक्ट्रिक स्कूटर को खरीदने के लिए अभी प्री बुक करें। इसके बाद 31 जुलाई से ई-स्कूटर के लिए 1,19,999 रुपए (एक्स-शोरूम) चुकाने होंगे। इसकी डिलीवरी अगस्त में शुरू होगी।

ई-स्कूटर में मिलेगा नया फ्रंट सस्पेंशन

इलेक्ट्रिक स्कूटर में सबसे बड़ा बदलाव इसका फ्रंट सस्पेंशन है। हाल ही में इसके टूटने की खबरों के बाद कंपनी ने अब इसमें मोनो-शॉक के बजाय फ्रंट टेलिस्कोपिक फोर्क्स और रियर में ट्विन-शॉक एब्जॉर्बर दिए हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में एक ट्वीट कर दावा किया था कि एस1 एयर इलेक्ट्रिक स्कूटर की 5 लाख किलोमीटर से अधिक तक राइडिंग टेस्ट किया गया है।

ओला एस1 एयर : रेंज, बैटरी और पावर

कंपनी के मुताबिक, ओला एस1 एयर में परफॉरमेंस के लिए ओला हाइपर ड्राइव मोटर दी गई है, जो 4.5 केडब्लूएच की एक हब मोटर है। ये मोटर 11.3 एचपी की मैक्सिमम पावर और 58 का टॉर्क जनरेट करती है। मोटर को पावर देने के लिए 3 केडब्लूएच के बैटरी पैक से जोड़ा गया है। बैटरी को एक बार फुल चार्ज करने पर इलेक्ट्रिक स्कूटर 125 चलती है। ई-स्कूटर की टॉप स्पीड 90 है। एस1 एयर कई एडवांस्ड फीचर्स से लैस है। इसमें एस1 एयर एक एलईडी हेडलैंप, 7 इंच टीएफटी स्क्रीन, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, रिवर्स मोड, अपडेट, रिमोट बूट लॉक/अनलॉक और म्यूजिक प्लेबैक जैसे फीचर्स शामिल हैं।

ट्विटर का लोगो बदलेंगे एलन मस्क

नीली चिड़िया की जगह एक्स हो सकता है नया लोगो, 1999 से मस्क का लेटर एक्स से नाता

वॉशिंगटन।
एलन मस्क माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर का लोगो बदलने जा रहे हैं। ये बदलाव होगा। वो लोगो को एक्स कर सकते हैं। ग्रैग नाम के एक यूजर के साथ ट्विटर स्पेस पर बातचीत में मस्क ने इस बात की पुष्टि की है। जब मस्क से पूछा गया कि क्या वो सच में ट्विटर का लोगो बदलने वाले हैं तो उन्होंने हां में जवाब दिया।

इसके साथ ही उन्होंने ट्विटर पर एक पोल क्रिएट कर लिखा, डिफॉल्ट प्लेटफॉर्म कलर को ब्लैक में बदलें। दोपहर 12 बजे तक 4.50 लाख से ज्यादा लोग इस पोल में वोट कर चुके हैं। ज्यादातर लोगों ने अभी तक ब्लैक और व्हाइट में से ब्लैक को चुना है। साल 1999 से एलन मस्क का नाता लेटर एक्स से है। तब उनकी एक कंपनी का नाम एक्स कोम था।

दुनियाभर में लाइव होगा नया ट्विटर लोगो

मस्क ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ट्विटर का लोगो एक्स में बदलते हुए दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, यदि एक अच्छा एक्स लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे। मस्क ने एक अन्य ट्वीट में लिखा- जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे।

1999 से मस्क का लेटर एक्स से नाता

एलन मस्क का एक्स लेटर से नाता साल 1999 से है। उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी एक्स कोम बनाई थी। इसे बाद में उन्होंने एक अन्य कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जो पेपाल बनी। साल 2017 में मस्क ने पैपल से यूआरएल एक्स कोम को फिर से खरीदा था। उन्होंने ट्वीट किया था कि इस डोमेन का उनके लिए बहुत भावुक मूल्य है।

वहीं बीते दिनों एलन मस्क ने जब लिंडा याकिरानो को ट्विटर का नया सीईओ बनाया था तो ट्वीट कर कहा था, इस प्लेटफॉर्म को ऐप में बदलने के लिए लिंडा के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। उनकी एक और कंपनी स्पेसएक्स में भी एक्स की झलक दिखती है।

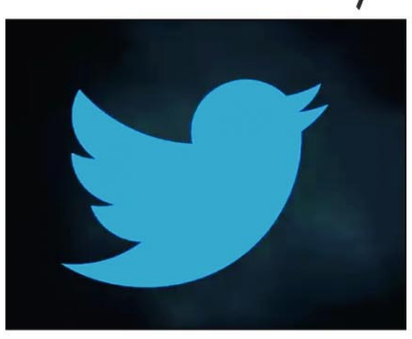

नीली चिड़िया हटाकर डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था

4 महीने पहले एलन मस्क ने ट्विटर की नीली चिड़िया हटाकर एक डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था- जैसा वादा किया था, वह पूरा किया। हालांकि, बाद में उन्होंने दोबारा नीली चिड़िया को ट्विटर लोगो बना लिया था।

ट्विटर सीईओ बनने के बाद मस्क के 3 बड़े फैसले...

एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में रहे।

1. आधे से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला

ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने ट्विटर की कमान संभाली थी तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं।

2. कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया

नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने ट्विटर पर ट्रम्प की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

3. ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस लॉन्च की

एलन मस्क ने दुनियाभर में ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट 650 रुपए है। वहीं इसकी एनुअल कॉस्ट 6,800 रुपए है। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपए महीना है। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं।

फिल्म रिलीज से पहले जेनेलिया ने बताया एक्टिंग का राज, मुझे इससे प्यार हो गया

मुंबई (ईएमएस)। अपनी फिल्म रिलीज से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख ने कहा है कि उन्होंने एक्टिंग को नहीं चुना बल्कि एक्टिंग ने उन्हें चुना है। बता दें कि साल 2008 की फिल्म जाने तू या जाने ना में उनके आइकोनिक किरदार के कारण कई लोग जेनेलिया को प्यार से म्याऊ कहते हैं। अपने दो दशक लंबे करियर में जेनेलिया ने न केवल बॉलीवुड बल्कि मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सहित कई अन्य भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। सिनेमा की दुनिया में अपनी यात्रा को याद करते हुए, 35 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा कि बाद में उन्हें एक्टिंग से प्यार हो गया। जेनेलिया ने बताया कि मुझे लगता है कि मेरी यात्रा अद्भुत रही है, क्योंकि एक्टिंग वह करियर नहीं था, जिसे मैंने चुना था। बल्कि, इसने मुझे चुना था। बाद में मुझे इससे प्यार हो गया। उन्होंने आगे कहा कि मुझे कई लोगों के साथ काम करने का अवसर मिला, जिसके चलते मुझे महसूस हुआ कि मेरी कला में शानदार बदलाव आया है और मैं आगे बढ़ रही हूं। जेनेलिया की आगामी फिल्म ट्रायल पीरियड की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्हें आखिरी बार स्क्रीन पर हिंदी फिल्म मिस्टर मम्मी और वेद में देखा गया था, जो 2022 में रिलीज हुई थी। इससे पहले, वह 2016 की फिल्म फोर्स 2 में थीं। एक्टिंग के सवाल पर एक्ट्रेस ने कहा कि शुरूआत में, जब मैंने फिल्में की, तो मुझे पूरे साल का प्लान बनाना पसंद था। लेकिन अब, मुझे लगता है कि जब मैं एक फिल्म करती हूं, तो इसका मतलब है कि बच्चों से समय निकालना, कई फिल्में करने के अलावा और भी बहुत कुछ देना। मैं कम ही प्रोजेक्ट चुनना पसंद करती हूं। मैं और भी बहुत कुछ करना चाहती हूं, लेकिन अगर इंतजार करने में इतना समय लगता है तो मुझे इंतजार करने में भी खुशी होगी। जेनेलिया का कहना है कि मुझे विश्वास है कि मैं पिछले 10 साल की तुलना में अब बहुत अधिक काम करूंगी। उनकी अपकमिंग फिल्म ट्रायल पीरियड एक फैमिली ड्रामा है, जो जेनेलिया द्वारा अभिनीत एकल मां एना की यात्रा पर बेस्ड है, जिसकी दुनिया तब उलट जाती है जब उसका बेटा 30 दिनों के ट्रायल पीरियड के लिए पिता की डिमांड करता है।

लागों को खूब पसंद आया फिल्म जवान का प्रीव्यू, शाहरुख खान के डांस पर झूम उठे फैंस

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म जवान का प्रीव्यू लोगों को खूब पसंद आ रहा है। इसके अंत में 1962 के गाने बेकरार करके पर शाहरुख खान का अचानक किया गया डांस क्लिप के सबसे पसंदीदा दृश्यों में से एक था। पावर-पैक जवान प्रीव्यू में शाहरुख खान के प्रशंसकों ने एटली निर्देशित फिल्म से जो उम्मीद की थी, उससे कहीं अधिक था। कई एक्शन दृश्यों, एक जटिल कहानी और विशाल स्टार कास्ट की झलक के बाद, सबसे बड़ा आश्चर्य जवान प्रीव्यू के अंत में हुआ, जब एक गंजे शाहरुख खान को मेट्रो में पुराने गाने बेकरार करके पर थिरकते देखा गया। अब खुलासा हुआ है कि एक्टर ने खुद इसे कोरियोग्राफ किया था। यह दृश्य संभवतः मेट्रो हाईजैक का है और इसमें कई भयभीत यात्रियों को दिखाया गया है क्योंकि शाहरुख अचानक नृत्य करने लगते हैं। अभिनेता ने 1962 की फिल्म बीस साल बाद के हेमंत कुमार के गाने बेकरार करके हमें यूं ना जाइए आपको हमारी कसम लौट आइए पर थिरकते हुए अपने डांस मूव्स बनाए। सोशल मीडिया पर कई लोग शाहरुख को पहले कभी न देखे गए गंजे लुक में देखकर बहुत खुश हुए और मेट्रो हाईजैक के बीच में उनके डांस मूव्स के बारे में बात करना बंद नहीं कर सके। शाहरुख खान से बेकरार करके डांस पर पिछले हफ्ते, जवान प्रीव्यू के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद अपने प्रशंसकों से बात करने के लिए ट्विटर पर आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया था। एक प्रशंसक ने अभिनेता से पूछा, कि आपका पसंदीदा पल क्या हैं । इसके अलावा बेकरार करके हमें यूं ना जाएं आपको हमारी कसम लौट आइए। शाहरुख ने जवाब दिया, यह गाना एटली का आइडिया है। शाहरुख ने कहा कि डांस वगैरह के साथ मुझे भी यह बहुत पसंद है।

मुझे लगता है कि इस विचार में बहुत जादू है। शाहरुख के ट्वीट के जवाब में उनके कई प्रशंसकों ने एक बार फिर उनके अचानक डांस पर प्रतिक्रिया दी। एक प्रशंसक ने लिखा कि हेमंत कुमार और शकील बदुयानी साहब ने कभी सोचा नहीं होगा के इस तरह से ये गाना संजोएगा। एक फुल लेंथ डांस नंबर, दूसरे ने पूछा कि गाना कब रिलीज हो रहा है? एक फैन ने उनके बाल्ड लुक पर कमेंट करते हुए लिखा, जवान में आपका पसंदीदा लुक। बहुत बढ़ाया है।

आलिया भट्ट ने की पिता महेश भट्ट की तारीफ, नया गाना वे कमलेया हुआ लांच

मुंबई (ईएमएस)। अपनी आनेवाली फिल्म के नए गाने की लांचिंग के अवसर पर आलिया भट्ट ने अपने पिता की तारीफ की है। उन्होंने अपने पिता महेश भट्ट की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह एक बहुत अच्छे अभिनेता, निर्देशक और सबसे अच्छे पिता हैं। आलिया ने यह बात अपनी आगामी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गाने वे कमलेया के लॉन्च के दौरान कही। नई दिल्ली में उनकी आगामी रोमांटिक ड्रामा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के गाने वे कमलेया के लॉन्च के दौरान आलिया से उनके पिता के बारे में पूछे जाने पर अभिनेत्री ने कहा कि मेरे पिता एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं, एक गायक और अच्छे निर्देशक हैं लेकिन वह सबसे अच्छे पिता हैं। साथ ही आलिया ने कहा कि करण जौहर वास्तव में एक बहुत ही मनोरंजक अभिनेता हैं, वह सेट पर हर किसी की भूमिका निभाते हैं। आलिया ने कहा कि करण जौहर सबके स्टाइल में एक्टिंग करते हुए पूरा सीन पहले खुद दिखाते थे। हम उन्हें देखते थे और खूब एन्जॉय करते थे। यह रोज देखना बहुत ही मनोरंजक था। इस दौरान जब रणवीर कपूर से पूछा गया कि जब वह अपने अंदर के अभिनेता से बात करते हैं तो उन्हें कौन सा किरदार सबसे ज्यादा मनोरंजक लगता है, इस पर उन्होंने जवाब दिया कि मुझे नहीं पता कि किन किरदारों ने मुझे सबसे ज्यादा संतुष्ट किया। ईमानदारी से कहूं तो मैं सिर्फ इस बात के लिए आभारी हूं कि मुझे बेहतरीन कलाकारों के साथ अभिनय करने और इस खूबसूरत चीज का हिस्सा बनने का मौका मिला, यानी फिल्म बनाना अपने आप में सबसे बड़ा आशीर्वाद है। बता दें कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी एक शानदार फिल्म है। इसमें धर्मेंद्र जया बच्चन और शबाना आजमी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म विपरीत व्यक्तित्व वाले एक जोड़े के बारे में बात करती है जो शादी करने से पहले एक-दूसरे के परिवारों के साथ रहने का फैसला करते हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई, नई दिल्ली, रूस और जम्मू-कश्मीर में की गई है। फिल्म में आलिया और रणवीर मुख्य भूमिका में हैं, जो 28 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में आपत्तिजनक शब्दों पर सेंसर बोर्ड की कैंची

करण जौहर की निर्देशित फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' इस समय काफी चर्चा में है। फिल्म अगले सप्ताह रिलीज होगी। इस बीच, प्रदर्शनी से पहले सेंसर सर्टिफिकेट की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) यानी सेंसर बोर्ड ने रणवीर-आलिया की आने वाली फिल्म में कुछ बदलाव के सुझाव दिए हैं। साथ ही विवादित शब्दों पर आपत्ति जताते हुए उन शब्दों को फिल्म से हटा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जुड़ा एक पूरा वाक्य हटा दिया गया है। निमार्ताओं ने सेंसर के सुझाए गए बदलावों को लागू करने के बाद फिल्म को प्रमाणपत्र दिया गया। सेंसर के बताए गए बदलावों के बाद फिल्म को बुधवार को सर्टिफिकेट दे दिया गया है। सर्टिफिकेट के मुताबिक, फिल्म 2 घंटे 48 मिनट की है। इस बीच फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' 28 जुलाई को रिलीज होने वाली है। फिल्म में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसमें दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन, अभिनेता धर्मेंद्र, शबाना आजमी भी अहम भूमिका में हैं।

मैंने प्यार किया की तर्ज पर राजश्री प्रोडक्शंस बनाएगा डोनो, दर्शकों को देखने मिलेगी नई प्रेम कहानी

मुंबई (ईएमएस)। तीन दशक पहले प्रतिष्ठित प्रेम कहानी मैंने प्यार किया बनाने के बाद अब राजश्री प्रोडक्शन एक नई प्रेम कहानी बनाने जा रहा है। डोनो नाम से इस फिल्म को अवनीश एस. बड़जात्या निर्देशित करने जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार राजश्री प्रोडक्शन जेन नेक्स्ट के लिए मासूम रोमांस के एक और ताजा विचार के साथ लौटने के लिए तैयार है। हालांकि प्रोडक्शन हाउस ने अपने नवीनतम उद्यम की घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है जो कि जिओ स्टूडियो के सहयोग से है। आगामी रोमांटिक ड्रामा के निमार्ताओं द्वारा हाल ही में जारी एक बयान में, यह कहा जा रहा था कि फिल्म का उद्देश्य मासूमियत और रोमांस के युग को वापस लाना है। गौरतलब है कि 1989 की प्रसिद्ध फिल्म मैंने प्यार किया में जो रोमांस और प्रेम कहानी थी, उसका जवाब नहीं है। जिसमें सलमान खान और भाग्यश्री थे। प्रोडक्शन द्वारा बयान में कहा गया है, हिंदी फिल्म उद्योग में अपने 75वें वर्ष को चिह्नित करते हुए, राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड ने संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन की अपनी विरासत को आगे बढ़ाया है। प्रोडक्शन ने कहा कि अपनी 59वीं फिल्म, एक प्रेम कहानी, जिसका नाम - डोनो है, की घोषणा करके रोमांस को उसके शुद्धतम रूप में वापस लाया जा रहा है। राजश्री की अगली पीढ़ी के निर्देशक अवनीश एस. बड़जात्या द्वारा निर्देशित, डोनो का टीजर 25 जुलाई को लांच होने वाला है। यह फिल्म एक ताजा प्रेम कहानी होगी जो आपको मैंने प्यार किया के आकर्षण को फिर से देखने पर मजबूर कर देगी। निमार्ताओं ने एक वीडियो का भी अनावरण किया जिसमें शीर्षक घोषणा क्लिप में शांत समुद्र तट की लहरों की पृष्ठभूमि में डोनो शब्द दिखाया गया है। यह फिल्म मैंने प्यार किया की तरह इस प्रेम कहानी में दो नए चेहरों को भी पेश करेगी, फिल्म के लिए क्रिएटिव प्रोडक्शन का नेतृत्व सूरज आर. बड़जात्या कर रहे हैं, जो जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है।

27 जुलाई को जारी होगा गदर-2 का ट्रेलर, दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेगी फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म गदर जो कि 2001 में बनी थी, भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। और अब गदर 2 से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। 9 जून को गदर की दोबारा रिलीज को लेकर उत्साह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 22 साल बाद भी यह फिल्म दर्शकों के दिल के करीब है। इसी के चलते उम्मीद है कि सीक्वल धमाकेदार शुरूआत कर सकता है। अब तक, निमार्ताओं ने गदर 2 का टीजर जारी किया था, जो संयोग से गदर के प्रिंट से जुड़ा हुआ था।

इसके बाद गीत उड़ जा काले कावा का पुनर्व्यवस्थित संस्करण और उसके बाद भावपूर्ण गीत खैरियत प्रस्तुत किया गया। इस बीच फैंस काफी समय से ट्रेलर की बेसब्री से मांग कर रहे थे। सिने गलियारों के सूत्रों ने बताया है कि ठीक एक हफ्ते बाद गुरुवार 27 जुलाई को ट्रेलर लॉन्च किया जाएगा। निमार्ताओं का मानना है कि फिल्म की रिलीज से 15 दिन पहले इसे रिलीज करना अच्छा काम करेगा और बहुप्रतीक्षित सीक्वल के प्रचार को और बढ़ा देगा। फिल्म के निमार्ता एक दिलचस्प प्रमोशनल प्लान लेकर आए हैं। अभिनेताओं और निर्देशक अनिल शर्मा से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि गदर 2 पर्याप्त शोर मचाए ताकि 11 अगस्त को इसकी रिलीज के बारे में दूर-दूर तक जागरूकता फैले। गदर की तरह, गदर 2 में भी सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा हैं। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित, यह जी स्टूडियोज और अनिल शर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है।

मां को लेकर बेटी पलक तिवारी का बड़ा खुलासा

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह हमेशा अपनी बोल्ड भविष्यवाणियों और बयानों से सभी का ध्यान खींचती हैं। अब एक बार फिर उनका एक बयान चर्चा में आ गया है। उन्होंने कहा है कि श्वेता उनके साथ काफी सख्ती बरतती थीं ताकि वह उन्हें डेट न करें। हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में पलक ने आखिरकार श्वेता तिवारी के बारे में कई बातें बताईं। पलक किसी को डेट न करें, इसके लिए श्वेता पूरी सावधानी बरतती थीं। इतना ही नहीं, उन्होंने कुछ पुरानी यादें शेयर करते हुए बताया कि वह श्वेता पलक को इसे लेकर धमकाया करती थीं। पलक ने कहा, 'मेरा एक बॉयफ्रेंड था। मैं तब 15 या 16 साल का थी। हमें मॉल जाना बहुत पसंद था, एक बार मैं उसके साथ मॉल जा रहा थी और मां से कहा कि मैं खेलने के लिए नीचे जा रहा हूं। उसने इसकी अनुमति दे दी। वह उस समय शहर में नहीं थी और तभी उन्हें कहीं से पता चला कि मैं खेल नहीं रही बल्कि मॉल में हूँ। वह बहुत गुस्से में थी। मजे की बात तो ये है कि वो मुझे गांव भेज देती थी, मेरे बाल काटने की धमकी देती थी। जब मैं छोटी थी तो सुंदर न दिखने के लिए मेरे बाल भी काट दिए ताकि मैं किसी को डेट न कर सकूं।" पलक तिवारी का ये बयान अब खूब चर्चा में है। इससे पहले भी पलक कई बार इस बात का जिक्र कर चुकी हैं कि श्वेता उनके साथ कितना सख्त व्यवहार करती हैं और उनकी मां उनसे कैसे डरती हैं।

सारा अली खान ने लोटस सिग्नेचर में खरीदा नया ऑफिस

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान पिछले कुछ दिनों से नए ऑफिस की तलाश में थीं। सारा को पिछले हफ्ते पैपराजी ने मां अमृता सिंह के साथ बांद्रा स्थित एक ऑफिस में देखा था। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब जानकारी सामने आई है कि सारा ने अंधेरी में नए ऑफिस के लिए जगह ले ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अली खान ने लोटस सिग्नेचर में नया ऑफिस स्पेस खरीदा है। लोटस सिग्नेचर का स्वामित्व निमार्ता आनंद पंडित के पास है। रिपोर्ट्स के मुताबिक खरीदे गए नए ऑफिस की कीमत लगभग 1.01 से 1.46 करोड़ है। लोटस सिग्नेचर का निर्माण फिलहाल चल रहा है और एक्ट्रेस को दिसंबर, 2025 में इस ऑफिस का कब्जा मिल सकता है। सारा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जरा हटके जरा बचके की सफलता के बाद ऐसी अफवाहें हैं कि अभिनेत्री ने भविष्य की परियोजनाओं पर काम करने के लिए पदभार संभालने का फैसला किया है। इस बीच सारा अली खान ने फिल्म जरा हटके जरा बचके में एक्टर विक्की कौशल के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। सारा जल्द ही अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो इन डिनो में अहम किरदार निभाएंगी। फिल्म में सारा के साथ-साथ आदित्य रॉय कपूर, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर, अली फजल और नीना गुप्ता अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का ट्रेलर रिलीज

सुपर स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू और संचिता बनर्जी स्टारर भोजपुरी फिल्म भारत भाग्य विधाता का धांसू ट्रेलर आउट हो गया है। फिल्म का ट्रेलर टीजर का विस्तार है, जिसमें एक बार फिर से प्रदीप पांडेय चिंटू छाए रहे। उनका एक्शन, उनके डायलॉग, उनके रोमांस का जादू भोजपुरी के दर्शकों पर भी छा गया है और ट्रेलर रिलीज होने के साथ वायरल हो रहा है। भारत भाग्य विधाता के ट्रेलर का रन टाइम 3:54 है, जिसकी प्रस्तुति पलक झपकने का वक्त तक नहीं देती है। फिल्म के ट्रेलर को बी4यू के वाइस प्रेसिडेंट संदीप सिंह ने तगड़ा बताते हुए कहा कि कई अवॉर्ड शो में बेस्ट एक्टर रह चुके प्रदीप पांडेय चिंटू का रंग फिल्म के ट्रेलर में खूब चढ़ा है। फिल्म की कहानी में बेहद फिट भी नजर आए हैं। फिल्म को लेकर प्रदीप पांडेय चिंटू ने कहा कि यह फिल्म बिहार और यूपी के एक पुलिस वाले के जीवन पर आधारित है। मैंने फिल्म में पुलिस का किरदार निभाया है। इससे पहले भी कई फिल्मों में पुलिस का किरदार निभा चुका हूं, लेकिन यह उन सबसे अलग है। आपने अगर ट्रेलर देखा है तो आपको अंदाजा हो गया होगा कि फिल्म कितनी बड़ी और व्यापक बनी है।

सूडोकु नवताल- 6501

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6500 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्दजाल - 7248

अ	सु	ग	ए	ल	न	बो	र्ड	र	र	जा	
दा	नी	ल	ग	गो	र्ड	न	ग्रि	नी	ज	वे	
गि	ल	शे	स	बा	छ	ची	ता	रा	क	द	
री	गा	र	दो	चि	ज	न	ह	ग्रे	त	मिं	
क	व	दो	ग्रा	लू	न	का	म	ग	व	या	
ज	स्क	ल	ह	य	ख	तें	ना	चै	र	दा	
मा	र	म	म	या	प	र	दु	प	र	द	
र्क	र्ज	ल्जा	गू	धा	ब	क	गो	ल	श	ण	
टे	बा	म	च	ब्रा	ह	त्या	री	श	क	क	
ल	दु	आ	प	स्टी	व	वॉ	ग	बें	हा	र	
र	दु	ल्हे	रा	अ	ज	ह	रु	द्दी	न	थ	

शब्द जाल में उन 10बल्लेबाजों के नाम ढूंढिए जिन्होंने 7000 से अधिक रन बनाएं हैं. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सुनील गावस्कर, एलन बोर्डर, सचिन तेंदुलकर, स्टीव वॉग, जावेद मियांदाद, मार्क टेलर, ग्रेग चैपल, गोर्डन ग्रिनीज,ग्राहम गूच, अजहरुद्दीन,

शब्दजाल - 7247 का हल

र	रा	ब्र.	आं	बे	ड	क	र	इ	क	अ	
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु	
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल	
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क	
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला	
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म	
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	णा	क	
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी	
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द	
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो	
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6201

6		7			5	
2	28		40	7	35	
		5	6	4		3
5	28		38		34	1
4	2				1	7
	31	2	24	1	30	
7		1	4			5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6200 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

अश्विन की ड्रीम बॉल पर ब्रेथवेट बोल्ड हुए : रहाणे ने पकड़ा डाइविंग कैच, सिराज का रोनाल्डो जैसा सेलिब्रेशन

पोर्ट ऑफ स्पेन।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट बराबरी पर खड़ा है, लेकिन तीसरे कई रोचक मोमेंट्स देखने को मिले। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑफ स्पिनर की ड्रीम बॉल पर वेस्टइंडीज के कप्तान क्रैग ब्रेथवेट को बोल्ड किया। स्लिप पोजिशन पर अजिंक्य रहाणे ने एक हाथ से डाइविंग कैच पकड़ा।

जोशुआ डा सिल्वा को बोल्ड करने के बाद मोहम्मद सिराज ने फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसा सेलिब्रेशन किया। डेब्यूटांट मुकेश कुमार ने टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया।

5वें स्टंप से अंदर आई अश्विन की बॉल, ब्रेथवेट बोल्ड - दुनिया के नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने ऑफ स्पिनर की ड्रीम बॉल फेंकी, जिस पर विंडीज कप्तान क्रैग ब्रेथवेट बोल्ड हो गए। ब्रेथवेट ने 75 रन बनाए और अश्विन का मैच में पहला शिकार बने। आमतौर पर अश्विन की बॉल तीन या चार डिग्री टर्न लेती है, लेकिन 73वें ओवर में उनकी चौथी बॉल 10.1 डिग्री टर्न हुई। ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न ने बॉल ऑफ द सेंचुरी को 12.1 डिग्री टर्न कराया था। अश्विन ने ऑफ स्टंप के बाहर बॉल फेंकी, जो अंदर की ओर टर्न होकर स्टंप्स से जा लगी। ब्रेथवेट इसे डिफेंड करना चाहते थे, लेकिन बॉल ज्यादा टर्न ले गई और बैट-पैड के बीच से घुसकर मिडिल स्टंप पर जा लगी।

रहाणे ने एक हाथ से पकड़ा डाइविंग कैच - 84वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने पारी में पहली बार दाएं हाथ के बल्लेबाज को ओवर द विकेट बॉलिंग की। टर्न लेती बॉल को जर्मेन ब्लैकवुड ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन विकेट से दूर जाती बॉल ने बल्ले का बाहरी किनारा छुआ और स्लिप की दिशा में चली गई, जिसे रहाणे ने अपनी बाईं ओर डाइव लगाते हुए एक हाथ से पकड़ लिया। रहाणे के पास कैच पकड़ने के लिए चंद सेकेंड ही थे। उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 103वां कैच पकड़ा। ब्लैकवुड ने 92 गेंद पर 20 रन बनाए।

सिराज ने रोनाल्डो का सिग्नेचर सेलिब्रेशन किया - 98वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने जोशुआ डा सिल्वा का विकेट लिया। सिराज ने लेंथ बॉल फेंकी। गुड लेंथ से वॉबल सीम बॉल अंदर की ओर आई और डा सिल्वा का मिडिल स्टंप ले उड़ी। सिराज ने विकेट लेते ही रोनाल्डो का सिग्नेचर सेलिब्रेशन किया। सिराज आईपीएल में भी इस तरह का सेलिब्रेशन कर चुके हैं। डा सिल्वा ने 26 गेंद पर 10 रन बनाए।

मुकेश कुमार का डेब्यू विकेट - अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने वेस्टइंडीज के कर्क मैकेंजी के रूप में अपने इंटरनेशनल करियर का पहला विकेट लिया। 52वें ओवर की चौथी बॉल पर मुकेश कुमार ने मैकेंजी को आउट किया। मुकेश की बॉल पर मैकेंजी ने कट करने की कोशिश की।

न्यूज ब्रीफ

जूनियर निशानेबाजों ने दिलाए दो कांस्य, भारत के खाते में अब तक 14 पदक

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल टीमों को कोरिया के चांगवोन में चल रही आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो और कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के सातवें दिन इन दो पदकों के बाद भारत के नाम चार स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक हो गए हैं। टीम पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर बरकरार है। चीन ने अब तक 12 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 26 पदक अपने नाम किए हैं। उनिश होलिन्दर, रणदीप सिंह और अक्षय कुमार ने पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में कुल 1671 का स्कोर बनाकर टीम को कांस्य पदक दिलाया। याशिता शौकीन, प्रार्थना खन्ना और तियाना ने महिलाओं की संबंधित स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीनों का कुल स्कोर 1573 था। एक साथ चल रहे पुरुष और महिला ट्रैप क्वालिफायर के दूसरे दिन कुछ भारतीय निशानेबाज शीर्ष छह में जगह बनाने के लिए अच्छी स्थिति में थे। पुरुषों की स्पर्धा में शपथ भारद्वाज चार दौर के बाद 94 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं। शपथ के साथी बख्तियारुद्दीन मालेक और शार्दुल विहान 93 अंकों के साथ क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर रहे। महिलाओं में आशिमा अहलावत चार दौर में 88 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर है। प्रीति रजक 87 अंकों के साथ नौवें और भव्या त्रिपाठी 86 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। पांचवें और अंतिम क्वालिफाइंग दौर के बाद ट्रैप फाइनल रविवार को होना है।

चौथा ऐशेज टेस्ट...मार्नस लाबुशेन का शतकः ऑस्ट्रेलिया बढ़त से 61 रन पीछे, स्कोर- 214/5; पांचवें दिन भी बारिश की आशंका

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ऐशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान खेला जा रहा है। चौथे दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खो कर 214 रन बना लिए। कैमरून ग्रीन 3 और मिचेल मार्श 31 रन बना कर नाबाद रहे। मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड पहली पारी में 592 रन पर ऑल आउट हो गया। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया के बैटर मार्नस लाबुशेन ने शतक लगाया और 111 रन की पारी खेली। पहले सेशन में बारिश के कारण एक भी बॉल नहीं फेंकी जा सकी। दूसरे और तीसरे सेशन में भी बारिश लगातार खलल डालती रही, जिस कारण समय से पहले ही दिन का खेल खत्म करना पड़ा। चौथे दिन 30 ओवर का ही गेम हो सका। पांचवें दिन भी भारी बारिश की आशंका है। इंग्लैंड मजबूत पोजिशन में है, लेकिन बारिश के कारण मैच ड्रॉ हुआ तो सीरीज की स्कोरलाइन 2-1 पर ही रहेगी। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 113/4 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया। मार्नस लाबुशेन 111 रन की शतकीय पारी खेल कर आउट हुए।

केन्या की फेथ किपयोगेन ने डायमंड लीग में किया कमाल, दो माह में तोड़ा तीसरा विश्व कीर्तिमान

नई दिल्ली। ओलंपिक में दो बार 1500 मीटर की चैंपियन रहीं किपयोगेन ने कहा कि यह बेहद जज्बाती क्षण है, यह सब आशीर्वाद जैसा है। हर बार जब आप दौड़ते हो तो ऐसा नहीं होता। केन्या की फेथ किपयोगेन ने डायमंड लीग में महिलाओं के मील रिकॉर्ड में पांच सेकंड का सुधार किया। पिछले दो महीनों में उन्होंने तीसरी बार विश्व कीर्तिमान बनाया। 29 साल की फेथ ने चार मिनट 7.64 सेकंड के साथ नीदरलैंड की सिफान हसन का पिछला रिकॉर्ड (4 : 12.33) तोड़ा। पिछले महीने उन्होंने फ्लोरेंस और पेरिस में 1500 मीटर और 5000 मीटर में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया था। ओलंपिक में दो बार 1500 मीटर की चैंपियन रहीं किपयोगेन ने कहा कि यह बेहद जज्बाती क्षण है, यह सब आशीर्वाद जैसा है। हर बार जब आप दौड़ते हो तो ऐसा नहीं होता। मैंने इस दौड़ का लुत्फ लिया। मैं विश्व रिकॉर्ड बनाना चाहती थी। ईश्वर का आभार। यह सब अद्भुत है। आयरलैंड की सिएरा मैगिन (4 : 14.08) दूसरे स्थान पर रहीं।

सात्विक-चिराग ने जीता साल का तीसरा खिताब

फाइनल में दुनिया की नंबर एक जोड़ी को हराया

नई दिल्ली।

चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को हराकर कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन खिताब जीत लिया है। इस साल यह इस जोड़ी का तीसरा खिताब है। इस खिताब से पहले सात्विक और चिराग ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000 और स्विस ओपन सुपर 500 खिताब जीते थे। फाइनल मैच में भारतीय जोड़ी ने विश्व नंबर पुरुष युगल जोड़ी को 17-21, 21-13, 21-14 से हराया। पहला सेट हारने के बाद भारतीय जोड़ी ने दमदार वापसी करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो को हराया। खिताबी मैच में भारतीय जोड़ी पहले गेम में पिछड़ गई, लेकिन जोरदार वापसी करते हुए एक और खिताबी जीत दर्ज की। जून में अपने पिछले टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन को जीतने वाली भारतीय जोड़ी ने लगातार दूसरा खिताब अपने नाम किया है।

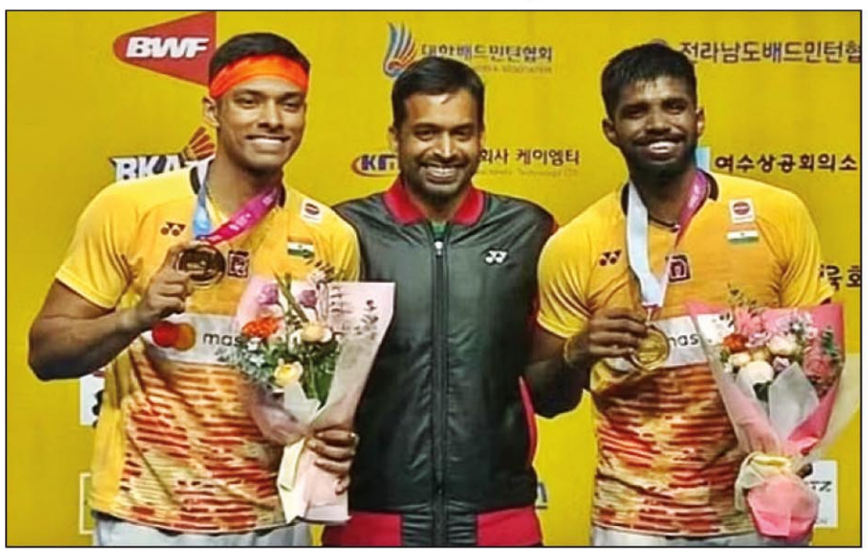

फाइनल मैच में क्या हुआ

साल 2023 में अपना चौथा फाइनल खेलते हुए, दुनिया के तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में दो बार के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अल्फियान और अर्दियांतो पर 17-21, 21-13, 21-14 से जीत हासिल की। यह 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग की लगातार 10वीं जीत थी। भारती जोड़ी ने इस साल स्विस ओपन, एशियाई चैंपियनशिप और इंडोनेशिया ओपन में अपनी जीत के बाद अपनी झोली में एक और खिताब जोड़ लिया।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अल्फियान और अर्दियांतो के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने कुल चार मैच खेले थे और रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर था। हालांकि, पिछले दोनों मैच भारतीय जोड़ी ने जीते थे और आत्मविश्वास उनके साथ था। इसी का फायदा उठाते हुए भारतीय जोड़ी ने दमदार वापसी की। शुरूआती गेम हारने के बाद भारतीय जोड़ी बाकी दोनों गेम जीते और मैच भी अपने नाम किया। इस मैच में भारतीय जोड़ी शुरुआत में थोड़ी कमजोर दिखी और कई गलतियां भी कीं। सात्विक-चिराग ने पहले गेम में ब्रेक तक इंडोनेशियाई जोड़ी को सात अंकों का फायदा दे दिया। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए छह अंक हासिल किए, लेकिन अंत में उन्हें गेम 17-21 के अंतर से गंवाना पड़ा। दूसरे गेम में शुरुआत से ही भारतीय जोड़ी ने गति पकड़ ली और बढ़त हासिल करने के बाद इंडोनिशियाई खिलाड़ियों को वापसी का मौका नहीं दिया। शुरुआत में भारत की बढ़त मामुली थी, लेकिन बाद में सात्विक-चिराग ने तेज से अंक बटोरे और 21-13 के अंतर से मैच अपने नाम किया।

तीसरे गेम में सात्विक और चिराग नियंत्रण में दिखे, उन्होंने 9-6 की बढ़त बना ली और फिर इंटरवल में स्कोर 11-8 हो गया। भारतीय अधिक आक्रामक थे और दुनिया की नंबर 1 जोड़ी को दबाव में रखने में कामयाब रहे। चिराग के इंटरसेप्शन ने भारतीयों को 13-10 पर तीन अंकों की बढ़त बनाए रखने में मदद की। अल्फियान और अर्दियांतो फीके दिख रहे थे क्योंकि कुछ भी उनके अनुकूल नहीं हो रहा था। सात्विक और चिराग हावी रहे और जल्द ही स्कोर 18-12 हो गया। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने तेजी से मैच खत्म किया। 21-14 के अंतर से गेम अपने नाम कर खिताब भी जीता और गंगनम स्टाइल में जीत का जश्न मनाया।

सेमीफाइनल में मिली थी रोमांचक जीत

शनिवार को भारतीय जोड़ी ने दुनिया की दूसरे नंबर की चीनी जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग पर सीधे गेम में रोमांचक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने जिन्नम स्टेडियम में 40 मिनट तक चले मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी पर 21-15, 24-22 से जीत दर्ज की थी। पिछली दो हार के बाद सात्विक और चिराग की चीनी जोड़ी पर यह पहली जीत थी।

जोड़ी बनाने के बाद से, सात्विक और चिराग ने कई खिताब जीते हैं, जिनमें राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, थॉमस कप में स्वर्ण, विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक और सुपर 300 (सैयद मोदी और स्विस ओपन), सुपर 500 (थाईलैंड और इंडिया ओपन), सुपर 750 (फ्रेंच ओपन) और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में जीत शामिल हैं।

मंत्रालय की अनुमति हो तो फुटबाल संघ एशियाड में टीम भेजने को तैयार, सुनील छेत्री होंगे कप्तान

नई दिल्ली।

अखिल भारतीय फुटबाल संघ कप्तान सुनील छेत्री की अगुआई में अपनी शीर्ष टीम को एशियाई खेलों में भेजने को तैयार है, बशर्ते उसे खेल मंत्रालय की ओर से हरी झंडी मिल जाए। पिछली बार 2018 के जकार्ता खेलों में भारतीय फुटबाल टीम को भाग लेने की अनुमति नहीं मिली थी। भारतीय टीम इस समय एशिया में 18वें नंबर पर है। खेल मंत्रालय के नियम के अनुसार टीम स्पर्धा में वहीं टीम भाग ले सकती है जो शीर्ष आठ में शामिल हो। भारतीय फुटबाल टीम ने हाल में सैफ चैंपियनशिप जीती है और वह फीफा रैंकिंग में सौ से कम पायदान पर आ गई है। मौजूदा टीम में अंडर-23 आयुवर्ग के सात खिलाड़ी हैं और तीन उम्रदराज खिलाड़ियों में सुनील छेत्री, गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और रक्षक संदेश झींगन जा सकते हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पहले योजना बनाई थी कि राष्ट्रीय सीनियर टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक थाईलैंड में किंग्स कप (7 से 10 सितंबर) के बाद चीन के हांगझोऊ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में अंडर-23 टीम की देखरेख करेंगे। 2002 से लेकर अब तक एशियाई खेलों में फुटबॉल की अंडर-23 टीमें ही खेलती हैं और एक टीम में इससे ज्यादा उम्र के सिर्फ तीन खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दी जाती है। एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा था, इस साल भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद उत्साहजनक रहा है। अगर उन्हें एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिलता है तो यह फुटबॉल के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन होगा, खासकर अंडर-23 लड़कों के लिए। आईओए ने 2018 एशियाई खेलों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को इसी आधार पर मंजूरी देने से इनकार कर दिया था कि वह एशिया में शीर्ष-8 में स्थान पर नहीं थी। आईओए और एनएसएफ को भेजे गए खेल मंत्रालय के निर्देशों में एक प्रावधान है, जो कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाले एआईएफएफ को आशा की किरण दे सकता है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को भेजे गए पत्र में खेल मंत्रालय ने कहा है, टीम स्पर्धाओं के लिए केवल उन्हीं खेलों को शामिल किया जाएगा जिन्होंने एशिया के भाग लेने वाले देशों के बीच पिछले एक साल में एक से आठवीं रैंकिंग तक हासिल की है।

सोफिया स्मिथ के दो गोल से अमेरिका ने जीता; जापान, इंग्लैंड और डेनमार्क का भी विजयी आगा

नई दिल्ली।

सोफिया स्मिथ के दो गोल (14 और 45+7वें मिनट) की मदद से मौजूदा विजेता अमेरिका ने शनिवार को महिला फुटबॉल विश्वकप में वियतनाम को 3-0 से हरा दिया। टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम अमेरिका खिताबी हैट्रिक लगाने की कोशिश में है। वहीं, न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में खेले गए ग्रुप-सी के अन्य मुकाबले में जापान ने जांबिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। ग्रुप-डी में इंग्लैंड और डेनमार्क ने भी जीत के साथ शुरुआत की। इंग्लैंड ने हैती को 1-0 और डेनमार्क ने चीन को 1-0 से हराया।

अमेरिका के लिए मैच में तीसरा गोल लिंडसे होरन ने 77वें मिनट में दागा। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। स्मिथ को साल की सर्वश्रेष्ठ अमेरिकी फुटबालर चुना गया था। अमेरिका की 14 खिलाड़ी पहली बार महिला विश्वकप में खेल रही हैं और उसमें से स्मिथ एक खिलाड़ी हैं।

जापान की हिनाता के दो गोल

जापान की तरफ से हिनाता मियाजावा (43 और 62वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि मीना तनाका (55वां मिनट) और एंडो (71वां मिनट) ने एक-एक गोल दागे। उनके अलावा जापान ने पेनाल्टी हासिल की जिसे रिको उएकी (90+11वां मिनट) ने गोल में बदल दिया।

इंग्लैंड और डेनमार्क को मिली मुश्किल जीत

ब्रिसबेन में जॉर्जिया स्टेनवे के 29वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल की मदद से इंग्लैंड ने हैती को 1-0 से हराया। इंग्लैंड के लिए यह मैच आसान माना जा रहा था, लेकिन हैती की टीम ने उसे दूसरा गोल नहीं मारने दिया। इंग्लैंड को इस ग्रुप में डेनमार्क और चीन से टक्कर मिलेगी। डेनमार्क ने चीन को हराकर विजयी आगाज किया। उसके लिए मैच समाप्त होने से कुछ देर पहले एमेली वैंग्सगार्ड (89वें मिनट) ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। एमेली का यह पहला अंतरराष्ट्रीय गोल है। चीन की टीम इस मैच को ड्रॉ कराने के करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंतिम लम्हों में मैच उसके हाथ से निकल गया।

चेन्नई लायंस ने एकतरफा अंदाज में गोवा चैलेंजर्स को 11-4 से हराया, अचंता शरथ कमल का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन में चेन्नई लायंस ने एकतरफा मुकाबले में गोवा चैलेंजर्स को 11-4 से हरा दिया। चेन्नई की जीत में सबसे अहम योगदान अनुभवी शरथ कमल का रहा। देश के सबसे बेहतरीन पैडलर में से एक अचंता शरथ कमल ने शनिवार को देश के शीर्ष क्रम के पुरुष एकल खिलाड़ी हरमीत देसाई को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अंतिम मैच में, यांग्जी लियू ने टी रीथ रिशिया को 2-1 से हराकर मौजूदा चैंपियन चेन्नई के लिए शानदार जीत दर्ज की।

मैच की शुरुआत से ही दोनों भारतीय पैडलर्स के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और दर्शकों ने कुछ शीर्ष-स्तरीय टेबल टेनिस एक्शन का आनंद लिया। पहला गेम 11-9 से शरथ कमल के पक्ष में गया, जिन्होंने अपने सटीक खेल से हरमीत की आक्रामकता का मुकाबला किया। 13 बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता ने अपनी लय आगे भी कायम रखते हुए दूसरे गेम में 11-9 से जीत हासिल कर ली और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए आठवां विजयी अंक हासिल किया। शरत ने तीसरा गेम 11-8 से जीता।

मुकाबले के पहले मैच में चेन्नई लायंस के बेनेडिक्ट डूडा ने अल्वारो रोबल्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबला खेला और 2-1 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 33 ने अपने खेल की शानदार शुरुआत की और कुछ शक्तिशाली फोरहैंड खेलकर पहला गेम 11-5 से अपने नाम कर लिया। गोवा चैलेंजर्स के पैडलर ने अपने सटीक शॉट्स के साथ वापसी की और 11-8 से जीतकर मैच को रोमांचक मुकाबले में बदल दिया। तीसरा गेम काफी करीबी रहा जो 11-7 से डूडा के पक्ष में गया। मुकाबले के दूसरे मैच में वर्ल्ड नंबर-39 गोवा चैलेंजर्स की सुथासिनी सावेटाबुत ने सुतीर्था मुखर्जी को 2-1 से हराया। भारतीय पैडलर, जो लीग में अपने आखिरी दो मैच हार गई थी, शुरुआत में अपने खेल में शीर्ष पर थी और उसने कुछ शुरुआती अंक लेकर सुथासिनी को परेशानी में डाल दिया। सुतिर्था ने थाई पैडलर के क्रूर फोरहैंड का तुरंत जवाब देते हुए पहला गेम 11-8 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और उन्होंने बढ़त हासिल करने के लिए कुछ सटीक बैकहैंड फेंके। अंत में गेम प्वाइंट के जरिए गेम सुथासिनी के पक्ष में गया। सुतिर्था तीसरे गेम में सकारात्मक सोच के साथ आईं और उन्होंने शुरुआती 4-1 की बढ़त ले ली। इससे पहले कि गोवा चैलेंजर्स के पैडलर ने जोरदार वापसी की और शक्तिशाली फोरहैंड शॉट्स के इस्तेमाल से 5-4 की बढ़त ले ली। इसके बाद उन्होंने 11-6 से गेम जीतकर मैच में जीत हासिल की। मुकाबले के तीसरे मैच में शरथ कमल और यांग्जी लियू ने हरमीत और सुथासिनी को 3-0 से करारी शिकस्त दी। शरथ और यांग्जी की जोड़ी ने शानदार तालमेल के साथ मैच की शुरुआत की और 11-6 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। शरथ और यांग्जी की जोड़ी ने अगला गेम भी उसी स्कोर से जीत लिया। तीसरा गेम गोल्डन प्वाइंट के जरिए चेन्नई लायंस पैडलर्स के पक्ष में गया।

रेसलिंग ट्रायल्स- ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट रवि दहिया एलिमिनेट हुए

57 किग्रा कैटेगरी में अमन, 65 किग्रा में विशाल कालीरमन चैम्पियन

नई दिल्ली।

टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले रवि दहिया एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। उन्हें रेसलिंग ट्रायल्स के पहले राउंड में ही महाराष्ट्र के आतिश तोडकर ने चित्त कर हरा दिया। लेकिन आतिश सेमीफाइनल मुकाबला हार गए। उन्हें हरियाणा के अमन ने हराया। अमन ने इस कैटेगरी में क्वालिफाई भी कर लिया।

5 कैटेगरी के रिजल्ट आ चुके हैं। 65 किग्रा कैटेगरी को छोड़कर सभी चैम्पियन एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगे। 65 किग्रा में बजरंग पूनिया को ट्रायल्स से पहले ही सिलेक्ट कर लिया गया।

एशियन गेम्स ट्रायल्स के रिजल्ट्स...

57 किग्रा वेट कैटेगरी में अमन ने क्वालिफाई किया। उन्होंने फाइनल में रोहित को 9-2 से हराया। इस कैटेगरी में ओलिंपिक चैम्पियन रवि दहिया पहले राउंड में ही हार गए थे। उन्हें हराने वाले आतिश को सेमीफाइनल में रोहित ने हराया, लेकिन रोहित फाइनल हारकर क्वालिफाई नहीं कर सके। 5 किग्रा वेट कैटेगरी में विशाल कालीरमन चैम्पियन बने। उन्होंने फाइनल में रोहित को 9-3 से हराया। विशाल एशियन गेम्स में स्टैंड-बाय प्लेयर रहेंगे, क्योंकि इस कैटेगरी में बजरंग पूनिया को पहले से सिलेक्ट कर लिया गया है। 74 किग्रा वेट कैटेगरी में तुशीर ने क्वालिफाई करने लिया। उन्होंने फाइनल में नवीन को 5-3 से हराया। 86 किग्रा वेट कैटेगरी में दीपक पूनिया ने क्वालिफाई किया। उन्होंने फाइनल में जोंटी कुमार को 4-3 से हराया। 97 किग्रा वेट कैटेगरी में विक्की हुड्डा ने क्वालिफाई किया। उन्होंने फाइनल में गौरव बालियान को 10-0 से हराया।

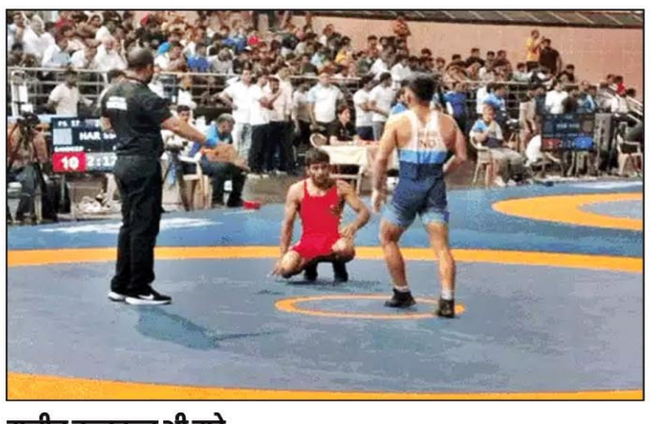

सुजीत कलकल भी हारे

65 किग्रा वेट कैटेगरी में बजरंग पूनिया का सिलेक्शन पहले से हो चुका है। इस कैटेगरी में जीतने वाले रेसलर को स्टैंड बाय प्लेयर के रूप में एशियन गेम्स खेलने भेजा जाएगा। इस सिलेक्शन को हाई कोर्ट में चैलेंज करने वाले सुजीत कलकल अपना मुकाबला जीत नहीं सके। रोहित गुलिया ने उन्हें हराकर फाइनल में जगह बनाई।

रवि 20-8 स्कोर लाइन के बाद फॉलआउट में हारे

रवि दहिया और आतिश तोडकर के बीच पहले राउंड का मुकाबला खेला गया। रवि पहले राउंड में 20-8 से आगे चल रहे थे, लेकिन आतिश ने टाइम खत्म होने से ठीक पहले अपना फिनिशिंग मूव लगाया और फॉलआउट दांव लगाकर रवि दहिया को चित्त कर दिया। फॉलआउट में विपक्षी रेसलर के दोनों कंधों को एक सेकेंड से ज्यादा समय के लिए जमीन से टकराना होता है।

दिल्ली में ट्रायल्स जारी

एशियन गेम्स में रेसलिंग कॉम्पिटिशन का हिस्सा बनने वाले भारतीय खिलाड़ियों के लिए ट्रायल्स दिल्ली में जारी है। इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव रेसलिंग कॉम्प्लेक्स में शनिवार को ट्रायल्स शुरू हुए थे। तब विमेंस कैटेगरी के साथ ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल के ट्रायल्स भी हुए। मेंस फ्रीस्टाइटल इवेंट में 57, 65, 74, 86, 97 और 125 किग्रा वेट कैटगरी ट्रायल्स चल रहे हैं।

पहले दिन अंतिम पंघल जीतीं

विमेंस कैटेगरी में शनिवार को ट्रायल्स खत्म हो गए 53 किग्रा वेट कैटेगरी में अंतिम पंघल ने क्वालिफाई किया। लेकिन वह स्टैंड-बाय प्लेयर के रूप में एशियन गेम्स खेलेंगी, क्योंकि इस वेट कैटेगरी में विनेश फोगाट का सिलेक्शन पहले से हो चुका है। मैच के अंतिम ने कहा, मैंने फेयर ट्रायल जीते हैं और मैं हाई कोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करूंगी।

इन पांच प्रकार के लोगों से कभी खुश नहीं होती देवी मां

देवी की उपासना कर हर कोई मां को खुश करना चाहता है। कहा जाता है कि देवी मां हर किसी की मुराद पूरी करती हैं। ज्योतिषों की मानें तो देवी की उपासना एवं पूजा-आराधना करने से पहले लोगों को अपने इन दोषों को दूर करना चाहिए। तभी उन्हें मां आशीर्वाद मिलता हैः

1. माता-पिता, पितर, गुरु और अतिथि का अनादर करने वालों परः जो लोग घर में अपने माता-पिता का आदर नहीं करते उनसे देवी कभी खुश नहीं होती। इसके अलावा अपने गुरू और घर में आए मेहमान का अपमान करने वाले इंसान से भी देवी हमेशा नाखुश रहती हैं।
2. झूठी गवाही देने वाले और विश्वासघात करने करने वालों परः जो लोग दूसरों को धोखा देते हैं या फिर किसी के लिए झूठी गवाही देते हैं इस तरह के लोगों को देवी मां की कृपा नहीं मिल पाती।
3. घर में नित्य कलह करने वालों पर और स्त्रियों का अपमान करने वालों सेः जो लोग घर में हमेशा कलह करते हैं और स्त्रियों का सम्मान नहीं करते उनसे भी देवी मां कभी खुश नहीं होती।
4. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सोने वालों परः जो लोग सुबह सूर्यादय और सूर्यास्त के समय सोते हैं उनसे देवी कभी कुश नहीं होती। इसलिए सुबह सूर्यादय और सूर्यास्त के समय कभी सोना नहीं चाहिए। पंडित दिवाकर त्रिपाठी के अनुसार यह समय भगवान के स्मरण का होता है इसलिए इस समय सोने के बजाए भगवान का स्मरण करना चाहिए।
5. क्रोध, घमंड करने वालों, गंदे कपड़े पहनने वालों परः जो लोग घमंड करते हैं और गुस्सा करते हैं और साफ कपड़े नहीं पहनते उनसे देवी नाराज रहती हैं।

ज्यादा सेल्फी लेने से हो सकता है त्वचा को नुकसान

लोगों में आजकल सेल्फी लेने का चलन जोरों पर है। सेल्फी के लिए लोगों की दीवानगी देखते ही बनती है। सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गंवाने वालों के बारे में तो आपने बहुत सुना ही होगा लेकिन आज हम आपको सेल्फी से होने वाले ऐसे नुकसान के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सुनकर आप सेल्फी लेने से घबराने लगेंगे। जीं हां दुनिया के कई मशहूर डर्मटोलॉजिस्ट ने इस बात की चेतावनी जारी की है कि ज्यादा सेल्फी लेना आपकी त्वचा को नुक्सान पहुंचा सकता है।

ज्यादा सेल्फी लेने के नुकसान

त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि चेहरे पर लगातार स्मार्टफोन की लाइट और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का जोखिम त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां भी बढ़ सकती है। ज्यादा सेल्फी लेने से आपकी त्वचा की उम्र तेजी से बढ़ने लगती है और आप समय से पहले बूढ़े लगने लगते हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार फ्लैश लाइट और स्क्रीन से चेहरे पर पड़ने वाली ब्लू लाइट त्वचा के लिए काफी नुकसानदायक है। इसी के साथ बताया कि ब्लॉगर्स और ज्यादा सेल्फी लेने वालों को अब जल्दी ही संभल जाना चाहिए।

त्वचा पर सेल्फी का असर

एक्सपर्ट्स के अनुसार इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियेशन आपकी त्वचा में मौजूद डीएनए पर बुरा असर डालता है। इस रेडियेशन के चलते शरीर की स्किन रिपेयरिंग की क्षमता पर भी काफी बुरा असर पड़ता है जिससे समय से पहले झुर्रियां दिखनी शुरू हो जाती हैं और माना जाता है कि किसी भी तरह की क्रीम या सनस्क्रीन इससे बचाव नहीं कर सकती। हालांकि एक अच्छा स्क्रब त्वचा के सेहत काफी अच्छी रख पाता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना हैं कि आप त्वचा को बाहर से हाइड्रेट नहीं कर सकते यानि उसकी पानी की जरूरत को बाहर से पूरा नहीं कर सकते। ये जरूरत अंदर से ही पूरी की जा सकती है।

जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो।

हृदय में प्रेम का अंकुर जरूरी...

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाई गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्ति मार्ग में प्रेम ही प्रधान है। जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

धर्म क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का धर्म अलग है, जैसे राजा का धर्म है प्रजा का ध्यान रखना। सैनिक का धर्म है युद्ध लड़ना, व्यापारी का धर्म है व्यापार करना। जब हम धर्म की परिभाषा इस तरह से करते हैं तो सवाल उठता है कि क्या चोर का धर्म है चोरी करना? फिर तर्क दिया जा सकता है कि नहीं, जो नीति-नियम सम्मत आचरण है वही धर्म है। अर्थात नैतिकता का ध्यान रखा जाना जरूरी है, तो सिद्ध हुआ की नीति ही धर्म है? श्रेष्ठ आचरण ही धर्म है? यदि ऐसा है तो दांत साफ करना नैतिकता है, लेकिन दांत साफ करना हिंसा भी है, क्योंकि इससे हजारों किटाणुओं की मृत्यु हो जाती है। जो आपके लिए नैतिकता है वह हमारे लिए अनैतिकता हो सकती है। धर्म के लिए हजारों लोगों की हत्या भी कर दी जाए तो वह नीति है उसे आप धर्मयुद्ध कहते हैं। तब हम कैसे मान लें की नीति या नैतिकता ही धर्म है? या फिर आप नैतिकता के नाम पर जो-जो गलत है उसे अलग हटाइए। इस नजरिए से वैदिक ऋषियों का विचार सबसे ज्यादा उपयुक्त लगता है कि सृष्टि, धर्म और स्वयं के हित और विकास में किए जाने वाले सभी कर्म धर्म हैं।

धर्म का मर्म

रहस्य यह है कि सभी आध्यात्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान प्राप्त करने और नैतिक रूप से जीने के मार्ग बताए थे। वेद, पुराणों, सभी धर्म ग्रंथों के अनुसार असल में धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। लेकिन समाज के ठेकेदारों ने धर्म के अर्थ को अधर्म का अर्थ बनाकर रख दिया है। आप लाख कितना ही किसी को भी समझाओं की दुनिया के सारे संप्रदाय एक ही तरह की शिक्षा देते हैं। उनका का इतिहास भी सम्मलित है, लेकिन फिर भी वे दूसरे के संप्रदाय से नफरत ही रखेंगे। इसका सीधा सा कारण है प्रत्येक अधार्मिक व्यवस्थाओं को धर्म मान लिया गया है। धर्म को परिभाषित करना उतना ही कठिन है जितना ईश्वर को। हिन्दू धर्म में धर्म को एक जीवन को धारण करने, समझने और परिष्कृत करने की विधि बताया गया है। धर्म ग्रंथो, पुराणो में व्याप्त कथाओं का अनुसरण कर ही हम अपने धर्म को भलीभांति जान सकते हैं। बहु-प्रचलित कथाओं के अनुसरण के आधार पर देखते हैं कि वह कथा हमें क्या शिक्षा देती है।

धर्म का अर्थ सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मुक्ति का मार्ग माना जाता है। देव, दानव, मनुष्य, पशु, पक्षी, इस सृष्टि में व्याप्त प्राणी मात्र में प्रेम का भाव ईश्वरीय देन है। इस आधार पर प्रेम ही सत्य है, प्रेम ही शाश्वत है। सच्चे प्रेम में एक दूजे से सत्य बोलना और सच्चाई और ईमानदारी से अपने साथी का साथ निभाने का गुण होता है। यही उनके प्रेम की सत्यता को प्रमाणित करने का प्रथम आधार होता है। प्रेम तो बस प्रेम मांगता जिससे भी हम प्रेम

मुक्ति का मार्ग

करते है उसकी खुशी, उसका साथ चाहता है। प्रेम मे तो वह दिव्य शक्ति है, जो हिंसक को भी अहिंसक बना दे। प्रेम हिंसा का नहीं, अपितु अहिंसा का मार्ग है। प्रेम निश्चित रूप से सिर्फ और सिर्फ आपस में एक दूजे से प्रेम करने वाले, जीवन भर के लिए एक दूजे का साथ पाने की सुखद अनुभूतियों व सपनों को जीने की इच्छा रखने वाले दो प्रेमियों के जीवन को प्रभावित करता है। विरह की वेदना प्रेमियो को तोड़कर रख देती है। वही अपने प्रेम को पाने की खुशी उसे ऊर्जा व विश्वास से भर देती है। अपने प्रेम को पाना, अपने प्रेमी का साथ पाना किसी भी तरह से किसी के साथ अन्याय नहीं है। हम जिससे प्रेम करते है उसका साथ पाने के लिये किया गया हर कर्म अपने साथी के साथ न्याय है। इस आधार पर प्रेम न्याय है। अर्थात निश्चित रूप से दो प्रेम करने वालो को अलग करना अन्याय है।

प्रेम तो प्रेम है

प्रेम तो प्रेम ही है। बिना किसी दुर्भावना के निश्छलता के साथ अपने साथी की खुशी व साथ निभाने के लिये किया गया प्रेम ही वास्तविक प्रेम है। धर्म ग्रंथो में प्राणी मात्र के प्रति प्रेम व करुणा का भाव रखने की बात कही गई है। निश्चित रूप से आपका प्रेम भी इस सृष्टि का ही हिस्सा है। कुछ लोग कहेंगे कि यह तो ईश्वर के प्रति प्रेम के बारे में होगा। प्रेम तो प्रेम ही होता है। प्रेम तो हृदय से उत्पन्न भाव है। हृदय के भाव तो किसी के भी प्रति हो सकता है। ईश्वरीय प्रेम और मानवीय प्रेम में भेद नही किया जा सकता है। फिर प्राणीमात्र के प्रति समानता का भाव रखना भी तो धर्म ही है। सबसे महत्वपूर्ण तो बात यह है कि धर्मग्रंथों में व्याप्त कथाओं में कही भी केवल ईश्वर के प्रति प्रेम की बात नहीं कही गई। कथाओं में सती का शिव के प्रति हो या पार्वती का शिव के प्रति या फिर राधा का कृष्ण के प्रति या रुक्मिणी का गोविन्द के प्रति हर जगह प्रेम एक प्रेमिका का उसके प्रेमी के प्रति ही दर्शाया गया न कि भगवान के रूप में या भगवान के प्रति दर्शाया गया।

प्रेम सर्वोपरि

धर्म का व्यक्तिगत स्वतंत्रता वाला पहलु प्राणिमात्र को अपनी स्वेच्छा से जीवन जीने व अपना जीवनसाथी चुनने व प्रेम करने का अधिकार देता है। सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ प्रेम पूर्वक अपनों - परायों में भेद भाव न कर समानता से न्याय की बात करना। प्राणिमात्र के प्रति दया व करुणा का भाव रखते हुए। ईमानदारी के साथ हंसी खुशी अंतिम सांस तक जिंदादिली के साथ जीवन जीने पर ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

धर्म ग्रंथो में प्रेम का स्थान सर्वोपरि बताये जाने को जितना जाना, समझा गया है उस आधार पर तो यही कारण नजर आता है। धर्म के हर पहलु को लिए हुए होने के कारण ही शिव-शक्ति, राधा-कृष्ण, श्याम-रुक्मणि, अनेक महापुरुषों और ऋषि मुनियों ने प्रेम का गुणगान किया ।

संत कबीर का दोहा भी प्रेम की इसी विशालता व सर्वोपरिता को दर्शाता है ।

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।

यानी बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले, अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

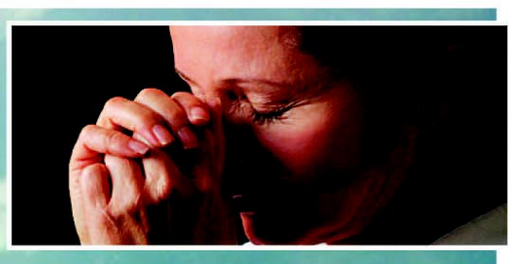

जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती...

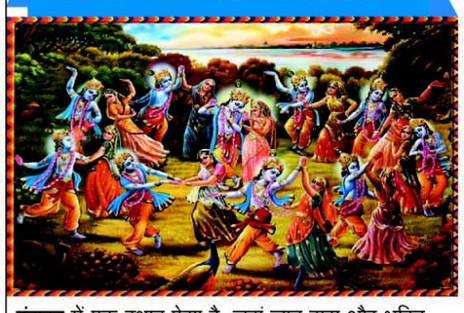

वृंदावन में एक स्थान ऐसा है, जहां ज्ञान हारा और भक्ति जीती। इस प्रसंग ने लोक मानस में यह बैठाया कि ज्ञानार्जन से अधिक ज्ञानानुभव महत्वपूर्ण होता है। बुद्धि से ज्यादा भावनाएं प्रमुख होती हैं। मस्तिष्क से अधिक दिल की बात सुननी चाहिए। इस स्थान को ज्ञान गूदड़ी कहते हैं। लोक में यह प्रसंग उद्धव-गोपी संवाद के रूप में जाना जाता है। भक्तिकालीन कवियों ने इस प्रसंग से यह स्थापित किया कि भगवान को पाने का सबसे सहज और सरल मार्ग भक्ति का है। शास्त्रों-पुराणों में यह प्रसंग नाम मात्र है। महाकवि सूरदास ने इस प्रसंग को विस्तार दिया। बात उस समय की है जब- कृष्ण गुरु संदीपन के यहां ज्ञानार्जन के लिए गये थे तब उन्हें ब्रज की याद सताती थी। वहां उनका एक ही मित्र था उद्धव, वह सदैव ज्ञान-नीति की, निर्गुण ब्रह्म और योग की बातें करता था। श्रीकृष्ण का उद्धव से परिचय मथुरा में हुआ। उद्धव हर संदर्भ में नीतियों का सहारा लेते। परिणामस्वरूप उनसे बात करने वाला निरुत्तर रह जाता। उनके गहन अध्ययन और विद से प्रभावित लोग उन्हें देवताओं के गुरु बृहस्पति का शिष्य मानते। पहले परिचय में ही उद्धव ने अपनी ज्ञानपूर्ण बातों से श्रीकृष्ण को प्रभावित किया। श्रीकृष्ण को यह अनुभूति थी कि उद्धव को ज्ञान का गर्व है। शंका निवारण के लिए श्रीकृष्ण ने युक्ति निकाली। एक दिन उन्होंने उद्धव से बात करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि ज्ञान का मार्ग सर्वोत्तम है। ज्ञान से व्यक्ति के मोहपाश खुल जाते हैं। माया के बंधनों से उसे मुक्ति मिल जाती है। इस तरह मोह-माया उसे दुःख नहीं पहुंचाते। उद्धव को अपनी बात गंभीरता से सुनते देख गंभीर लंबी सांस लेकर श्रीकृष्ण ने कहा- उद्धव जी, क्या यह संभव है कि आप ब्रज जाकर गोपियों को समझाएं। उन्हें बताएं कि दुनिया का सार ज्ञान है, प्रेम नहीं। ज्ञान से प्राप्ति होती है, भावनाओं से नहीं। ज्ञान से शांति मिलती है, जबकि प्रेम अशांत करता है। ज्ञान दुखों से ऊपर उठाता है और प्रेम दुखों में डुबोता है। ज्ञान समस्याओं का अंत है और प्रेम दुखों का आरंभ। श्रीकृष्ण की बात सुनकर उद्धव के भीतर ज्ञानजन्य गर्व हिलोरें लेने लगा। उन्होंने ब्रज जाकर गोपियों को समझाने की बात मान ली। उन्होंने श्रीकृष्ण को आश्वासन दिया कि वे गोपियों को समझाकर कुछ दिन में ही लौट आएंगे। श्रीकृष्ण का संदेश लेकर उद्धव वृंदावन पहुंचे। उद्धव के आगमन का समाचार पूरे ब्रज में फैल गया। नंद बाबा के घर कुछ समय बिताने के बाद उद्धव गोपियों से मिलने पहुंचे। उद्धव ने देखा गोपियां बेहाल हैं। उद्धव को यह सब विचित्र लगा। गोपियों की दशा पर वे मन ही मन मुस्कुरा उठे। ज्ञान गर्व पीड़ित हो उन्होंने आंखें मूंद लीं। आगे बढ़ने पर उन्हें सखियां से घिरी राधा दिखीं। अपूर्व सौंदर्य, सौंदर्य से अभिभूत उद्धव ने अपने को कृष्ण सखा बताकर राधा को प्रणाम किया। उद्धव ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं आपके लिए उनका संदेश लाया हूं। वह सोच रहे थे कि श्रीकृष्ण का संदेश सुनते ही गोपियां, मां यशोदा और नंदबाबा की तरह आनंद से भर उठेंगी। लेकिन राधा तो लगता है मद में हैं। उन्हें किसी की चिंता ही नहीं। उद्धव के अभिमान ने करवट ली। उनके मन ने कहा-अपने ज्ञान से वे कितने मूर्खों का जीवन बदल चुके हैं। फिर ये गोपियां क्या हैं? आखिर हैं तो स्त्रियां ही। प्रेम ने इनका मस्तिष्क दूषित कर दिया है। इनसे हार मानकर लौटना उचित नहीं। उद्धव ने एक बार फिर बात शुरू करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आपको श्रीकृष्ण के पास मथुरा कोई संदेश भेजना हो तो बताइए। इस पर राधा बोल पड़ीं- उद्धव जी हमारे हृदय प्रेम से भरे हैं। इसलिए हमें किसी संदेश या संदेशवाहक की आवश्यकता नहीं। प्रेम संदेश तो हृदय सुन लेता है। हम तो नित्य अपने मनमोहन को अपना संदेश सुनाती और उनका सुनती हैं। श्रीकृष्ण के प्रेम में गोपियां इस तरह डूबी हैं कि इन्हें संसार का ज्ञान ही नहीं रह गया। सांसारिक आचरण से यह ऊपर हो गई हैं। गोपियों के प्रेम के प्रति उद्धव के मन में आदरभाव पनप उठा। ज्ञान से बंजर हुए मस्तिष्क में प्रेम का अंकुर फूट पड़ा। ज्ञान की गूदड़ी में उन्हें प्रेम का हीरा मिल गया। उद्धव शांत हो गए। उन्हें लगा कि उन्होंने ज्ञानार्जन तो बहुत किया, लेकिन ज्ञानानुभव आज ही हुआ। उनका मन श्रद्धा से भर उठा। मस्तक वृंदावन की प्रेम भूमि पर नत हो गया।

नैतिकता से दूर दानव की राह...

नैतिक शिक्षा ही मानव को 'मानव' बनाती है क्योंकि नैतिक गुणों के बल पर ही मनुष्य वंदनीय बनता है। सारी दुनिया में नैतिकता अर्थात सच्चरित्रता के बल पर ही धन-दौलत, सुख और वैभव की नींव खड़ी है। प्रसंग बताता है कि 'इन्द्र ने ब्राह्मण का रूप धारण करके प्रह्लाद के पास जाकर पूछा- ''आपको तीन लोकों का राज्य कैसे मिला ?'' प्रह्लाद ने इसका कारण नैतिकता यानी शील को बताया। इन्द्र ने प्रह्लाद से वरदान में नैतिकता यानी शील को मांग लिया। शील के जाते ही धर्म, सत्य, सदाचार, बल, लक्ष्मी सभी चले गये।''भारत की नैतिकता इतनी ऊंची थी कि सारा संसार अपने चरित्र के अनुसार शिक्षा प्राप्त करे। ऐसी घोषणा यहां की जाती थी। नैतिकता के अंग हैं -सच बोलना, चोरी न करना, अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। परन्तु आज ये शिक्षा ना तो बालक के माता-पिता, जिन्हें बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है, ना ही विद्यालय दे पा रहा है। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता का बोल-बाला है। आज का छात्र कहां जानता है, बड़ों का आदर-सत्कार, छोटों से शिष्टता-प्यार, स्त्री जाति की सुरक्षा-सम्मान सत्कार। रही-सही कसर पूरी कर देता है हमारा फिल्मजगत और टेलिविजन प्रसारण। जो अश्लीलता की हर हदें पार कर चुका है और उसका मूल्य चुकाना पड़ता है समाज को, क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है अनुकरण करना। वह अनुकरण से ही सीखता है।

सही सोच जरूरी

समाज में एक ज्वाला जली है हवस की। चारों तरफ, जहां पढ़ो, सुनो व देखने को मिलता है देश में महिलाओं के खिलाफ असामाजिक घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। दूसरी ओर यदि हम देखें तो साहित्य व सिनेमा जगत समाज का दर्पण होते हैं। जहां एक ओर वे गलत दिखाकर समाज को गलत राह पर ले जा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर सही सोच, सही प्रदर्शन दिशा भ्रमित होने से बचा सकता है। इतिहास बताता है कि 'राजा जयसिंह अपनी नव विवाहिता के प्रेम प्यार में आबद्ध होकर राजकाज भूल गये थे। बिहारी कवि की एक श्रृंगारिक अन्योक्ति ने राजा को सचेत कर कर कर्तव्य पथ पर अग्रसर कर दिया- नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहिकाल। अलि कली ही सों बिंध्यौ, आगे कौन हवाल ।। इस दोहे ने राजा जयसिंह की आंखें खोल दी थी। यहां पूरे ही समाज का दायित्व हो जाता है कि हम अपने नैतिक मूल्यों का पुर्नस्थापन करें।

मार्ग को भूल गए

स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि भारत ही वह देश है जो जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ अब तक पर्वत से भी अधिक दृढ़ भाव से खड़ा है। अफसोस! आज हम अपने पूर्वजों के दिखाए, बताये मार्ग को भूल गए हैं। पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति को अपनाते-अपनाते, ना तो हम खुद को ही पहचान पा रहे हैं, ना ही पाश्चात्य को। कुछ हम आजादी मिलने का अर्थ कुछ और ही ले रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर वहां की महिलाओं की स्थिति है। नारी राष्ट्रीय व सामाजिक जीवनामृत का केन्द्र है। जो राष्ट्र समाज में स्त्रियों का आदर नहीं करना चाहते व कभी महान बन ही नहीं पाएंगे। देश के वर्तमान पतन का मुख्य कारण यही है कि हमने शक्ति की इन सजीव प्रतिमाओं के प्रति आदरभाव नहीं रखा। स्त्रियों के प्रति घृणित दृष्टि निन्दनीय है। माँ के रूप में, बहन-बेटी के रूप में महिलाओं को सुरक्षा, सुविधा, स्नेह व दुलार देना समाज का कर्तव्य है। नैतिकता और सदाचार ही राष्ट्रीय जीवन का आधार है।

सही मार्गदर्शन मिलें

आज समाज में इन्हीं नैतिक मूल्यों की स्थापना की सबसे अधिक जरूरत है। प्रत्येक बच्चे को सही मार्गदर्शन मिले, यह उचित शिक्षा ही कर सकती है। नैतिकता का पाठ पढ़ाया नहीं जा सकता, वरन् उसे चरित्र में उतारना है। गीता को कंठ से गाना ही नहीं होता वरन् उसका अक्स अपने हृदय में बसाना होगा तभी यह देश स्त्रियों, मासूम बच्चियों का आदर, सुरक्षा का दर्जा दे पायेगा। वरना मानव दानव का रूप धर चुका है तथा उसका रूकना कठिन ही नहीं नामुमकिन हो जाएगा।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें: ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की: ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**